THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 281 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.3 2082 मंगलवार, 6 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया न्यायाधीश की बर्खास्तगी का फैसला : हाईकोर्ट को दी सलाह

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से जमानत आवेदनों पर निर्णय लेने के लिए अलग मापदंड अपनाने के कारण बर्खास्त एक जिला न्यायाधीश की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को रद्द कर दिया। न्यायाधीश की बर्खास्तगी का फैसला रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि न्यायाधीश के खिलाफ केवल कथित तौर पर गलत या त्रुटिपूर्ण न्यायिक आदेश पारित करने के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने निर्भय सिंह सुलिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की।

नई पार्टी बनाऊंगी : कविता

फूट फूट कर रोते हुए पिता की ही पार्टी को कटघरे में खड़ा किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता आज भावुक होकर विधान परिषद में अपने भाषण के दौरान रोने लगी। इस दौरान उन्होंने एमएलसी पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर सभापति से स्वीकार करने की अपील की। कविता ने नई पार्टी बनाने की घोषणा कर लोगों से सहयोग मांगा।

एमएलसी कविता के भाषण तेलंगाना की राजनीति का तापमान गरमा दिया है नए नई बहस शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और एमएलसी के. कविता ने विधान परिषद में बीआरएस पार्टी के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद किया। विधान परिषद में बोलते हुए,कविता ने अपने ही पिता की ही पार्टी को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस में लोकतंत्र नाम की चीज नहीं रह गई है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में पार्टी में उनको कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, कि मैंने तेलंगाना आंदोलन के दौरान केसीआर और प्रो. जयशंकर की प्रेरणा से राजनीति में प्रवेश किया। लेकिन तेलंगाना के गठन के पहले दिन से ही मुझ पर कई तरह की पाबंदियां लगनी शुरू हो गईं। पार्टी में हो रही गलतियों पर सवाल उठाने के कारण उन्होंने मेरे खिलाफ एक मजबूत गुट बना लिया। मुझे बीआरएस से कई तरह की पाबंदियों और समस्याओं का सामना करना पड़ा। जब मेरी अपनी पार्टी में ही आंतरिक लोकतंत्र नहीं है, तो राज्य में लोकतंत्र की रक्षा कैसे की जा सकती है?" कविता की इन टिप्पणियों ने राजनीतिक गलियारों में तहलका मचा दिया है । कविता ने कहा कि बीआरएस पार्टी तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रही। उन्होंने जमकर हमला बोला, जिनमें पानी, धन और नियुक्तियां शामिल थीं। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। "बीआरएस की अनुशासनात्मक समिति एक बड़ा मज़ाक है और नाममात्र है।

उन्होंने मुझे कारण बताओ नोटिस दिए बिना ही पार्टी से निलंबित कर दिया। "उन्होंने कहा कि पार्टी ने पिछले आठ सालों से जनता के लिए उनके प्रयासों में बाधा डाली है। उन्होंने विधान परिषद से बाहर आने के बाद कहा कि वे जनता के लिए काम करना चाहती है। उन्होंने कहा कि एक नई पार्टी बनाकर जनता की सेवा करेगी।

आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के तेल कुएं से गैस रिसाव

ब्लास्ट के साथ आग भी लगी, तीन गांव खाली कराए गए

कोनसीमा, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले के राजोले इलाके में सोमवार को ओएनजीसी के एक चालू तेल कुएं से भारी गैस रिसाव हुआ है। घटना उस वक्त हुई, जब कुएं में मरम्मत का काम चल रहा था। हालात को देखते हुए प्रशासन ने आसपास के तीन गांवों को एहतियातन खाली करा लिया। अभी किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, तेल कुएं से उत्पादन अस्थायी रूप से रोका गया था और मरम्मत की जा रही थी। इसी दौरान अचानक तेज ब्लास्ट हुआ और गैस व कच्चा तेल तेजी से ऊपर की ओर निकलने लगा। कुछ ही देर में गैस में आग लग गई और कुएं के पास ऊंची लपटें उठने लगीं। अधिकारियों के अनुसार, गैस और धुएं के घने बादल इरुसुमंदा और आसपास के इलाकों में फैल गए, जिससे पूरे क्षेत्र में धुंध जैसा माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से बिजली के स्विच बंद रखने, गैस चूल्हा न जलाने और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का इस्तेमाल न करने की अपील की। घटना की सूचना मिलते ही ओएनजीसी की टीमें मौके पर पहुंचीं और गैस रिसाव व आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। पूरे इलाके को घेराबंदी कर सील कर दिया गया है। वरिष्ठ जिला अधिकारी और ओएनजीसी के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बेड़े में शामिल हुआ सबसे बड़ा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल कर ली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में 60 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री से बना प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को शामिल किया। आपको बता दें कि वैसे तो समुद्र प्रताप को प्रदूषण कंट्रोल के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन यह सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में भी उतना ही सक्षम है, तटीय गश्त में भी उतना ही प्रभावी है, और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज की समुद्री चुनौतियों की मांग :

इस शिप में एक ही प्लेटफार्म पर कई क्षमताओं को इंटीग्रेट किया गया है। रक्षामंत्री के अनुसार यही आधुनिक अप्रोच आज की समुद्री चुनौतियों की मांग है, जहां लचीलापन और तैयारी दोनों एक समान महत्वपूर्ण हैं। 'समुद्र प्रताप' का निर्माण गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' 114.5 मीटर लंबा और लगभग 4,200 टन वजनी है। यह शक्तिशाली पोत 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी तकनीक से बनाया गया है।

शिप की सबसे बड़ी खासबात :

'समुद्र प्रताप' की गति 22 नॉट से अधिक है। ये क्षमताएं इसे लंबी दूरी के परिचालन के लिए बेहद सक्षम बनाती हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि इस शिप की एक और खास बात है कि इसमें 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। यह अपने आप में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ता हुआ एक मजबूत कदम है।

मेच्योर हो चुका डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम :

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी मेक इन इंडिया पहल का असली अर्थ ऐसे ही प्रोजेक्ट में दिखाई देता है। इतने जटिल प्लेटफार्म में भी, इस स्तर की स्वदेशी सामग्री यह दिखाती है कि हमारा डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम अब काफी मेच्योर हो चुका है।

'तुमने भगवान को भी नहीं छोड़ा'

सबरीमाला सोना चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खूब सुनाया

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला सोना चोरी मामले में पूर्व त्रावणकोर देवासम बोर्ड (टीडीबी) सदस्य के.पी. शंकरदास की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी मौखिक टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि उन्होंने भगवान को भी नहीं छोड़ा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एस.सी. शर्मा की पीठ ने केरल हाईकोर्ट के एकल पीठ के फैसले में उनके खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि देवस्वोम बोर्ड की बैठक के मिनट्स पर हस्ताक्षर करने के बाद शंकरदास जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले के उन पांच पैरा को हटाने से भी इनकार कर दिया, जिनमें यह कहा गया था कि सोना चोरी मामले में देवासम बोर्ड के सदस्य के.पी. शंकरदास और विजयकुमार की जिम्मेदारी बनती है। सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि शंकरदास ने बोर्ड के फैसलों पर हस्ताक्षर किए हैं, ऐसे में वह खुद को पूरी तरह अलग नहीं कर सकते। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर हाईकोर्ट की टिप्पणियों में हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं है।

योगी एसआईआर के आंकड़े लेकर मोदी से मिले

एक घंटे सर्द धूप में चर्चा, केशव-पाठक भी दिल्ली में-राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ीं

लखनऊ/नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सीएम योगी सोमवार को दिल्ली दौरे पर हैं। यहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। योगी ने मोदी को राम मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट किया। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। बैठक के दौरान योगी के पास एक फाइल दिखी। माना जा रहा है कि इसमें यूपी में एसआईआर के आंकड़े थे।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच एसआईआर और प्रदेश सरकार के आगामी कामकाज को लेकर बात हुई। योगी ने पीएम को एसआईआर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पीएम को जेवर एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण समारोह और अगले महीने संभावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का न्योता भी दिया। सीएम ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात की है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य पहले से ही दिल्ली में हैं। पाठक ने भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह मुलाकात की। तीनों दिग्गजों का दिल्ली में जमावड़ा होने से सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

पटाखे जलाने वाले देशद्रोही, कह दो कि सब मर जाएं

सुप्रीम कोर्ट की गलती, प्रदूषण पर मेनका गांधी ने ये क्या कह दिया?

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या को लेकर बहुत ही विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जो लोग पटाखे जलाते हैं, वह देशद्रोही हैं। मेनका यहीं तक नहीं रुकी हैं, उन्होंने इस समस्या के लिए सुप्रीम कोर्ट को भी दोषी ठहराया दिया है और कहा है कि वह आजकल मनमाने ऑर्डर देने लगा है। उन्होंने कहा कि या तो पटाखे पर बैन लगे या कह दिया जाए कि 'सब लोग मर जाओ'।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने कहा है, जो लोग पटाखे इस्तेमाल करते हैं, वो देशद्रोही हैं... इसके लिए मेरे मन में और कोई शब्द नहीं है। उन्होंने कहा है कि दिवाली, दशहरा, शादी और न्यू ईयर पर लोग जो पटाखे जलाते हैं, पैसा फूंकते हैं, उसकी वजह से हम सांस नहीं ले पाते। उन्होंने कहा कि, हम लोग अन्य चीजों पर दोष डालते हैं। कोई अपने खेतों को जला रहा है... गाड़ियों की मुसीबत है, लेकिन ये सब झूठ है। अगर ये सच होता तो दिवाली के तीन दिन पहले तक सब ठीक होता है, उसके बाद न्यू ईयर तक और उसके बाद हम जी नहीं पाते, इसकी केवल एक वजह है।

उन्होंने दावा किया है कि सिर्फ दिल्ली में ही दिवाली के दिन 800 करोड़ रुपये के पटाखे जला दिए जाते हैं। उनके मुताबिक, अगर केवल दिल्ली शहर में दिवाली में 800 करोड़ के पटाके उड़ेंगे तो नतीजा क्या होगा... हम लोग डिप्रेशन में हैं। जब तक बारिश नहीं आएगी, तबतक ये हवा कहीं जाएगी भी तो नहीं। बारिश भी आएगी तो क्या होगा, वे सारे केमिकल जमीन में चले जाएंगे, जमीन जहरीली हो जाएगी।

मेनका ने इस पूरी समस्या के लिए सुप्रीम कोर्ट को दोष देने से भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई है। उनका कहना है, इसमें मजे की बात क्या है, ये सुप्रीम कोर्ट की पूरी गलती है। सुप्रीम कोर्ट ने फिर एक गलत ऑर्डर दिया, अब एक आदत सी उनकी बन गई है मनमाने ऑर्डर देना, बिना साइंटिफिक रिजनिंग.. उन्होंने कह दिया ग्रीन पटाखे उड़ाओ। ग्रीन पटाखे का मतलब क्या है, कौन है नीले, ब्लू, येलो पीले पटाखे... जो भी कंबस्ट होता है, वह पटाखा होता है और इसके लिए केमिकल्स की जरूरत है। ग्रीन पटाखे के नाम की कोई भी चीज दुनिया में नहीं है। इससे अच्छा या तो बैन करो, या तो कहो कि सब लोग मर जाए... और खत्म करो और फिर हाय-हाय करते रहो।

मां-बेटे ने फर्जी डिग्री देकर कमाए 387 करोड़

देश छोड़कर भागे दोनों आरोपी, भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन में स्थित मानव भारती विश्वविद्यालय के नाम पर फर्जी डिग्री बांटकर आरोपियों ने 387 करोड़ रुपये कमा लिए। जब तक पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों ने इस केस को खंगालना शुरू किया, मां-बेटा दोनों, देश छोड़ चुके थे। अशोनी कंवर और मनदीप राणा, ये दोनों आरोपी फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में रह रहे हैं। ईडी ने इस मामले में अब तक लगभग 200 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं।

बता दें कि मानव भारती विश्वविद्यालय के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद अशोनी कंवर और मनदीप राणा, दोनों देश छोड़कर भाग गए थे। शिमला स्थित विशेष न्यायालय (पीएमएलए) ने फर्जी डिग्री घोटाले के मामले में दिनांक 03.01.2026 के आदेश द्वारा अशोनी कंवर (माता) और मनदीप राणा (पुत्र) को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। ईडी ने हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के धरमपुर पुलिस स्टेशन द्वारा आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी।

ईडी की जांच में पता चला है कि आरोपी राज कुमार राणा ने अपनी पत्नी अशोनी कंवर और पुत्र मनदीप राणा सहित अन्य सह-आरोपियों की मदद से एजेंटों/छात्रों से पैसे लेकर फर्जी डिग्रियां बेचीं। ये फर्जी डिग्रियां मानव भारती विश्वविद्यालय, सोलन के नाम पर बेची गईं। फर्जी डिग्रियों की बिक्री से प्राप्त अपराध की धनराशि 387 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस अवैध गतिविधि से प्राप्त धन का उपयोग राज कुमार राणा, अशोनी कंवर और मनदीप राणा ने विभिन्न राज्यों में अपने नाम और अन्य संबंधित संस्थाओं के नाम पर विभिन्न चल और अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया।

भ्रष्टाचार केस : लालू यादव की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

> ट्रायल पर रोक नहीं

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। यह याचिका आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े उस निचली अदालत के आदेश के खिलाफ है, जिसमें लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर आपराधिक आरोप तय किए गए हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, लालू यादव की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिबल और मनिंदर सिंह अदालत में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की। अदालत को यह भी बताया गया कि पिछले एक महीने में इस मामले में दो गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि सीबीआई अपना जवाब दाखिल करने के बाद 14 जनवरी को अगली सुनवाई के दिन लालू यादव की कार्यवाही पर रोक लगाने वाली याचिका पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पहले सीबीआई को जवाब दाखिल करने दीजिए। आपको यह याचिका पहले लानी चाहिए थी।

इससे पहले 13 अक्टूबर को राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष जज विशाल गोगने ने लालू यादव पर भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए थे। वहीं तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। सीबीआई का आरोप है कि रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव और उनके परिवार ने एक निजी कंपनी को ठेके देने के बदले रिश्वत के तौर पर जमीन और शेयर लिए थे।

जांच एजेंसी के अनुसार, 2004 से 2009 के बीच लालू यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान आईआरसीटीसी के रांची और पुरी स्थित दो होटलों को गलत तरीके से की गई निविदा प्रक्रिया के जरिए सुजाता होटल्स नाम की कंपनी को पट्टे पर दिया गया। इसके बदले में करोड़ों रुपये की जमीन लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव से जुड़ी एक कंपनी को बाजार कीमत से बहुत कम दाम पर दी गई थी।

लालू परिवार ने जांच पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक बदले की भावना से दर्ज किया गया है।

मोहम्मद शमी को चुनाव आयोग का नोटिस एसआईआर फॉर्म में गड़बड़ियां मिलीं

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को नोटिस भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शमी ओर उनके भाई मोहम्मद कैफ के एसआईआर फॉर्म में गड़बड़ियां मिली हैं, इसलिए दोनों को बुलाया गया है। हालांकि शमी या चुनाव आयोग की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शमी के एन्यूमरेशन फॉर्म में प्रोजेनी मैपिंग और सेल्फ-मैपिंग से जुड़ी गड़बड़ियां मिली हैं। इसके बाद साउथ कोलकाता के वार्ड नंबर 93 से नोटिस जारी किए गए, जिसमें उन्हें असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एईआरओ) के सामने पेश होने को कहा गया है।

शमी कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (केएमसी) वार्ड नंबर 93 में वोटर के रूप में रजिस्टर्ड हैं, जो रासबिहारी असेंबली सीट के अंदर आता है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने उत्तर प्रदेश के अमरोहा में अपने पैतृक गांव में वोटिंग की थी। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद 16 दिसंबर को बंगाल की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पब्लिश हुई थी, जिसमें 58.21 लाख लोगों के नाम काटे गए थे। इसके बाद दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक शमी आज की हियरिंग में शामिल नहीं हो सके। वह इन दिनों विजय हजारे ट्रॉफी में राजकोट में बंगाल को रिप्रेजेंट कर रहे हैं। शमी की अगली सुनवाई 9 से 11 जनवरी के बीच होनी है। मोहम्मद शमी को 11 जनवरी से शुरू हो रही न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की सीरीज में नहीं चुना गया है।

आज इतिहास बनाने जा रहे सिद्धारमैया

सबसे लंबे समय तक कर्नाटक सीएम रहने का बनाएंगे रिकॉर्ड

मैसूर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सिद्धारमैया कल यानी छह जनवरी को कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले डी देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। इसको लेकर सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय वह जनता के आशीर्वाद को देते हैं। सिद्धारमैया ने अपने और देवराज उर्स के बीच एक अहम अंतर बताया। उन्होंने कहा कि उर्स जहां शासक वर्ग से थे, वहीं वह सामाजिक रूप से पिछड़े समुदाय कुरुबा यानी चरवाहा समाज से आते हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, जनता के आशीर्वाद से कल दिवंगत देवराज उर्स का कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड टूट जाएगा। गर्व की बात यह है कि मैं और उर्स दोनों मैसूर से हैं।

मैंने मंत्री बनने का भी नहीं सोचा था... :

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी सोचा था कि वह यह रिकॉर्ड तोड़ेंगे, सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री बनना तो दूर मंत्री बनने की भी कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा, मैंने केवल इतना सोचा था कि तालुक बोर्ड का सदस्य बनने के बाद मैं विधायक बनूंगा। अब तक मैंने आठ चुनाव जीते हैं। मैंने दो लोकसभा और दो विधानसभा चुनाव हारे हैं। अपने जीवन में मैंने तालुक चुनाव सहित कुल 13 चुनाव लड़े हैं।

मेरे और उर्स के बीच तुलना नहीं की जा सकती :

देवराज उर्स से तुलना पर सिद्धारमैया ने कहा, देवराज उर्स सामाजिक रूप से पिछड़े नहीं थे। वह अगड़े वर्ग यानी शासक वर्ग से थे। वह ऐसे समुदाय से थे जिसकी आबादी कम थी, लेकिन वह एक लोकप्रिय नेता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके और उर्स के बीच कोई तुलना नहीं की जा सकती।

जैसे विराट ने सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा... :

सिद्धारमैया ने कहा, उर्स का दौर आज के समय से अलग था। उर्स 1962 में लोगों से सीधे चंदा एकत्र कर चुनाव लड़ते थे और लोगों ने उन्हें पैसा और वोट दिए थे। अब समय बदल गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका रिकॉर्ड भी कभी टूट सकता है, सिद्धारमैया ने कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जैसे क्रिकेट में विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, वैसे ही भविष्य में कोई उनका रिकॉर्ड भी तोड़ सकता है। उन्होंने कहा, मैंने कभी यह नहीं कहा कि कोई मेरा रिकॉर्ड नहीं तोड़ेगा।

'बिना इजाजत मूर्ति लगाने का आयोजन कैसे हुआ'

बेल्लारी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बेल्लारी में हुई हिंसा भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसा पर सांसद एचडी कुमारस्वामी का बयान सामने आया है। जेडीएस से सांसद और केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा इस हिंसा की घटना की सीबीआई जांच होनी चाहिए। यह हिंसा महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति लगाने के कार्यक्रम के विरोध में हुई थी। लेकिन सरकार ने कोई मूर्ति लगाने की इजाजत नहीं दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी मूर्ति न लगाने के आदेश दिया था। बिना इजाजत के मूर्ति लगाने के कार्यक्रम आयोजित कैसे होने वाला था इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।

उन्होंने कहा राज्य में भी एक कानून लाया गया है कि बिना इजाजत के कोई मूर्ति नहीं लगाई जाएगी। मैं सीएम से पूछ रहा हूं, अगर सरकार ने 3 जनवरी को मूर्ति लगाने की इजाजत दी थी, तो जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है, अगर इजाजत नहीं दी गई थी, तो मूर्ति लगाने कौन गया था?

शशि थरूर बोले-मैं कभी पार्टी लाइन से नहीं भटका

> 17 साल से कांग्रेस में हूं, सभी से अच्छे संबंध-लोग मेरी पूरी पोस्ट नहीं पढ़ते

वायनाड, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य शशि थरूर ने कहा कि मैं कभी पार्टी लाइन से नहीं भटका। उन्होंने कहा कि मेरा सवाल है, किसने कहा कि मैंने पार्टी लाइन छोड़ दी। जब मैंने विभिन्न विषयों पर अपनी राय व्यक्त की तो पार्टी और मैं एक ही लाइन पर खड़े थे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह 17 साल से पार्टी में हैं और सहकर्मियों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। अब किसी अचानक गलतफहमी की कोई जरूरत नहीं है। थरूर सुल्तान बथेरी में आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाने के लिए केपीसीसी द्वारा आयोजित लक्ष्य 2026 नेतृत्व शिविर में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का अध्याय हार के साथ खत्म हो गया था :

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने के बाद विवाद शुरू हुए, थरूर ने कहा-पार्टी लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करती है और कई नेताओं ने अतीत में आंतरिक चुनाव लड़े हैं। मैंने चुनाव लड़ा और हार गया। वह अध्याय वहीं खत्म हो गया। मुझे इसमें कोई कहानी नहीं दिखती।

सोमनाथ पर गजनवी के आक्रमण के 1000 साल

मोदी ने लिखा- यह विध्वंस नहीं, हमारे स्वाभिमान की गाथा; मिटाने वाले खत्म हो जाते हैं

अहमदाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने गुजरात के प्रभास पाटन में बने पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर पर एक लेख लिखा है। यह ब्लॉग पोस्ट सोमनाथ पर 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर है। पीएम ने इसे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व नाम दिया है। गौरतलब है कि विदेशी आक्रमणकारी गजनी के महमूद गजनवी ने जनवरी 1026 में सोमनाथ पर आक्रमण कर उसे ध्वस्त कर दिया था।

पीएम मोदी का लेख....

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है-सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥ अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ मंदिर, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण कर उसे ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। फिर भी एक हजार साल बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था।

पीएम ने लिखा-समुद्री व्यापारी सोमनाथ के वैभव की कथाएं दूर-दूर ले गए

सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति ने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे।

गंदे पानी से किडनी फेल, रिटायर्ड पुलिसकर्मी की मौत

> 17 मौतें-इंदौर के भागीरथपुरा में 9416 लोगों की जांच

> 20 नए मरीज मिले-हाईकोर्ट में पेश होगी रिपोर्ट

ओमप्रकाश शर्मा, मृतक

इंदौर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 17वीं मौत हुई है। रविवार तक आंकड़ा 16 मौतों का था। रिटायर्ड पुलिसकर्मी ओमप्रकाश शर्मा (69) मूलतः शिव विहार कॉलोनी धार के रहने वाले थे। वे अपने बेटे से मिलने इंदौर आए थे। उन्हें 1 जनवरी को उल्टी-दस्त के कारण एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। जांच में उनकी किडनी का खराब होना पाया गया। हालत और बिगड़ने पर 2 जनवरी को आईसीयू में एडमिट किया गया। दो दिन बाद वेंटिलेटर पर लिया गया। रविवार दोपहर 1 बजे उनकी मौत हो गई। परिजन ने बताया कि वे सिर्फ ब्लड प्रेशर के मरीज थे। दूषित पानी से उनकी किडनी खराब हो गई थी। इसके बाद हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

वहीं, बॉम्बे हॉस्पिटल में 11 मरीज आईसीयू में भर्ती थे, जिनमें से 4 मरीजों को वार्ड में शिफ्ट कर दिया है। रविवार रात तक की स्थिति में 7 मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा है। अब तक कुल 398 मरीज अस्पतालों में भर्ती किए गए, जिनमें से 256 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में 142 मरीजों का इलाज जारी है। इधर, प्रभावित क्षेत्र में 4 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग ने 2354 घरों का सर्वे किया। 9416 लोगों की जांच की गई, जिनमें 20 नए मरीज मिले हैं। जबकि 429 पुराने मरीजों का फॉलोअप लिया गया। सीएमएचओ डॉ. माधव हसनी ने बताया कि क्षेत्र में 5 एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं। प्रभावित क्षेत्र के प्रत्येक घर में 10 ओआरएस पैकेट और 30 जिंक की गोलियां बांटी गई हैं। पानी को शुद्ध करने के लिए क्लीन वाटर बॉटल की किट भी बांटी गई है। 17 टीमें लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। इन टीमों में जन अभियान परिषद के सदस्य, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, सुपरवाइजर और एनजीओ के सदस्य शामिल हैं। वहीं, मामले में शासन मंगलवार को हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में विस्तृत रिपोर्ट पेश करेगा।

कोलकाता से आए वैज्ञानिक लेंगे सैंपल

इधर, इंदौर के स्मार्ट सिटी कार्यालय में रविवार को कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें कलेक्टर ने भागीरथपुरा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकाता, दिल्ली और भोपाल से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमें कार्य कर रही हैं। कोलकाता से आए वैज्ञानिक डॉ. प्रमित घोष और वैज्ञानिक डॉ. गौतम चौधरी सैंपल लेकर वैज्ञानिक तरीके से जांच करेंगे। इसके लिए टीम भागीरथपुरा क्षेत्र से पानी के रैंडम सैंपल एकत्रित करेगी। भागीरथपुरा इलाके में पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। बोरिंग में भी लीकेज की जांच की जा रही है।

अमेरिका से भागा पूर्व प्रेमिका का हत्यारोपी तमिलनाडु में गिरफ्तार

इंटरपोल को मिली सफलता

चेन्नई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक तेलुगु महिला की हत्या कर भारत फरार हुए आरोपी की तलाश आखिरकार तमिलनाडु में खत्म हो गई। सूत्रों के मुताबिक, इंटरपोल की सहायता से पुलिस ने अर्जुन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। शर्मा पर अमेरिका में रहने वाली निकित राव गोदिशाला की हत्या का आरोप है। 27 वर्षीय निकिता राव गोदिशाला, जो मैरीलैंड में डेटा एनालिस्ट के तौर पर कार्यरत थीं, 2 जनवरी को लापता बताई गई थीं। उनके पूर्व बॉयफ्रेंड अर्जुन शर्मा ने हॉवर्ड काउंटी पुलिस से संपर्क कर दावा किया था कि उसने निकिता को आखिरी बार न्यू ईयर ईव पर देखा था। शुरुआती तौर पर दर्ज गुमशुदगी की शिकायत जल्द ही हत्या की जांच में बदल गई।

आरोपी के अपार्टमेंट से मिला शव

शक गहराने पर पुलिस ने कोलंबिया (मैरीलैंड) के ट्विन रिवर्स रोड स्थित शर्मा के अपार्टमेंट की तलाशी के लिए वारंट हासिल किया। 3 जनवरी को की गई तलाशी में निकिता का शव उसी अपार्टमेंट के भीतर मिला। पुलिस के अनुसार, निकिता के शरीर पर चाकू से कई वार के निशान थे, जो एक बेहद हिंसक हमले की ओर इशारा करते हैं। इसके बाद मामले को औपचारिक रूप से हत्या में तब्दील कर दिया गया। जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह घरेलू हिंसा से जुड़ा अपराध हो सकता है। हत्या की पुष्टि के बाद हावर्ड काउंटी पुलिस ने अर्जुन शर्मा के खिलाफ फर्स्ट डिग्री और सेकेंड डिग्री मर्डर के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किए।

हालांकि, वारदात के बाद आरोपी अमेरिका छोड़कर भारत फरार हो गया था। हत्या के पीछे के मकसद की जांच अब भी जारी है।

भूटान के दो लॉ क्लर्क भारत के सुप्रीम कोर्ट में करेंगे काम

एमओयू हुआ साइन, सीजेआई ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार बताया कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भूटान के सर्वोच्च न्यायालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के युवा कानूनी पेशेवरों के बीच आदान-प्रदान को सुगम बनाना है। अदालती कार्यवाही के शुरूआत में सीजेआई ने बताया कि इस समझौते के तहत भूटान के दो विधि लिपिक तीन महीने की अवधि के लिए भारतीय सुप्रीम कोर्ट में काम करेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इन क्लर्कों को भारतीय विधि लिपिकों के समान ही मानदेय दिया जाएगा और उनके यात्रा खर्च का वहन भी सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। खचाखच भरे कोर्टरूम में इन क्लर्कों का परिचय कराते हुए सीजेआई ने उन्हें युवा और मेधावी बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान अलग-अलग अदालतों में काम सौंपा जाएगा। सीजेआई ने कहा, हमने भूटान के सुप्रीम कोर्ट के साथ एक समझौता किया है, जिसके आधार पर दो विधि लिपिक हमारे साथ जुड़ेंगे। वे तीन महीने तक यहां रहेंगे और अलग-अलग अदालतों में काम करेंगे। दोनों ही बहुत होशियार हैं। उन्होंने कहा इस पहल का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच न्यायिक सहयोग को मजबूत करना और संस्थागत संबंधों को और गहरा बनाना है।

चुनाव ड्यूटी में कोर्ट स्टाफ की तैनाती पर हाईकोर्ट सख्त

बीएमसी आयुक्त की गलती पर लगाई फटकार

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव ड्यूटी के लिए अदालतों के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आयुक्त भूषण गगरानी को कड़ी फटकार लगाई है।

हाईकोर्ट की नाराजगी के बाद आयुक्त ने खुद स्वीकार किया कि कोर्ट स्टाफ को चुनाव ड्यूटी के लिए बुलाना उनकी गलती थी। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बीएमसी आयुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर आदेश जारी किए। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा आपको खुद को बचाना चाहिए।

टेबल पर नोटों का ढेर, सामने बैठे टीएमसी नेता

कैश से भरा थैला लेकर पहुंचा व्यक्ति; भाजपा बोली-तृणमूल कांग्रेस बंगाल को लूट रही

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनावी हलचल के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो क्लिप को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में एक टेबल पर नोटों का ढेर दिख रहा है। टेबल के एक तरफ, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता बैठे नजर आ रहे हैं। उनके सामने, टेबल के दूसरी तरफ 4-5 लोग बैठे हैं।

वीडियो में दिख रहे टीएमसी नेता मोहम्मद गियासुद्दीन मंडल हैं। वे नॉर्थ 24 परगना जिले की बारासात-1 पंचायत समिति के उपाध्यक्ष हैं। वीडियो में उनके साथ स्थानीय व्यवसायी रकिबुल इस्लाम बैठे हैं। क्लिप में टीएमसी नेता फोन पर बंगाली भाषा में किसी से बात करते दिख रहे हैं। दूसरी तरफ से एक व्यक्ति की आवाज आती है। वह टीएमसी नेता से पूछता है- खरीदारी कैश में होगी या फाइनेंस पर। इस दौरान एक अन्य व्यक्ति नायलॉन बैग (थैला) लेकर आता है और टेबल पर रख देता है। उस थैले में भी नोटों के बंडल भरे होते हैं। टीएमसी नेता थैला अपने पास रख लेते हैं। भाजपा ने वायरल वीडियो को लेकर टीएमसी पर सवाल खड़े किए और मामले की जांच की मांग की। भाजपा नेता तुषार कांति घोष ने 4 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीएमसी नेता का वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि यह 2022 का वीडियो है। तुषार घोष ने एक्स पर लिखा- अमित शाह कैसे कह सकते हैं कि बंगाल गरीब है? बारासात में पंचायत समिति के उपाध्यक्ष गियासुद्दीन मंडल नोटों के ढेर के सामने बैठे हैं। उनका दावा है कि यह जमीन सौदे का पैसा है! डिजिटल भुगतान, चेक, बैंक ट्रांसफर के इस युग में भी लोग कैश में पेमेंट भुगतान कर रहे हैं।

ममता बनर्जी के बाद सुवेंदु अधिकारी ने भी चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

एसआईआर जारी रखने की अपील

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को एसआईआर प्रक्रिया को जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर कर की। सुवेंदु का यह आग्रह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आग्रह के दो दिन बाद किया है।

मुख्यमंत्री ने इस प्रक्रिया को रोकने का आग्रह किया था। अधिकारी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को रोकने का आह्वान हार स्वीकार करने से कम नहीं है। यह चुनावी कदाचार को जारी रखने का एक बेशर्म प्रयास है, जिसने उनके कार्यकाल को परिभाषित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बनर्जी की शिकायतों की लंबी सूची न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह जानबूझकर किया गया है, जिसका उद्देश्य चुनाव आयोग को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताकर बदनाम करना और व्यापक असुविधा और मताधिकार से वंचित होने की झूठी कहानी गढ़ना है।

एसआईआर को आशा की किरण के रूप में अपनाया- अधिकारी

उन्होंने एक्स पर पत्र साझा कर लिखा कि इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल की जनता ने एसआईआर को आशा की किरण के रूप में अपनाया है। चिंता और उत्पीड़न की उनकी कहानी टीएमसी द्वारा रची गई एक छलावा है, जो उन लोगों के समर्थन की गूंज में दब गई है जो उनकी संरक्षणवादी राजनीति को अस्वीकार करते हैं और मतपत्र की पवित्रता को प्राथमिकता देते हैं।

अनुचित जल्दबाजी और अपर्याप्त तैयारी के आरोपों को खारिज करते हुए, अधिकारी ने कहा कि राज्य में 50,000 से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और चुनावी पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पुनरीक्षण अभ्यास के लिए प्रशिक्षण दिया गया था। उन्होंने तत्काल स्पष्टीकरण के लिए व्हाट्सएप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग का बचाव करते हुए उन्हें औपचारिक परिपत्रों का पूरक और आधुनिक प्रशासनिक प्रथाओं के अनुरूप बताया।

महंगे होटलों में शादी पर रोक

महिलाएं ज्यादा गहने नहीं पहनेंगी, उल्लंघन पर लगेगा एक लाख जुर्माना

देहरादून, 5 जनवरी (एजेंसियां)। शादी-विवाह व अन्य आयोजनों में फिजूलखर्ची को रोकने के लिए खत शिलगांव के पंचरा-भंजरा स्थित महासू देवता मंदिर में ग्रामीणों ने बैठक की। बैठक में महंगे होटलों, पार्क आदि में विवाह का आयोजन करने पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा महिलाओं के अत्यधिक गहने पहनने को भी प्रतिबंधित कर दिया गया। खत स्याणा तुलसी राम शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने पर चर्चा हुई। बैठक में सबकी सहमति से यह तय किया गया कि शादी-विवाह के सभी आयोजन गांव व घरों में ही संपन्न कराए जाएंगे। आयोजन विवाह स्थल, महंगे पार्क, होटल व फार्म आदि में संपन्न नहीं कराए जाएंगे। इसके अलावा महिलाओं को विवाह में तीन गहने पहनने की इजाजत दी गई है। डीजे, फास्ट फूड व बीयर पर भी आयोजनों में रोक लगाई गई है। पहली शादी में न्यौते के तौर पर अधिकतम 100 रुपये दिए जाने और कन्यादान में अपनी इच्छा के अनुसार देने का निर्णय बैठक में लिया गया। बैठक में यह चेतावनी भी दी गई यदि कोई भी ग्रामीण फैसले को नहीं मानेगा तो उसपर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने के साथ उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा।

ख़बरें जरा हटके

9,500 सालों से दफन था राज, नहीं आया किसी को नजर, देखते ही निकल पड़ी वैज्ञानिकों की चीख!

अफ्रीका के मलावी में हाल ही में एक ऐसी पुरातात्विक खोज हुई है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है. उत्तरी मलावी के होरा पर्वत के आधार पर स्थित होरा 1 नामक रॉक शेल्टर में करीब 9,500 साल पहले एक छोटी कद की महिला का दफनाया शव मिला है. ये खोज दुनिया की सबसे पुरानी ज्ञात वयस्क क्रीमेशन पायर है और अफ्रीका में पहली बार हंटर-गेदरर्स द्वारा ऐसी जटिल अंतिम संस्कार प्रथा का प्रमाण है. येल यूनिवर्सिटी की पैलियोएन्थ्रोपोलॉजिस्ट जेसिका थॉम्पसन के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय टीम ने ये खोज की है. साइट एक ग्रेनाइट इंसेलबर्ग (बड़ा चट्टानी टीला) के आधार पर है, जो आसपास के मैदान से सैकड़ों फीट ऊपर उठता है. वैज्ञानिकों को 1950 के दशक से ही ये जगह ज्ञात थी, लेकिन 2016 से थॉम्पसन की लंबी रिसर्च ने पता लगाया कि यहां 21,000 साल पहले से मानव बसा था और 16,000 से 8,000 साल पहले तक ये कब्रिस्तान के रूप में इस्तेमाल होता रहा था.

इसमें सभी बॉडीज पूरी तरह दफन की गईं, लेकिन एक एश डिपॉजिट (राख का ढेर) अलग था—क्वीन साइज बेड जितना बड़ा! इसमें एक महिला की फ्रैगमेंटेड हड्डियां मिलीं, जो लगभग 5 फीट से कम कद की थी और 18-60 साल की उम्र की रही होगी. रिसर्चर्स ने पाया कि ये बॉडी मौत के कुछ दिनों के अंदर ही क्रीमेट की गई थी. फ्लेश कटिंग और स्कल रिमूवल के निशान भी रिसर्चर्स को मिले थे. पायर बनाने में कम से कम 30 किलो लकड़ी और घास लगी होगी और तापमान 500°C से ज्यादा पहुंचा होगा. ये हंटर-गेदरर्स के लिए बड़ा कम्युनल इफर्ट था! जेसिका थॉम्पसन ने द इंडिपेंडेंट को बताया, "ये पायर शेल्टर में होने से बारिश से बच गया, राख सख्त हो गई, टर्माइट्स हड्डियों में नहीं घुस सके. ये लकी प्रिजर्वेशन था!"

दुनिया की वो मकड़ी, जो बनाती है सबसे महंगा सिल्क, सुंदरता में तसर को भी देती है टक्कर

जब हम रेशम की बात करते हैं तो सबसे पहले शहतूत (मलबरी) सिल्क और तसर सिल्क का नाम आता है. भारत में तसर सिल्क को बहुत पसंद किया जाता है क्योंकि यह मजबूत, चमकदार और पर्यावरण-अनुकूल होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रकृति ने इससे भी कई गुना बेहतर रेशम छिपा रखा है?

जी हां, बात हो रही है गोल्डन सिल्क ऑर्ब-वीवर मकड़ी की, जिसका वैज्ञानिक ने इस मकड़ी का रेशम ना सिर्फ तसर सिल्क से बेहतर है बल्कि यह दुनिया का सबसे दुर्लभ और महंगा प्राकृतिक रेशम माना जाता है. यह मकड़ी मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों जैसे मेडागास्कर, दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के जंगलों में पाई जाती है. मादा मकड़ियां काफी बड़ी होती हैं, लगभग 4-5 सेमी तक और इनके जाले सुनहरे रंग के होते हैं, जो सूरज की रोशनी में चमकते हैं. इस सुनहरे रंग का राज प्राकृतिक पिगमेंट्स जैसे कैरोटेनॉइड्स और अन्य यौगिकों में छिपा है, जो रेशम को प्राकृतिक रूप से गोल्डन ह्यू देते हैं. इसमें कोई डाई नहीं लगाई जाती, फिर भी यह रेशम सोने जैसा चमकता है. तसर सिल्क की तुलना में गोल्डन स्पाइडर सिल्क खास है. तसर सिल्क जंगली कीड़ों से बनता है और मजबूत होता है, लेकिन स्पाइडर सिल्क की ताकत इससे कई गुना ज्यादा है. विशेषज्ञों के अनुसार, गोल्डन ऑर्ब-वीवर का ड्रैगलाइन सिल्क स्टील से 5 गुना ज्यादा मजबूत और केव्लर (बुलेटप्रूफ जैकेट का मटेरियल) से भी बेहतर होता है. इसकी लचीलापन इतनी ज्यादा है कि यह आसानी से टूटता नहीं है. वैज्ञानिक इसे बायोमटेरियल साइंस में 'सुपरमटेरियल' कहते हैं.

वो 'खतरनाक' पुल, जिसे देख कांप जाती है रूह क्या सच में रोलर-कोस्टर जैसा है ये रास्ता?

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक अजीबोगरीब जगहें मौजूद हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है. इनमें से कोई पहाड़ों पर बना सड़क है, जहां गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर की सांसें हलक में अटकी रहती है, तो कोई खतरनाक पुल है, जहां से कुत्ते आत्महत्या कर लेते हैं. आज हम आपको एक ऐसे ही खतरनाक पुल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे देखकर ही लोगों की रूह कांप जाती है. वायरल हो रही तस्वीरों में यह बिल्कुल रोलर-कोस्टर जैसा दिखता है. यह पुल जापान में है, जिसे पहली बार देखने पर ऐसा लगता है जैसे कोई गाड़ी सड़क पर नहीं, बल्कि सीधे आसमान की ओर जा रही हो. इस पुल का नाम एशिमा ओहाशी ब्रिज है.

सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो अक्सर "दुनिया के सबसे खतरनाक रास्तों" के रूप में शेयर किए जाते हैं. दो लेन वाला यह कंक्रीट का पुल शिमने प्रान्त के मात्सुए शहर को टॉटोरी प्रान्त के साकाइमिनाटो से जोड़ता है. इस पुल की कुल लंबाई 1.7 किलोमीटर है, जिसमें मुख्य पुल का हिस्सा 1.44 किलोमीटर लंबा और 11.3 मीटर चौड़ा है. यह जापान का सबसे बड़ा और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा 'रिजिड फ्रेम ब्रिज' है. इस पुल को तब दुनियाभर में प्रसिद्धि मिली, जब दाइहात्सु मोटर कंपनी ने अपनी 'टांटो मिनीवैन' के विज्ञापन के लिए इसका इस्तेमाल किया.

विज्ञापन में इस पुल को एक ऐसे कोण से दिखाया गया जिससे इसकी ढलान बहुत ही भयानक और सीधी खड़ी नजर आती है. दरअसल, यह आंखों का एक धोखा है, जिसे 'पर्सपेक्टिव कंप्रेशन' कहा जाता है. टेलीफोटो लेंस का उपयोग करके शूट किए गए वीडियो में दूरी कम नजर आती है और पुल की ढलान बहुत ज्यादा बढ़ जाती है. दाइहात्सु मोटर जानबूझकर इसे डरावना दिखाना चाहती थी, ताकि वह अपनी कार की ताकत और इंजन की क्षमता का प्रदर्शन कर सके.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 6 जनवरी, 2026 3

सुविचार
जिंदगी एक बार मिलती है,
बिलकुल गलत है, सिर्फ
मौत एक बार मिलती है
जिंदगी हर रोज मिलती है!

विशेष मुख्य सचिव ने न्यू उस्मानिया अस्पताल निर्माण स्थल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल में प्रस्तावित न्यू उस्मानिया अस्पताल के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एवं सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी परियोजना की प्रगति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसी क्रम में मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने विशेष मुख्य सचिव विकास राज को स्थल निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

निर्देशों के तहत विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने सोमवार को परियोजना स्थल का दौरा किया और विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। जीएचएमसी अधिकारियों ने जानकारी दी कि परियोजना भूमि के अंतर्गत चिन्हित 56 संरचनाओं को फरवरी माह के अंत तक हटाया जाएगा, जिससे निर्माण कार्य बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सकेगा। बैठक में निदेशक चिकित्सा शिक्षा (डीएमई) को हस्तांतरित भूमि के भूमि उपयोग परिवर्तन (लैंड यूज चेंज) से संबंधित मामला भी चर्चा में आया। इस संबंध में एमए एंड यूडी विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी होना अभी लंबित है। परियोजना परामर्शदाताओं ने आश्वासन दिया कि 10 जनवरी 2026 तक संपूर्ण ड्राइंग शेड्यूल जमा कर दिया जाएगा तथा निर्माण कार्य स्वीकृत समय-सीमा के अनुसार ही किया जाएगा। सिंचाई एवं कमांड एरिया विकास विभाग द्वारा प्रस्तुत मौजूदा नाले के डिजाइन की समीक्षा की गई और आर एंड बी मुख्य अभियंता (भवन) को नाला कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए गए। सड़क अवसंरचना के संबंध में प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज के डिजाइन को शीघ्र तैयार करने, अस्पताल प्रवेश मार्ग पर यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे मैनहोल को ठीक करने तथा आसपास की सड़कों के विकास कार्य जल्द शुरू करने के लिए जीएचएमसी को निर्देश दिए गए। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी लंबित कार्यों को समानांतर रूप से पूरा किया जाए, ताकि न्यू उस्मानिया अस्पताल परियोजना तय समय-सीमा के भीतर पूरी की जा सके।

ईंट भट्ठे पर प्रवासी मजदूर की हत्या

मंचेरियल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात चेन्नूर कस्बे के बाहरी इलाके में एक ईंट भट्ठे पर 30 वर्षीय प्रवासी दिहाड़ी मजदूर की कथित तौर पर उसके सहकर्मियों ने बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान ओडिशा निवासी जितेंद्र के रूप में हुई है। कार्यस्थल पर मामूली बात को लेकर हुए विवाद के बाद उसके तीन सहकर्मियों ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बताया गया कि जितेंद्र अपनी पत्नी से बात करने को लेकर उनसे बहस कर रहा था। इसी दौरान तीनों ने उस पर हमला कर दिया। घटना के समय आरोपी नशे की हालत में थे। घटना की सूचना अन्य मजदूरों ने पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए चेन्नूर के सरकारी अस्पताल भेजा। मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीन प्रवासी मजदूरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व मंत्री हरीश राव को बड़ी राहत

फोन टैपिंग मामले में तेलंगाना सरकार की याचिका खारिज

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फोन टैपिंग मामले में तेलंगाना सरकार द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिकाओं (एसएलपी) को खारिज कर दिया। इसके साथ ही बीआरएस विधायक एवं पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें हरीश राव और पूर्व डीसीपी राधाकिशन राव के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया गया था। पीठ ने स्पष्ट किया कि मामले को दोबारा खोलने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है। यह मामला वर्ष 2024 में सिद्दिपेट के रियल एस्टेट कारोबारी चक्रधर गौड़ द्वारा दर्ज कराई गई

शिकायत से जुड़ा है, जिसमें बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान अवैध फोन टैपिंग का आरोप लगाया गया था। इसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। हरीश राव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। गत वर्ष 20 मार्च को उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए एफआईआर को खारिज कर दिया था कि आरोपों से हरीश राव का कोई प्रत्यक्ष संबंध साबित नहीं होता है। बाद में शिकायतकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी, लेकिन वह याचिका भी खारिज कर दी गई। इसके बावजूद तेलंगाना सरकार ने 18 जून को पुनः सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए दलील दी कि जांच अभी जारी है और हरीश राव से पूछताछ आवश्यक है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने पक्ष रखा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की दलीलों को अस्वीकार करते हुए दोहराया कि फोन टैपिंग मामले में हरीश राव की कोई भूमिका नहीं पाई गई है। पीठ ने कहा कि नए साक्ष्यों के अभाव में एक सुविचारित उच्च न्यायालय के फैसले को पलटा नहीं जा सकता।

ओवैसी द्वारा 'लव जिहाद' पर आंकड़ों की मांग शरारतपूर्ण : सुभाष

भाजपा का एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के आरएसएस और जिहाद को लेकर दिए गए बयान पर कड़ा हमला बोला है। भाजपा ने ओवैसी द्वारा आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को चुनौती दिए जाने को लापरवाह और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। तेलंगाना भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने जारी एक प्रेस बयान में कहा कि ओवैसी जानबूझकर एक गंभीर मुद्दे को 'व्यक्तिगत पसंद' का विषय बताकर तुच्छ बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही 'लव जिहाद' शब्द के तहत कोई केंद्रीकृत आंकड़े उपलब्ध न हों, लेकिन देश के विभिन्न राज्यों में मौजूदा कानूनों के तहत अवैध धार्मिक रूपांतरण के कई मामले दर्ज किए गए हैं। सुभाष ने कहा कि अलग-अलग कानूनी प्रावधानों के तहत दर्ज मामलों को आधार बनाकर किसी मुद्दे के अस्तित्व से इनकार करना बौद्धिक बेईमानी है।

ओवैसी द्वारा लव जिहाद, पर आंकड़ों की मांग को भाजपा प्रवक्ता ने शरारतपूर्ण और भ्रामक करार दिया। उन्होंने कहा कि संसद में दिए गए जवाबों में केंद्र सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि भले ही 'लव जिहाद' नाम से कोई अलग आंकड़ा नहीं रखा जाता, लेकिन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड जैसे राज्यों में पीड़ितों और उनके परिवारों की शिकायतों के आधार पर अवैध धर्मांतरण के मामले दर्ज किए गए हैं। ओवैसी के इस बयान पर भी सुभाष ने आपत्ति जताई कि मुस्लिम युवाओं को रोजगार चाहिए और आरएसएस उन्हें गुमराह कर रहा है। उन्होंने इसे पाखंड करार देते हुए कहा कि अगर रोजगार ही असली चिंता है, तो फिर झूठी पहचान, भावनात्मक दबाव और धर्म परिवर्तन के लिए लड़कियों को फंसाने के संगठित प्रयासों पर चुप्पी क्यों साधी जा रही है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये घटनाएं अलग-थलग हैं या देशभर में सामने आ रहा एक पैटर्न हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों और सार्वजनिक विमर्श को दबाने की कोशिशें जनता के संदेह को और गहरा करती हैं।

कांग्रेस सांसद ने संसदीय समिति की बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने सोमवार को संसद भवन एनेक्सी में आयोजित अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण संबंधी संसदीय समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्त संस्थानों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण नीतियों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इस दौरान आयकर एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ, प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों और विश्वविद्यालयों, जिनमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय और नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी शामिल हैं, के प्रतिनिधियों ने मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत किए। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए कहा कि सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण नीतियों का पारदर्शी और प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन बेहद आवश्यक है। बैठक में प्रणालीगत चुनौतियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया और कल्याणकारी उपायों को और मजबूत करने पर सहमति बनी।

फ्लैट बेचने के बहाने महिला से ठगी और यौन उत्पीड़न

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुडा पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर रियल एस्टेट ब्रोकर बनकर एक महिला से ठगी करने और यौन उत्पीड़न का आरोप है। आरोपी की पहचान मोहन रेड्डी के रूप में हुई है, जो खम्मम जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने महिला का भरोसा जीतकर उसके फ्लैट को बेचने में मदद करने का झांसा दिया। इस दौरान उसने महिला को अपने गहने गिरवी रखने के लिए राजी किया और उस रकम का इस्तेमाल अपने निजी खर्चों में किया। पीड़िता ने आरोपी पर यौन शोषण का भी आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे जांच की जा रही है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ विधानसभा से आरटीसी बसों में सवार होकर प्रसाद लैब्स पहुंचे, जहां उन्होंने अनुवादित फिल्म 'फूले' का अवलोकन किया।

फूड पॉइजनिंग को रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर के. चंद्रारेड्डी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। अतिरिक्त कलेक्टर ने जिले के रेजिडेंशियल विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया और फूड पॉइजनिंग की किसी भी घटना को रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण किए जाएं और मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही, विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर

आयोजित करने के निर्देश दिए गए। किसानों के संदर्भ में, अतिरिक्त कलेक्टर ने कीटनाशक रहित फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक मार्गदर्शन देने को कहा। इसके अलावा, आंगनवाड़ी केंद्रों में आपूर्ति किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएचओ), जिला कृषि अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, सिविल सप्लाई अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिद्दिपेट में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की मौत

आत्महत्या का मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट में एक दुखद घटना सामने आई है। सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु के रूप में कार्यरत डॉ. लावण्या (25) ने आत्महत्या का प्रयास किया था। शनिवार को उनकी हालत बिगड़ने पर पहले उनका इलाज सिद्दिपेट में किया गया। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान रविवार रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति पर गंभीर आरोप

ओयूटीए ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (ओयूटीए) ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगरम पर शिक्षकों के उत्पीड़न, धमकी और सत्ता के घोर दुरूपयोग के गंभीर आरोप लगाए हैं।

संघ ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। ओयू के चांसलर एवं राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को लिखे पत्र में ओयूटीए के अध्यक्ष प्रोफेसर बी मनोहर और महासचिव प्रोफेसर बी सुरेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि कुलपति के एकतरफा निर्देशों का पालन न करने पर संकाय सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है।

शिक्षक संघ ने कहा कि यूजीसी नियमों, सरकारी आदेशों और विश्वविद्यालय के मानदंडों को पूरा करने के बावजूद कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पात्र शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित किया जा रहा है। संघ का आरोप है कि जिन शिक्षकों ने इन फैसलों पर सवाल उठाए या चयन बोर्ड जैसे वैधानिक निकायों में असहमति जताई, उनके खिलाफ नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई और निलंबन जैसे कदम उठाए गए। ओयूटीए ने यह भी आरोप लगाया कि कुलपति ने दुर्भावनापूर्ण मंशा से संकाय चुनावों को लंबे समय तक स्थगित रखा और कुछ शिक्षकों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए प्रशासनिक दबाव बनाया। शिक्षक संघ ने मांग की है कि कुलपति पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा संकाय सदस्यों को किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक या दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई से तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाए।

बाइक चोरी गैंग का पर्दाफाश, 21 बाइक बरामद

साइबराबाद और संगारेड्डी जिलों में दर्जनों चोरी के मामले हल

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने साइबराबाद कमिश्नरेट और संगारेड्डी जिले में कई बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों में नलम दुर्गा श्रीनिवास साई किरण (23 वर्ष), नरायणपुरम, राजामंड्री, आंध्र प्रदेश और गोत्तापु लीला साई (21 वर्ष), नरायणपुरम, राजामंड्री, आंध्र प्रदेश शामिल हैं। इसके अलावा पुरमसेट्टी विजय शिव साई प्रसाद उम्र (25 वर्ष), जग्गमपेटा, ईस्ट गोदावरी, आंध्र प्रदेश को अनकापल्ली जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि गेद्दम प्रवीण उर्फ बनी (25 वर्ष), देवगुप्तम कासीपेटा, अल्लावरम, ईस्ट गोदावरी, आंध्र प्रदेश अभी भी फरार है। मामले की शुरूआत तब हुई जब एक व्यक्ति ने अपनी केटीएम ड्यूक मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत मियापुर पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। सभी आरोपी पहले भी अपराधों में शामिल रहे हैं और इनके पास आपराधिक पृष्ठभूमि है। आरोपी रात के समय कॉलोनियों, अपार्टमेंट और दुकानों के बाहर पार्क की गई हाई-एंड बाइक चोरी करते थे। चोरी की बाइक के इंजन और चेसिस नंबर बदल दिए जाते थे, ताकि मालिक की पहचान न हो सके। आरोपियों ने चोरी की बाइक के स्पेयर पार्ट्स बेचने के लिए एक व्होलसेल दुकान खोलने की योजना बनाई थी। पुलिस ने 21 बाइकें, एक टूल किट और एक लेटर सेट जब्त किया है, जिसका उपयोग इंजन और चेसिस नंबर बदलने में किया जाता था। मामले का सफलतापूर्वक खुलासा मियापुर पुलिस स्टाफ ने किया, जिसमें माधापुर डीसीपी रीति राज, अतिरिक्त डीसीपी उदय रेड्डी और मियापुर एसीपी च. वाई. श्रीनिवास कुमार की निगरानी में जांच की गई। पुलिस ने कहा कि जनता से अपील की जाती है कि वे अपने दोपहिया वाहनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। वाहन अपने घर के बाहर पार्क न करें और सीसीटीवी कैमरे स्थापित करें। इस मामले का खुलासा करने वाले मियापुर एसएचओ पी. शिवप्रसाद, मियापुर डीआई जी. रमेश नायडू, डीएसआई नरसिंह रेड्डी, एचसी चंद्रशेखर, एन. प्रेम कुमार, च. यदैयाह, पीसी ए. सुभाष चंद्र बोस, ई. मल्लिकार्जुन, एन. पुरणा चंदर, एम. स्वप्ना डब्लूपीसी को पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

तेलंगाना पर्यटन को कर्नाटक जैसी प्रतिस्पर्धा देने की तैयारी

मंत्री जूपल्ली कृष्णाराव ने किया ऐलान

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पर्यटन और सांस्कृतिक मंत्री जूपल्ली कृष्णाराव ने विधानसभा में कहा कि वे तेलंगाना के पर्यटन को केरल राज्य के बराबर प्रतिस्पर्धा देने योग्य बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में पर्यटन में नए आयाम खुलेंगे। यह जानकारी उन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान जुक्कल विधायक लक्ष्मीकांत राव के सवाल के जवाब में दी। इसके अलावा, उन्होंने सरकारी वाईपी और विधायकों आदि श्रीनिवास, भूपति रेड्डी, पायल शंकर और मीर जुल्फिकार अली के संबंधित सवालों के जवाब भी दिए। मंत्री ने कहा कि भारत और तेलंगाना में पर्यटन उतनी गति से विकसित नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। राज्य में पिछले समय में पर्यटन नीति के अभाव के कारण इस क्षेत्र की अनदेखी हुई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने के लिए 2025-2030 की नई पर्यटन नीति लाई गई है। उन्होंने बताया कि पर्यटन क्षेत्र को पीपीपी मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत विकसित करने के लिए देशी और विदेशी निवेशकों को प्रोत्साहन और रियायतें दी जा रही हैं। इसके तहत आयोजित टूरिज्म कॉन्क्लेव और ग्लोबल समिट में निवेशकों ने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से राज्य की आर्थिक व्यवस्था में इस क्षेत्र का योगदान बढ़ेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार इस दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कहा कि विश्व सुंदरी प्रतियोगिता के दौरान प्रतियोगी सुंदरीमणियों को विभिन्न पर्यटन स्थलों पर लाकर तेलंगाना की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को पूरी दुनिया के सामने उजागर किया जाएगा।

ग्रुप-I नौकरी दिलाने के नाम पर 7 लाख की ठगी

बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने ग्रुप-I की सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 7 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित कोत्तापेट का रहने वाला है। शिकायत के अनुसार, सैयद हैदर हुसैन नामक व्यक्ति ने अपने राजनीतिक संपर्कों का दावा कर ग्रुप-I पद दिलाने का भरोसा दिलाया। इस पर विश्वास कर शिकायतकर्ता ने वर्ष 2023 में किश्तों में 6 लाख रुपये और जुलाई 2025 में 1 लाख रुपये आरोपी को दिए। बाद में आरोपी ने और पैसे की मांग की। जब पीड़ित ने रकम वापस मांगी तो आरोपी ने संपर्क तोड़ लिया और धमकी देने लगा। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Siva Lakshmi, W/o, No. 14356894, Ex-SEP, Baddi Reddi Nageswar Rao, R/o, Dist: West Godavari, A P, changed my name from Siva Lakshmi to Baddireddy Siva Lakshmi, vide Affidavit No. BN 820734 dt 05.01.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.01/2026/बीयुआर/सीआरओपीएसएपी

साक्षात्कार के माध्यम से **दि.19-01-2026 के 10.00** बजे अस्थाई तौर पर, रीसर्च एसोसिएट (2 पद) तथा कम्प्युटर आपरेटर (1पद) की भर्ती का जा रही है। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./-
प्रशासनिक अधिकारी

योगी सरकार का बड़ा फैसला

पुलिस भर्ती में आयु सीमा पर दी राहत

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी राहत दी है।

अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

लाखों युवाओं को होगा लाभ

सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा।

सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे।

युवाओं के हित में योगी आदित्यनाथ सरकार

योगी सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है कि प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर देना, रोजगार के अधिक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराना और प्रशासनिक निर्णयों में संवेदनशीलता बनाए रखना योगी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है।

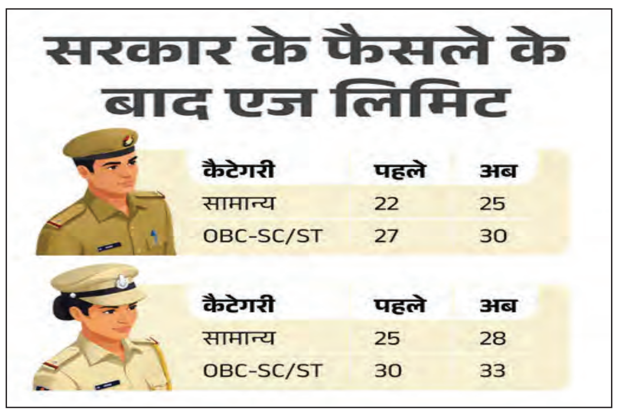

सरकार के फैसले के बाद एज लिमिट

कैटेगरी	पहले	अब
सामान्य	22	25
OBC-SC/ST	27	30

कैटेगरी	पहले	अब
सामान्य	25	28
OBC-SC/ST	30	33

संगीत सोम को बांग्लादेश से धमकी

सरधना थाने में एफआईआर दर्ज, बोले-सनातन के हक की बात करता रहूंगा

मेरठ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता ठाकुर संगीत सोम को बांग्लादेश से धमकी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। धमकी भरे फोन कॉल, मैसेज और वीडियो कॉल मिलने के बाद उन्होंने सरधना थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

सुबह 8 बजे मिले धमकी भरे कॉल और वीडियो कॉल

भाजपा नेता संगीत सोम ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे उन्हें धमकी भरे मैसेज और वीडियो कॉल प्राप्त हुए। इन कॉल्स और मैसेज में उन्हें जान से मारने के साथ-साथ कुछ प्रमुख न्यूज चैनलों को उड़ाने की धमकी दी गई। उन्होंने सभी संदिग्ध नंबर पुलिस को जांच के लिए सौंप दिए हैं।

बांग्लादेश से जुड़े होने की पुष्टि

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धमकी देने वाले नंबर बांग्लादेश के हैं। साइबर सेल और अन्य तकनीकी एजेंसियों की मदद से पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि धमकी देने वालों की पहचान की जा सके।

बयान के बाद बढ़ा विवाद

बताया जा रहा है कि 31 दिसंबर को संगीत सोम ने बांग्लादेश के एक खिलाड़ी को आईपीएल में शाहरुख खान की टीम द्वारा खरीदे जाने को लेकर बयान दिया था। इस बयान के बाद देशभर में चर्चा शुरू हुई और बाद में बीसीसीआई ने उस खिलाड़ी को टीम से रिलीज करने का फैसला लिया। इसी घटनाक्रम के बाद धमकी मिलने की आशंका जताई जा रही है।

सनातन धर्म की आवाज उठाता रहूंगा

धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए संगीत सोम ने साफ कहा कि वह सनातन धर्म और सनातनियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी धमकियों से वह डरने वाले नहीं हैं और देश व समाज के हित में अपनी बात मजबूती से रखते रहेंगे।

पुलिस जांच में जुटी

सरधना थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि साइबर और तकनीकी जांच के माध्यम से धमकी देने वालों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

समधी के साथ मिलकर बेटी को मार डाला

यासमीन इसलिए बनी कातिल, दामाद को पहुंचा दिया हवालात

कासगंज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कासगंज के थाना सुन्नगढ़ी क्षेत्र में बीती 26 दिसंबर को सड़क किनारे मिले महिला शबनूर के शव की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया। उसकी हत्या मां ने अपने समधी के साथ मिलकर की थी। मां को डर था कि बेटी उसके और समधी के अवैध संबंधों के बारे में दामाद को बता देगी। पुलिस ने आरोपी मां और उसके प्रेमी समधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि बीती 26 दिसंबर को सुन्नगढ़ी में नगला खमानी के पास रामछितौनी बम्बा के किनारे पचपोखरा निवासी शबनूर पत्नी जाविर का शव मिला था। उसकी मां यासमीन ने दामाद और ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सुन्नगढ़ी पुलिस ने जांच शुरू की, तो परत दर परत चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

अवैध संबंधों ने बनाया मां को कातिल

सीओ सहावर शाहिदा नसरीन ने बताया कि पूछताछ में पकड़ी गई आरोपी मां यासमीन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। यासमीन के बदायूं के उझानी निवासी अपने समधी रहीस अहमद के साथ अवैध संबंध थे। शबनूर को इस बात की जानकारी हो गई थी और वह इसका विरोध कर रही थी। शबनूर ने धमकी दी थी कि वह यह बात अपने पति को बता देगी। इसलिए यासमीन ने रहीस के साथ मिलकर बेटी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

साजिश के तहत की हत्या

25 दिसंबर की रात योजना के मुताबिक, रहीस अहमद ने शबनूर की हत्या कर दी और शव को बम्बे की पटरी पर फेंक दिया। पहचान छिपाने और लूट की घटना दिखाने के उद्देश्य से रहीस ने शबनूर के जेवर भी उतार लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में उपयोग की गई बाइक और लूटे गए जेवर बरामद कर लिए हैं।

जेल अफसर न्यू ईयर पार्टी में नाचते रहे, 2 कैदी भागे

कन्नौज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के कन्नौज जेल की करीब 22 फीट ऊंची दीवार फांदकर 2 कैदी फरार हो गए। रविवार रात जेल में न्यू ईयर की पार्टी रखी गई थी। अफसर-कर्मचारी और उनके परिवारीजन पार्टी में नाच-गा थे। जेल अधीक्षक भीमसेन मुकुंद गाना गा रहे थे। सिपाही डांस कर रहे थे। पार्टी का फायदा उठाकर कैदियों ने कंबलों को आपस में बांधा और दीवार को फांदकर भाग निकले। रात में जेल के सभी कैदियों को बैरक भेजा गया, लेकिन गिनती नहीं हुई थी। सोमवार सुबह 11 बजे जब सभी कैदी निकाले गए तो गिनती में दो कैदी कम निकले। पहले जेल प्रशासन इसे छिपाने की कोशिश करता रहा और खोजबीन जारी रखी।

संभल में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ा अभियान, सड़कों पर उतरे डीएम-एसपी

संभल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के संभल में बिजली चोरी पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सोमवार तड़के बड़ी कार्रवाई की। सुबह करीब 4 बजे जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से व्यापक अभियान चलाया।

यह कार्रवाई थाना रायसत्ती और नखासा क्षेत्र में की गई, जहां लंबे समय से बिजली चोरी की शिकायतें सामने आ रही थीं। तड़के शुरू हुए इस औचक अभियान में भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमला सड़कों पर उतरा। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। टीम ने संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर अवैध बिजली कनेक्शनों की गहन जांच की। इस दौरान कई स्थानों पर नियमों के खिलाफ लगाए गए कनेक्शन पाए गए, जिनकी जानकारी संबंधित विभाग को देते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सात थानों की पुलिस के साथ पीएसी और आरपीएफ बल भी तैनात रहे। मौके पर एडीएम प्रदीप वर्मा, एएसपी (उत्तरी) कुलदीप सिंह, एसडीएम रामानुज, सीओ असमोली कुलदीप कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह और नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस तरह के औचक अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बिजली चोरी में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले, 13 दिसंबर को प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बिजली चोरी का बड़ा मामला सामने आया है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मिलकर बिजली चोरी का नेटवर्क पकड़ा। अधिकारियों ने छतों पर फैले कटिया कनेक्शन और धार्मिक स्थलों पर अवैध कनेक्शन मिलने से सख्त रुख अपनाया था। इस दौरान कई घरों, मदरसों और मस्जिदों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। तकरीबन 250 से 300 घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। एक छत के ऊपर से अवैध बिजली घर बनाकर लोगों को सप्लाई दी जा रही थी।

'उनकी हैवानियत के आगे मैं चीखती रही, गिड़गिड़ाती रही'

छह साल की बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म

फिरोजाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में नारखी के एक गांव की छह साल की मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना को परिजन और ग्रामीण भूला नहीं पा रहे हैं। शनिवार रात भर पीड़ित परिवार सोया नहीं। पिछले 24 घंटे से बच्ची की मां और पिता ने एक निवाला तक नहीं खाया है। रविवार सुबह तक पीड़ित पिता के आंसू सूख चुके थे, पर सिसकियां थमने का नाम नहीं ले रही थीं। उन्होंने भारी मन से कहा, अब कभी बुलंदशहर नहीं जाऊंगा। अब गांव में ही मजदूरी करूंगा, यहां कम से कम अपनों का साया तो है।

गांव के एक छोटे से घर के आंगन में बैठी मां की हालत भी खराब थी। वह रात भर सोई नहीं थी। पड़ोसियों ने बताया कि मां ने शुक्रवार से अन्न का दाना तक नहीं चखा है। वह बस एक ही बात रट रही है, मेरी बच्ची तो खेलने गई थी, उसे क्या पता था कि ऊपर मौत खड़ी है। मूल रूप से फिरोजाबाद जिले के रहने वाले पीड़ित परिवार के आंसू थम नहीं रहे हैं।

बेटी की मौत के बाद मां बेहाल है। वह बार-बार एक ही बात दोहरा रही हैं। साहब, उन्होंने मेरी बच्ची पर रहम नहीं किया, उन्हें भी रहम न मिले। जैसे उन्होंने मेरी आंखों के सामने मेरी फूल-सी बच्ची को नीचे फेंका, वैसे ही उन्हें मेरी आंखों के सामने फांसी के फंदे पर लटकाया जाए। तभी मेरे कलेजे को ठंडक मिलेगी। पिता की हालत भी दयनीय है। वह कहते हैं कि जिस शहर ने उनकी बेटी को निगल लिया, वहां अब कभी नहीं जाएंगे।

20 मिनट तक पीटती रहीं दरवाजा

तीसरी मंजिल पर सन्नाटा पसरा था। वहां मां की नजर एक बंद कमरे पर पड़ी। पड़ोस की एक महिला ने बताया कि कुछ देर पहले बच्ची उसी कमरे के बाहर खेल रही थी। उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन जवाब नहीं मिला।

रेलवे कर्मचारी की हत्या 30 मिनट तड़पता रहा

मेरठ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में बाइक सवार रेलवे कर्मचारी विवेक कुमार की ड्यूटी जाते वक्त हत्या कर दी गई। देर रात सरेराह उस पर तीन बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। फिर खून से लथपथ विवेक को सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। घायल हालत में विवेक करीब आधे घंटे तक तड़पता रहा। उसके सीने और गर्दन से लगातार खून बह रहा था। उसे हिचकियां आ रही थीं। वहां से गुजरते लोगों की नजर विवेक पर पड़ी। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। पहुंची ने रेलवे कर्मचारी को पहले सीएचसी भिजवाया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई। पुलिस की टीमें हमलावरों की तलाश में जुटी हुई हैं। घटना रविवार की देर रात करीब 10.30 बजे मुंडाली थाना क्षेत्र की है।

जैसे इजरायल करता है यहूदियों की रक्षा, वैसे ही भारत सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाए : महंत उमेश चंद

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महंत उमेश चंद वाजपेयी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले की निंदा करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि अगर भारत की हिंदुवादी सरकार इस मामले में कदम नहीं उठाएगी, तो क्या इजरायल की यहूदी सरकार उठाएगी। महंत उमेश चंद वाजपेयी ने सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन पर हमले किए जा रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं का जीना दुश्वार हो चुका है। ऐसे में केंद्र सरकार को फौरन कदम उठाना चाहिए। सरकार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए कठोर कदम उठाना चाहिए, ताकि वहां पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने इजरायल का जिक्र करते हुए कहा कि वह एक यहूदी देश है, लेकिन जब कभी दुनिया के किसी भी हिस्से में यहूदियों के साथ अत्याचार होता है, तो इजरायल सरकार तत्काल कदम उठाती है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा न हो।

उन्होंने कहा कि अगर आप भौगोलिक दृष्टि से देखें तो इजरायल चौतरफा दुश्मन देशों से घिरा हुआ है और हैरानी की बात है कि वह हमेशा से ही अपने अस्तित्व को बचाने के लिए इन सभी दुश्मन देशों से लड़ता रहा है। कई मौकों पर इजरायल ने अपने दुश्मन देशों को माकूल जवाब दिया है, जो इस बात का प्रतीक है कि वह अपने अस्तित्व पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने देगा। महंत ने इस बात की आशंका जताई कि अगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के प्रकरण में भारत सरकार की तरफ से कदम नहीं उठाए गए, तो आगामी दिनों में पाकिस्तान और बांग्लादेश एकजुट हो जाएंगे और दोनों मिलकर हिंदुओं पर हमला करेंगे।

सुल्तानपुर में छात्रा से गैंगरेप का आरोपी आजम ढेर

100 दिन में 15वें बदमाश का एनकाउंटर; 1 लाख का इनामी, 17 मुकदमे थे

सुलतानपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के सुल्तानपुर में एक लाख का इनामी बदमाश आजम खां उर्फ तालिब एनकाउंटर में ढेर हो गया। पुलिस को इनपुट मिला था कि आजम (26) किसी वारदात की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने लंभुआ के दियरा पुल पर घेराबंदी की। बाइक से आते दिखने पर पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन आजम ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसे लग गई, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जा रही थी, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

आजम पर गैंगरेप समेत कुल 17 आपराधिक मामले दर्ज थे। सभी मुकदमे लखीमपुर खीरी और गोला में दर्ज हैं। आजम लखीमपुर खीरी के फरधान थाना क्षेत्र का रहने वाला था। लंबे समय से फरार चल रहा था। यूपी में 100 दिन में 15वां बदमाश एनकाउंटर में ढेर हुआ है। इस हिसाब से यूपी पुलिस औसतन हर हफ्ते एक एनकाउंटर कर रही है।

बेटे ने पिता, बहन और भांजी को मार डाला-प्रयागराज में लाश कुएं में फेंकीं

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में एक ही परिवार के 3 लोगों की हत्या कर दी गई। हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि बड़े बेटे मुकेश पटेल ने ही की। उसने पिता, बहन और भांजी को किडनैप कर लिया। इसके बाद तीनों को मारकर लाश कुएं में फेंक दीं। ये मर्डर 1.5 करोड़ की प्रॉपर्टी के लिए किया गया। आरोपी मुकेश से नाराज पिता राम सिंह ने 4.5 बीघा खेत और मकान अपने छोटे बेटे के नाम किया था। मुकेश इससे नाराज था। पिता राम सिंह (55) और बहन साधना देवी (21) के साथ भांजी आस्था (14) शुक्रवार रात 11 बजे से लापता थे।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, चोरी की 11 बाइक बरामद

नोएडा नोएडा के सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे और निशानदेही से चोरी की गई कुल 11 मोटरसाइकिलें तथा 2 अवैध चाकू बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस की मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार, थाना सेक्टर-24 नोएडा पुलिस टीम रविवार को क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान एफ-ब्लॉक, सेक्टर-22 नोएडा के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो अवैध चाकू बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान दीपक पुत्र संतोष और सतेंद्र पुत्र सचिन उर्फ सतीश के रूप में बताई। पुलिस पूछताछ के दौरान दोनों अभियुक्तों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली, नोएडा और एनसीआर क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में रैकी कर घरों के बाहर खड़ी बाइकों को मौका पाकर चोरी कर लेते थे। चोरी के बाद इन मोटरसाइकिलों को सेक्टर-54 नोएडा के जंगल क्षेत्र में झाड़ियों के बीच छिपाकर रखते थे। बाद में जरूरत पड़ने पर इन्हें एक-एक कर सस्ते दामों में जरूरतमंद लोगों को बेच देते थे। चोरी से मिले पैसों को आपस में बराबर बांटकर अपने शौक पूरे करते थे।

आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि चोरी के दौरान अपनी सुरक्षा के लिए वे अपने पास चाकू रखते थे। अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने सेक्टर-54 नोएडा के जंगल से चोरी की गई अन्य 10 मोटरसाइकिलें भी बरामद कर लीं। बरामद वाहनों में होंडा यूनिकॉर्न, हीरो स्प्लेंडर, पैशन प्रो, एचएफ डीलक्स सहित विभिन्न कंपनियों की मोटरसाइकिलें शामिल हैं, जिनमें कुछ दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा नंबर की हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त दीपक और सतेंद्र दोनों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

महिलाओं ने कल्याण ज्वेलर्स से 14 लाख के गहने चुराए

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज में कल्याण ज्वैलर्स के शोरूम से 4 महिलाओं ने 14 मिनट में करीब 14 लाख रुपए के गहने चुरा लिए। महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों के साथ पहुंची थीं, ताकि किसी को शक न हो। उनमें एक ने ज्वैलरी खरीदने के बहाने सेल्समैन को अपनी बातों में उलझाया। बाकी महिलाएं पास में ही गहनों वाले काउंटर के पास लगी कुर्सियों पर बैठ गईं। जब सेल्समैन गहने दिखाने में बिजी हो गया तो मौका पाकर एक महिला ने सोने की ईयर-रिंग से भरा डिस्प्ले पैड उठा लिया। उसने डिस्प्ले पैड अपनी बाईं ओर बैठी दूसरी महिला को सौंप दिया, जिसने उसने अपने शॉल में छिपा लिया।

उमर-शरजील इमाम को जमानत नहीं

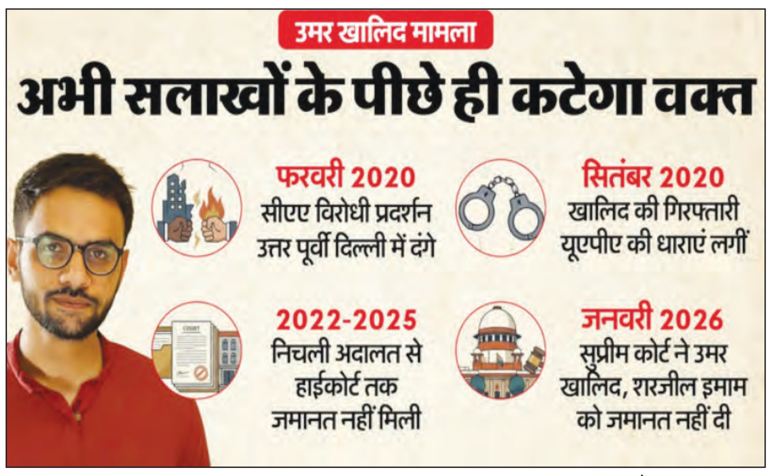

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में आज साल 2020 के दिल्ली दंगा मामले में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने फैसले में कहा कि लंबे समय तक जेल में रहना जमानत का आधार नहीं बन सकता। इन दोनों को जमानत देने से इनकार करने के अलावा कोर्ट ने मामले के अन्य आरोपियों-गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दे दी।

मुकदमे के ट्रायल में देरी जमानत का आधार नहीं

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम इस मामले के अन्य आरोपियों की तुलना में अलग स्थिति में हैं। कोर्ट ने साफ किया कि मुकदमे के ट्रायल में हो रही देरी को 'ट्रंप कार्ड' की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ऐसा करने से वैधानिक सुरक्षा उपाय स्वतः ही निरस्त होने का खतरा है। हालांकि, अदालत ने कहा कि गवाहों की जांच पूरी होने पर या वर्तमान आदेश की तारीख से एक वर्ष पूरा होने पर उमर खालिद और शरजील इमाम फिर से जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दो जजों की पीठ बोली-उमर और शरजील पर गंभीर आरोप

अदालत ने कहा कि दोनों के खिलाफ यूएपीए के तहत प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर हैं, इसलिए इस स्तर पर दोनों को राहत नहीं दी जा सकती।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा, उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं और यूएपीए कानून के अंतर्गत तय शर्तें भी पूरी होती हैं। ऐसे में ट्रायल में होने वाली देरी को फिलहाल जमानत का ठोस आधार नहीं माना जा सकता।

अदालत ने पांच अन्य को दी राहत

10 दिसंबर को जमानत पर सुरक्षित रखा था फैसला

बता दें कि विगत 10 दिसंबर, 2025 को सभी आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने 18 दिसंबर तक दोनों पक्षों को अपनी दलीलों के समर्थन में तमाम दस्तावेज जमा कराने को भी कहा था।

उमर खालिद के पिता बोले- मुझे कुछ नहीं कहना

सुप्रीम कोर्ट की ओर से जमानत रद्द किए जाने पर उमर खालिद के पिता इलियास का कहना है कि 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में जमानत न मिलने के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है। उन्होंने कहा कि मुझे इस पर कुछ नहीं कहना है और फैसला आपके सामने है।

उमर खालिद के खिलाफ क्या केस है

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को दिल्ली दंगों की साजिश रचने के कथित आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में अपील दायर करने वाले पांच अन्य आरोपियों को कुछ नियम-शर्तों के साथ जमानत दे दी। हालांकि, उमर और शरजील के मामले में कोर्ट ने कहा कि वह जमानत के लिए हर व्यक्ति के साथ एक जैसा बर्ताव नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इन दोनों के केस में ट्रायल में देरी को इनकी जमानत की वजह नहीं बनाया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उमर खालिद के मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई। जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद के खिलाफ 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ा मामला क्या है? 2020 के दिल्ली दंगों का मामला मुख्य तौर पर फरवरी 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों से जुड़ा है। ये दंगे नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में चल रहे व्यापक प्रदर्शनों के दौरान भड़के थे।

'अदालत किसी दबाव में नहीं'

उमर को बेल पर ममदानी के समर्थन पर बोले वरिष्ठ वकील एसवी राजू

अहमदाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उमर खालिद के समर्थन में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी द्वारा पत्र लिखे जाने को लेकर भारत में राजनीतिक और कानूनी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इस पूरे मामले पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सूर्यप्रकाश वी. राजू ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारतीय अदालतें किसी भी तरह के बाहरी दबाव या प्रभाव में नहीं आतीं। सूर्यप्रकाश वी. राजू ने स्पष्ट किया कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया पूरी तरह साक्ष्यों और देश के मौजूदा कानूनों के आधार पर चलती है। उन्होंने कहा कि किसी विदेशी नेता या बाहरी व्यक्ति द्वारा लिखा गया कोई भी पत्र अदालतों के फैसले को प्रभावित नहीं कर सकता।

पूर्व एएसजी ने यह भी चेतावनी दी कि किसी लंबित मामले में जमानत या रिहाई की मांग करते हुए अदालत को पत्र लिखना प्रशासनिक न्याय में हस्तक्षेप माना जा सकता है।

दिल्ली में बीच सड़क पैंट उतारकर युवक को पीटा

घर से घसीटकर ले गए, पिता से भी मारपीट आरोपियों के साथ खड़ी दिखी पुलिस

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक पिता और बेटे के साथ खुलेआम मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 2 जनवरी की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखा कि कुछ लोग एक युवक को उसके घर से घसीटकर सड़क पर ले गए। सड़क पर ले जाकर आरोपियों ने बीच युवक की पैंट उतार दी और और लातों से उसकी पिटाई की। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि मारपीट के दौरान मौके पर दो पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। फिर भी आरोपी युवक की पिटाई करते रहे। जब आरोपियों ने हमला करना रोका, तब एक पुलिसकर्मी ने पीड़ित को उसकी पैंट लाकर दी। इस दौरान सभी आरोपी पुलिसकर्मियों के आस-पास खड़े थे। पुलिस ने न को किसी आरोपी को हमला करने से रोकने की कोशिश की, न ही उन्हें तब पकड़ने की कोशिश की।

सबूतों के अभाव में अदालत ने आरोपी को बरी किया

चार साल पहले पत्नी की हत्या का लगा था आरोप

ठाणे, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ठाणे की एक अदालत ने 2021 में अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी 32 वर्षीय व्यक्ति को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष साक्ष्यों पर आधारित इस मामले में दोष सिद्ध करने के लिए आवश्यक बुनियादी तथ्यों को साबित करने में असफल रहा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने शनिवार को अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष का यह दायित्व है कि वह परिस्थितियों की कड़ी में शामिल प्रत्येक तथ्य को साबित करे। जो केवल इस परिकल्पना की ओर ले जाता है कि आरोपी दोषी है और उसकी निर्दोषता की कोई संभावना नहीं है। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि 9 मई, 2021 को शान मोहम्मद शाबिद अली खान ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के दाइघर स्थित अपने आवास पर अपनी चौथी पत्नी अरफा खान की हत्या कर दी थी।

दिल्ली में इंसानी रेबीज 'नोटिफायबल डिजीज' घोषित

केस की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देनी होगी; दिल्ली में 2025 में डॉग बाइट के 35 हजार मामले

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने ह्यूमन रेबीज (इंसानों को रेबीज) को अब नोटिफायबल डिजीज घोषित कर दिया है।

यानी रेबीज का कोई भी संदिग्ध और कंफर्म केस सामने आते ही उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देना अनिवार्य होगा। दिल्ली की रेखा गुप्ता वाली सरकार का कहना है कि इससे फैसले से रेबीज के मामलों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। मरीज के इलाज में देरी नहीं होगी। अब दिल्ली के सभी सरकारी-निजी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और निजी डॉक्टरों को ऐसे मामलों की तुरंत रिपोर्ट करनी होगी।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रेबीज से होने वाली एक भी मौत स्वीकार नहीं है। यह फैसला समय पर इलाज और निगरानी में मदद करेगा। यह आदेश तुरंत लागू हो गया है। रेबीज एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर इलाज से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है। दिल्ली सरकार कुत्तों के काटने से होने वाली रेबीज मौतों को रोकने के लिए स्टेट एक्शन प्लान फॉर रेबीज एलिमिनेशन भी तैयार कर रही है।

लापरवाही से गई डायलिसिस रोगियों की जान

अलाप्पुझा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में दो डायलिसिस के रोगियों की मौत के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि अलाप्पुझा जिले में दो डायलिसिस रोगियों की मौत के संबंध में कथित चिकित्सा लापरवाही के आरोप में एक सरकारी अस्पताल के अधीक्षक और वहां के कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हरिपाद पुलिस ने मृतकों में से एक के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। परिजनों ने शिकायत कर आरोप लगाया था कि 29 दिसंबर को तालुक अस्पताल में डायलिसिस के तुरंत बाद दोनों पुरुषों को बुखार और दस्त हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि हरिपाद तालुक अस्पताल की डायलिसिस इकाई में अस्वच्छ परिस्थितियों के कारण हुए गंभीर संक्रमण से उनकी मौत हो गई। परिवार ने आरोप लगाया कि दोनों व्यक्तियों को बेचैनी होने पर अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने किया सुसाइड, दो बच्चों के सिर से उठा माता-पिता का साया

कुरुक्षेत्र, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दबखेड़ा गांव में एक युवक ने पहले अपनी पत्नी की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी और इसके बाद गांव के तालाब (जोहड़) में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना देर रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस सोमवार तड़के मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लिया। गोताखोरों की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव तालाब से बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान रणदीप सिंह (35) और उसकी पत्नी निशा (32) के रूप में हुई है।

स्थानीय निकाय चुनाव में निर्विरोध जीत पर बोले मंत्री बावनकुले-लोकतंत्र के लिए अच्छा

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को कहा कि नगर निगम चुनावों में निर्विरोध जीत लोकतंत्र के लिए अच्छी है। वहीं, विपक्षी दल जो अपने लिए न्याय की मांग करना चाहते हैं, वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। चिकालथाना हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि ऐसा कोई लिखित नियम नहीं है कि निर्विरोध चुनाव नहीं होने चाहिए। चुनाव आयोग ने इसकी अनुमति दी है।

बावनकुले की ये टिप्पणियां शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा राज्य चुनाव आयोग से 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों से पहले 68 नगर निगम वार्डों में सत्तारूढ़ महायुति पार्टी के उम्मीदवारों को निर्विरोध विजेता घोषित किए जाने के परिणामों को रद्द करने की अपील और इस चेतावनी के बाद आई हैं कि लोकतंत्र को भीड़तंत्र द्वारा कुचला नहीं जाना चाहिए। राज्य के राजस्व मंत्री ने कहा कि अगर कहीं निर्विरोध चुनाव हो रहे हैं, तो यह एक अच्छी बात है। निर्विरोध जीतने वालों का एजेंडा विकास है। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भगवा पार्टी ने पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के मामलों में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जहां स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे। बावांकुले ने आगे कहा कि वह एमएनएस चाहें तो अदालत का रुख कर सकते हैं और न्याय मांग सकते हैं। निर्विरोध चुनाव जीतना लोकतंत्र के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जब स्थानीय शासी निकायों और ग्राम पंचायतों में उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। ठाकरे परिवार के चचेरे भाइयों पर कटाक्ष करते हुए बावाकुले ने कहा कि ये दोनों रैलियों में भीड़ जुटा सकते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि ये भीड़ वोटों में तब्दील हो। उन्होंने वीबीए नेता शुजात अंबेडकर के उस बयान पर भाजपा का रुख भी स्पष्ट किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि नगर निगम चुनाव के बाद कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो जाएंगी।

एफसीआरए उल्लंघन मामले में एनजीओ के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश

कांग्रेस नेता सतीशन का नाम भी शामिल

तिरुवनंतपुरम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। केरल सतर्कता विभाग ने राज्य के विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन से जुड़ी एक पुनर्वास परियोजना के संबंध में कथित एफसीआरए उल्लंघन के आरोप में राज्य के एक गैर सरकारी संगठन और उसके अध्यक्ष के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की है। मामले से जुड़े आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी सूत्रों ने रविवार को खुलासा किया था कि राज्य की भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी ने कांग्रेस नेता सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की है। इसमें 'पुनर्जनी' परियोजना के लिए विदेश से धन जुटाने में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन का हवाला दिया गया है।

सीएम पिनरई विजयन को सौंपी गई थी रिपोर्ट

सोमवार को सरकारी सूत्रों ने बताया कि मनप्पट फाउंडेशन, उसके अध्यक्ष और सीईओ अमीर अहमद के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की ओर से जांच की सिफारिश वाली सतर्कता रिपोर्ट हाल ही में मुख्यमंत्री पिनरई विजयन को सौंपी गई थी। सूत्रों के अनुसार आरोप थे कि बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के नाम पर विदेशी धनराशि एकत्र की गई और अहमद और वीडी सतीशन की मिलीभगत से केरल भेजी गई। सूत्रों के अनुसार राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (वीएसीबी) ने पाया कि पुनर्जनी परियोजना की अवधि (2018 और 2022) के दौरान मनप्पट फाउंडेशन के एफसीआरए खाते में लगभग 1.22 करोड़ रुपये जमा किए गए थे।

वीडीजी बनेंगे आतंक का काल : सीमा से जंगल तक साजिशों का टूटेगा जाल, सेना-पुलिस दे रही विशेष प्रशिक्षण

जम्मू, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सीमा पार से घुसपैठ, ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में छिपे आतंकियों की नई चुनौतियों ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा का परिदृश्य बदल दिया है। युद्ध के इन बदलते स्वरूपों और उभरती चुनौतियों के बीच अब ग्राम रक्षा समूह (वीडीजी) की भूमिका पहले से कहीं अधिक निर्णायक हो गई है। जम्मू संभाग में बीते तीन वर्षों में बढ़ी आतंकी गतिविधियों को देखते हुए पुलिस, सेना और बीएसएफ अब वीडीजी सदस्यों को फर्स्ट रिस्पोंडर (प्रथम प्रतिक्रिया देने वाली इकाई) के रूप में तैयार करने के लिए त्रि-स्तरीय विशेष प्रशिक्षण दे रहा है।

पिछले तीन वर्षों में रामबन को छोड़कर जम्मू संभाग के लगभग सभी जिलों में आतंकी मुठभेड़ हुई हैं। किश्तवाड़, उधमपुर और कठुआ जैसे जिलों के दुर्गम और दूरदराज के इलाकों में आतंकियों की सक्रियता सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। चूंकि इन इलाकों में सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले स्थानीय ग्रामीण ही मौके पर मौजूद होते हैं इसलिए वीडीजी को सशक्त बनाना अनिवार्य हो गया है। वीडीजी को प्रशिक्षण के तहत एसएलआर जैसे सेमी-ऑटोमेटिक हथियारों के इस्तेमाल, आतंकी हमले की स्थिति में त्वरित व प्रभावी प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाया जा रहा है।

डीजीपी मिल चुके हैं वीडीजी सदस्यों से

पुलिस से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि गत नवंबर में डीजीपी नलिन प्रभात ने उधमपुर, कठुआ, सांबा और जम्मू जिले के वीडीजी सदस्यों से मुलाकात की थी। उन्होंने उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझा था।

डीजीपी ने पुलिस को वीडीजी सदस्यों को अच्छे हथियार मुहैया करवाने के साथ उन्हें प्रशिक्षण देने का भरोसा दिया था। इसी क्रम में प्रशिक्षण के साथ नए युवाओं को जोड़ा जा रहा है।

सीएम फडणवीस पर नवाब मलिक का तंज मुंबई के नागरिकों को मेयर चुनने का अधिकार

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एनसीपी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की 'हिंदू मराठी मेयर' टिप्पणी पर निशाना साधा है। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने कहा कि इस देश के नागरिक, यहां रहने वाले लोग और मुंबई के निवासी तय करेंगे कि मेयर कौन बनेगा। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हर पार्टी को यह तय करने का अधिकार है कि वे किसके साथ कैंपेन करना चाहते हैं। कैंपेन रैलियों के जरिए होता है, लेकिन घर-घर जाकर किया गया संपर्क अक्सर बड़ी सभाओं से ज्यादा असरदार होता है। ऐसी धारणा है कि मुंबई में एक लहर चल रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह गलत है। अलग-अलग वार्डों में अलग-अलग हालात हैं। कुछ वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवार मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, इस देश के नागरिक, यहां रहने वाले लोग और मुंबई के निवासी तय करेंगे कि मेयर कौन बनेगा। हम धर्म या जाति के आधार पर राजनीति नहीं करते। लोगों को यह समझना चाहिए कि जहां कुछ लोग धर्म या भाषा के आधार पर राजनीति करते हैं, वहीं हमारा इतिहास सभी समुदायों को अपनी राजनीति में शामिल करने का रहा है।

भारत में साइबर ठगी का विस्फोट-6 साल में 52,976 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में साइबर अपराध और ठगी के मामलों ने बीते कुछ वर्षों में खतरनाक रफ्तार पकड़ ली है। गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह वर्षों में देशभर में अलग-अलग तरह की धोखाधड़ी और ठगी से 52,976 करोड़ रुपये से अधिक की रकम का नुकसान हुआ है। इसमें निवेश स्कैम, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग फ्रॉड और साइबर फिशिंग जैसे मामले शामिल हैं।

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ 2025 में ही लोगों ने करीब 19,812.96 करोड़ गंवाए और 21,77,524 से ज्यादा ठगी से जुड़े मामले दर्ज किए गए। इससे पहले 2024 में 22,849.49 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था और 19,18,852 शिकायतें दर्ज हुईं थीं। वहीं 2023 में 7,463.2 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 13,10,361 शिकायतें दर्ज हुईं थीं। 2022 में यह आंकड़ा 2,290.23 करोड़ रुपये और 6,94,446 शिकायतों का रहा। 2021 में 551.65 करोड़ रुपये की ठगी हुई, जबकि 2020 में यह राशि 8.56 करोड़ रुपये दर्ज की गई थी। राज्यवार विश्लेषण में महाराष्ट्र साइबर ठगी से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। राज्य में 3,203 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और 28,33,20 शिकायतें दर्ज की गईं। इसके बाद कर्नाटक में 2,413 करोड़ रुपये और 21,32,28 शिकायतें, तमिलनाडु में 1,897 करोड़ रुपये और 12,32,90 शिकायतें सामने आईं। उत्तर प्रदेश में 1,443 करोड़ रुपये की ठगी और 27,52,64 शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि तेलंगाना में 1,372 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ करीब 95,000 मामले सामने आए। इन पांच राज्यों में ही देश के कुल साइबर फ्रॉड नुकसान का आधे से ज्यादा हिस्सा दर्ज हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, शहरी और डिजिटल रूप से जुड़े इलाकों में ठगों की गतिविधियां ज्यादा देखने को मिल रही हैं। अन्य राज्यों की बात करें तो गुजरात में 1,312.26 करोड़, दिल्ली में 1,163 करोड़ और पश्चिम बंगाल में 1,073.98 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया। मणिपुर में 16.74 करोड़ रुपये की ठगी हुई और 1,807 शिकायतें सामने आईं। डेटा के मुताबिक, कुल 19,812 करोड़ रुपये में से 77% रकम फर्जी निवेश योजनाओं के नाम पर गंवाई गई। इसके अलावा 8% डिजिटल अरेस्ट स्कैम, 7% क्रेडिट कार्ड फ्रॉड, 4% सेक्सटॉर्शन, 3% ई-कॉमर्स फ्रॉड और 1% एप या मालवेयर आधारित ठगी से जुड़ी रही।

2026 के लिए भारतीय सेना का रोडमैप तैयार

शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म में प्लानिंग; एआई, डेटा और डिजिटल नेटवर्क से होगी अगली जंग

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ 88 घंटे की जंग के विश्लेषण के बाद सेना ने अहम बदलावों की रूपरेखा तैयार की है। सेना ने इसे तीन हिस्सों अल्पकालिक (शॉर्ट टर्म), मध्यकालिक (मीडियम टर्म) और दीर्घकालिक (लॉन्ग टर्म) रणनीति में बांटा है। अल्पकालिक रणनीति के तहत 2026 का स्पष्ट रोडमैप बनाया गया है। सेना के सूत्रों ने बताया कि इस साल पूरा जोर हथियार हासिल करने की बजाए युद्ध के पूरे वातावरण की त्वरित जानकारी, नेटवर्क और तेज फैसलों पर केंद्रित रहेगा जो ऑपरेशन सिंदूर का अहम सबक है।

सेना ने साल 2026 को 'नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी' और 2027 में ऑपरेशंस के एआई से पूर्ण इंटीग्रेशन के रूप में मनाने का फैसला किया है। इस प्रक्रिया से जुड़े शीर्ष अधिकारी ने बताया कि यह फैसला सेना की लंबे समय से चल रही परिवर्तन योजना का अगला कदम है। सेना ने साल 2023 से 2032 को परिवर्तन का दशक घोषित किया है। इसके तहत 2023 में संगठन, सोच और काम करने के तरीकों में सुधार 2024 को 'तकनीक आत्मसात' और 2025 में जमीनी स्तर पर बदलाव का रोडमैप अपनाया गया है। स्ट्रैटजिक कम्युनिकेशन में भी बदलाव किए जा रहे हैं। योजना यह है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी, दुश्मन और घरेलू कम्युनिकेशन के लिए अलग-अलग कंटेंट और माध्यम तय हों। नैरेटिव वॉर में दुश्मन के झूठ तंत्र को फेल किया जाए।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 6 जनवरी- 2026

जानलेवा दूषित पेयजल

तीन बड़े नेताओं के वर्चस्व की लड़ाई में कांग्रेस के हाथ से मध्यप्रदेश निकल गया। अब मध्यप्रदेश में कांग्रेस ना के बराबर है। जब विपक्ष है ही नहीं तो भाजपा ही भाजपा का विपक्ष है। नेताओं के वर्चस्व की लड़ाई में दांव पर मध्यप्रदेश का इंदौर शहर लगा हुआ है। व्यवस्था की सड़ांध भागीरथपुरा के पानी में मिलकर सोलह को मौत के घाट उतार चुकी है और डेढ़ हजार को अस्पताल पहुँचा चुका है। भ्रष्टाचार का तो पूछो ही मत। हर काम के दाम तय हैं और दाम देने पर काम होगा कि नहीं,यह भी पता नहीं। यह कहानी है हर उस बड़े शहरों की जहां जनसंख्या का दबाव तेजी से बढ़ रहा है। इसके बाद भी सरकार को चलाने वाले संगठन नेताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाने में लगा है कि सच मत बोलो, बोलो तो यों खुले आम मत बोलो। इंदौर के भागीरथपुरा में लोग तो मर गए, आप ज़मीर को क्यों ज़िंदा रखे हुए हो? शहर के नर्मदा नदी की पाइप लाइन में सीवरेज का पानी वैसे ही मिला हुआ है जैसे कि नीयत में खोट। पता करना ही मुश्किल है कि कहां मिला है और कहां नहीं! अगर जीवन की दो बुनियादी आवश्यकताएं - साफ हवा और साफ पानी ही जनता को नहीं दिया जा सकता तो फिर तरक्की और विकास किस काम का। सत्तर के दशक में नर्मदा को इंदौर लाने के भगीरथी प्रयत्न अब केवल इतिहास में दर्ज है। अब तो भागीरथपुरा के मासूमों की गूंज दुनिया में सुर्खियां बन चुकी है। एक अधिकारी की जिद ने सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया। फिर भी इंदौर को लजाने वाले कारण मौजूद रहे हैं। लेकिन उन पर भारी पड़ी है शहर की जिंदादिली। हर सच्चे इंदौरी को पता है कि काम कहां और कैसे हो रहे हैं और कैसे रुक रहे हैं। पिछले ढाई दशक से इंदौर बस रुपया कमाने की मशीन बना हुआ है। हर अधिकारी की ललचाई नजर यहीं लगी रहती है। यहां की ट्रांसफर पोस्टिंग सबसे चर्चित है और इसीलिए हर मुख्यमंत्री का प्यारा शहर रहा है इंदौर। वो तो शहर के प्रबुद्ध वर्ग और कुछ जनप्रतिनिधियों की सतर्कता और जीवट है जिससे शहर बचा रहा, नहीं तो कब का पूरा ही निचोड़ लिया जाता। शहर पर मंडरा रहा खतरा जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा व्यापक है। इसलिए क्योंकि दांव पर इंदौर है और भागीरथपुरा एक चेतावनी। एक बड़े खतरे की घंटी। देर तो हो चुकी है पर अब जागो तभी सवेरा। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81% ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है।

अमेरिकी दबंगई के खतरे समझे शेष विश्व

राज कुमार सिंह

नये साल के शुरू में वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला और राष्ट्रपति मादुरो को पत्नी समेत उठा ले जाना विश्व शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरे का ही इशारा है। सभ्य समाज और कानून सम्मत व्यवस्था में कल्पना से भी परे होना चाहिए कि एक देश दूसरे देश पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को इस तरह पत्नी समेत उठा ले जाये, लेकिन इक्कीसवीं शताब्दी में यह होते हुए पूरी दुनिया ने देखा। इसके बावजूद अधिकांश देशों की प्रतिक्रिया निजी हानि-लाभ से प्रेरित है तो समझना मुश्किल नहीं कि हम तेजी से 'जंगल राज' की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें 'जिसकी लाठी', 'उसी की भैंस' होती है। चीन, रूस और उत्तरी कोरिया ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, पर वह भी निजी कारणों से प्रेरित है। बेशक विश्व व्यवस्था में ताजा उथल-पुथल का कारण बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ड्रग्स तस्करी में संलिप्तता समेत कई तरह के आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय कानून इस तरह किसी संप्रभु देश पर हमला करने की छूट दूसरे देश को नहीं देते। ट्रंप का दावा है कि मादुरो की गिरफ्तारी के साथ ही समुद्री रास्ते से ड्रग तस्करी के 97 प्रतिशत मामलों को खत्म कर दिया गया है। बकौल ट्रंप ड्रग तस्करी करनेवाली हर नाव औसतन 25 हजार लोगों को मारती है, लेकिन कोई विश्वसनीय अध्ययन इसकी पुष्टि नहीं करता कि सबसे ज्यादा तस्करी वेनेजुएला से होती है।

फिर तस्करी रोकने के बहुत सारे उपाय हैं। पाकिस्तान दशकों ने आतंकवादी, ड्रग्स और नकली करंसी भेज कर भारत में अस्थिरता और आतंकवाद फैला रहा है, लेकिन हमने उचित अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसे बेनकाब करते हुए दबाव बनाने का कूटनीतिक रास्ता अपनाया है। सिर्फ आतंकवादी हमलों का जवाब ही सैन्य कार्रवाई से दिया गया है। अपनी सीमाओं पर चौकसी चाक चौबंद करने के बजाय जिस देश से कथित रूप से तस्करी हो रही हो, उस पर हमला और उसके राष्ट्रपति को इस तरह गिरफ्तार कर लेना भविष्य के लिए खतरनाक मिसाल बन सकता है। अगर रूस इसी तरह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को उठा ले या फिर चीन भी ताईवान पर हमला कर ऐसा ही करे, तब क्या विश्व व्यवस्था नाम की कोई चीज रह जायेगी? राजधानी कराकास पर हमले के बाद मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को आतंकवादरोधी अमेरिकी बल 'डेल्टा फोर्स' जिस तरह बेडरूम से घसीटता हुआ ले गया, वह किसी अंडरवर्ल्ड गैंग की कार्रवाई ज्यादा लगती है। बेहद खौफनाक एवं असुरक्षित मेट्रोपोलिटन डिटेंशन सेंटर में रखे गये मादुरो पर नार्को टैररिज्म आदि के लिए अमेरिका में मुकदमा चलाया जाना भी कई सवाल खड़े करता है। अमेरिका 'दुनिया का चौधरी' नहीं है। ऐसे मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय बेहतर मंच हैं। अमेरिका का संदिग्ध अतीत भी इन सवालों को गंभीर बनाता है।

क्यूबा से ले कर अफगानिस्तान और इराक तक अनेक उदाहरण हैं, जब अमेरिका ने आरोपों और आशंकाओं के जरिये माहौल बना कर संप्रभु देशों पर हमले करते हुए उन्हें तबाह कर दिया। सोवियत संघ समर्थित नजीबुल्लाह सरकार को हटाने के लिए अमेरिका ने पहले तो पाकिस्तान की मदद से अफगानिस्तान में आतंकवादी तालिबान तैयार किये और फिर उन्हीं के खात्मे के नाम पर वहां हमला भी कर दिया। आज अफगानिस्तान बिखरा हुआ बर्बाद मुल्क है। खतरनाक जन संहारक हथियार होने के आरोप लगाते हुए अमेरिका ने विश्व शांति और सुरक्षा के नाम पर इराक पर हमला किया—और बिना पारदर्शी अदालती कार्रवाई के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को समंदर में दफन कर दिया। इराक के पास बताये गये जन संहारक हथियारों की बाबत दुनिया को आज तक कुछ पता नहीं चला, पर तेल आदि संसाधनों से समृद्ध देश इराक बर्बाद हो गया। इसीलिए वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के मूल में भी उसकी असली मंशा पर पूरी दुनिया को संदेह है। कम आबादी और ज्यादा क्षेत्रफलवाला वेनेजुएला 'मिस वर्ल्ड' और 'मिस यूनिवर्स' देने के लिए ही नहीं जाना जाता, उसके पास विश्व का सबसे बड़ा तेल भंडार भी है।

तेल बेच कर मुनाफा कमाने का ट्रंप का बयान भी चर्चा में है। बेशक बस ड्राइवर से वर्कर्स यूनियन नेता और फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति बननेवाले मादुरो संत नहीं हैं, पर अपना नेता और नियति चुनने का अधिकार तो सिर्फ वेनेजुएला के नागरिकों को होना चाहिए।

अमीर देशों में शामिल रहा वेनेजुएला आज कंगाली पर

अशोक भाटिया

अभी कल ही बात है कि अमेरिका ने हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। वेनेजुएला कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल था। आज कंगाल हो चुका है।यह कहानी एक ऐसे देश की है जिसके पास सऊदी अरब से भी ज्यादा तेल है, लेकिन पिछले एक दशक में उसने अपनी 80% जीडीपी गंवा दी। कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल इस देश ने अपनी दौलत का ऐसा मिसमैनेजमेंट किया कि आज वहां के लोग देश छोड़ रहे हैं।बात हो रही है 'वेनेजुएला' की, जिस पर शनिवार 3 जनवरी को अमेरिका ने हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया है। हजारों किलोमीटर दूर दक्षिण अमेरिका में हो रही इस हलचल का असर भारत में आम आदमी पर भी पड़ सकता है।

बताया जाता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के नवीकरणीय तेल भंडार और प्रचुर दुर्लभ पृथ्वी पर नजर रखकर वेनेजुएला की समृद्ध संपत्ति को नियंत्रित करने के अपने इरादों को कभी नहीं छिपाया है, लेकिन जिस गति और गति से संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके राष्ट्रपति भवन से उठाया और उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका लाया, वह चौंकाने वाला है। मादुरो को संयुक्त राज्य अमेरिका लाने के लिए ट्रम्प के कारण, जिनमें मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद शामिल हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रग्स की शिपिंग, संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ मशीनगनों और अन्य घातक हथियारों का उपयोग, और इसी तरह।मादुरो एक तानाशाह थे, इसलिए उन्हें हटा दिया गया और वेनेजुएला के नागरिकों को मुक्त कर दिया गया, और उस देश के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, डेल्सी रोड्रिग्ज के हाथों में, जो उस देश के प्रभारी थे, श्री रोड्रिग्ज ने स्वयं इसका खंडन किया और 2024 में मादुरो की रिहाई की मांग की। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाली मारिया कोरिना मचाडो के पास पर्याप्त लोग नहीं हैं, और उन्होंने पारस्परिक रूप से घोषणा की है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह वेनेजुएला में सेना भेजेंगे, लेकिन अभी के लिए, वह डेल्सी रोड्रिग्ज के माध्यम से दौड़ेंगे।इस प्रश्न के दो तार्किक उत्तर हैं। पहला उत्तर वेनेजुएला के तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के समृद्ध भंडार में पाया जा सकता है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के संस्थापक सदस्य वेनेजुएला के पास दुनिया के तेल भंडार का लगभग 20 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो सऊदी अरब या इराक से कहीं अधिक है, जिसकी कीमत 303 बिलियन बैरल होने का अनुमान है, लेकिन फिर भी वैश्विक तेल उत्पादन का 1 प्रतिशत से भी कम है। पिछले कई वर्षों से पर्याप्त तेल उत्पादन नहीं हुआ है। तेल उत्पादन व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के कारण, एक्सॉन मोबिल जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने कुछ साल पहले वेनेजुएला से अंतराल को बंद कर दिया था। इसके बाद से अमेरिका उस देश से नाराज है। गौरतलब है कि इराक में सद्दाम हुसैन के शासन को उखाड़ फेंकने के पीछे अमेरिकी तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण ही कारण था।

'सामूहिक विनाश के हथियार' और इसी तरह। इराक की तरह, वेनेजुएला के तेल भंडार को जब्त करना संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक दीर्घकालिक निवेश है। यदि पांच से सात साल तक स्थिरता रहती है, तो ट्रम्प की पसंद की कंपनियां वहां एक आधार स्थापित करने और तेल उत्पादन बढ़ाने में सक्षम होंगी, जो वैश्विक तेल उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए ट्रम्प की दीर्घकालिक योजना को कमजोर कर देगी, जो प्रमुख अगर-मगर से भरा खेल है, लेकिन उन्होंने कभी भी ऐसी बाधाओं की परवाह नहीं की है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा मादुरो का अपहरण लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सम्मेलनों का उल्लंघन करता है, और यह युद्ध जैसा होगा। अमेरिकी संविधान, जिसके लिए तीस अमेरिकी कांग्रेस के अनुसमर्थन की आवश्यकता है, नहीं हुआ है, और कोई भी मादुरो की अनुपस्थिति में स्थिरता की गारंटी नहीं दे सकता है। तेल कंपनियों सहित बड़ी अमेरिकी कंपनियां अभी भी अंतरराष्ट्रीय कानून से डरती हैं, कम से कम यह माना जाता है कि क्या वे तेल उत्पादन के लिए दागी वेनेजुएला योजना में अरबों डॉलर डालेंगे। यह प्रश्न अनुत्तरित है: वेनेजुएला न केवल तेल समृद्ध है, बल्कि अन्य प्राकृतिक संसाधनों में भी समृद्ध है, जिसमें दुनिया का छठा सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार शामिल है: सोना, लोहा, बॉक्साइट और हीरे, और थोरियम, कोल्टन, और कुछ दुर्लभ तत्व और यौगिक जो आधुनिक युग में महत्वपूर्ण बन गए हैं।चुंबकीय गुणों वाले रासायनिक यौगिक - इस देश में बड़ी मात्रा में पाए गए हैं।

कम से कम जैव विविधता और जल संसाधनों की प्रचुरता के साथ-साथ कैरेबियन सागर की भौगोलिक स्थिति और अटलांटिक महासागर में रणनीतिक व्यापार मार्गों के कारण नहीं। यदि दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ और अब उनके शिष्य मादुरो ने यहां के लोगों को पुरानी समाजवादी आर्थिक नीतियों के नारे पर लागू करके व्यक्तिवाद की भ्रष्ट व्यवस्था लागू नहीं की होती, तो वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका या कुछ यूरोपीय देशों के समान समृद्धि प्राप्त होती। यही कारण है कि ट्रम्प वेनेजुएला को नियंत्रित करना चाहते हैं, लेकिन वह ऐसा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं। वेनेजुएला हमेशा से संयुक्त राज्य अमेरिका पर झुका हुआ देश रहा है, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका इस देश और आसपास के दक्षिण अमेरिका को 'पश्चिम एशिया' में बदलने की कोशिश कर रहा है। इस नीति परिवर्तन की जड़ में ट्रम्प का एक और धोखा है - मोनरो सिद्धांत या मोनरो घोषणा। यह वर्तमान में डोनाल्ड ट्रम्प के नाम के अनुरूप है।इसे 'डोनरो सिद्धांत' कहा जाता है। उद्देश्य एक ही है। वेनेजुएला के खिलाफ मौजूदा कार्रवाई के पीछे यह दूसरा कारण है।

1823 में, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो ने पश्चिमी गोलार्ध से यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों के बाहर निकलने का सुझाव दिया। बदले में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने गारंटी दी कि वह पूर्वी गोलार्ध में यूरोपीय हितों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। पश्चिमी गोलार्ध मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण अमेरिका और कैरेबियाई द्वीप समूह को संदर्भित करता है। उस समय, ट्रम्प पहले राष्ट्रपति नहीं थे जिन्होंने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के देशों को संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक होने का सपना देखा था। ठीक 36 साल पहले, जॉर्ज डब्ल्यू डब्ल्यू बुश, जो एक रिपब्लिकन भी थे, के प्रशासन ने मैनुअल नोरिएगा को गिरफ्तार करके पनामा के शासन को समाप्त कर दिया था। रोनाल्ड रीगन भी एक रिपब्लिकन हैं जो निकारागुआ में कॉन्ट्रा विद्रोहियों के साथ सरकार संभालना चाहते हैं। इससे 60 साल पहले, कैनेडी-जॉनसन-निक्सन प्रशासन ने फिदेल कास्त्रो के क्यूबा के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था, लेकिन कास्त्रो दक्षिण अमेरिका (क्यूबा, निकारागुआ, वेनेजुएला) में वामपंथी या वामपंथी झुकाव वाले शासनों को अस्थिर करने में सक्षम थे, उन्हें वेनेजुएला के तेल से काट दिया, और अब चीन, जो द्वीप पर बसना चाहता है ।

चुनौतियों से अवसर तक : भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता

ममता कुशवाहा

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के मध्य तक पहुँचते-पहुंचते वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिरता, संरक्षणवाद और तीव्र होते भू-राजनीतिक तनावों से घिर गई है। व्यापार युद्ध, आयात-निर्यात पर बढ़ते टैरिफ, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बार-बार आने वाले व्यवधान और पूँजी के अनिश्चित प्रवाह ने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा को गहराई से प्रभावित किया है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में अनेक देशों की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है और कई अर्थव्यवस्थाएँ मंदी के दबाव में आ गई हैं। इसके विपरीत, भारत ने एक उल्लेखनीय अपवाद के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। वैश्विक दबावों, विशेष रूप से अमेरिका जैसे देशों द्वारा लगाए गए ऊँचे टैरिफों के बावजूद भारत ने न केवल अपनी आर्थिक गति को बनाए रखा है, बल्कि लचीलापन और अनुकूलन क्षमता का भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। यह मजबूती किसी संयोग का परिणाम नहीं है, बल्कि संरचनात्मक सुधारों, मजबूत घरेलू मांग और आत्मनिर्भर भारत की दूरदर्शी रणनीति का फल है।

हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर संरक्षणवादी नीतियों की वापसी एक प्रमुख प्रवृत्ति बनकर उभरी है। विकसित देश अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा के नाम पर टैरिफ को राजनीतिक और आर्थिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार के पारंपरिक ढाँचे में भारी व्यवधान आया है और विकासशील देशों के निर्यातकों के लिए लागत बढ़ गई है। भारत, जो वैश्विक व्यापार व्यवस्था का एक अहम हिस्सा है, इन नीतियों से अछूता नहीं रहा। फिर भी भारत ने इन बाहरी दबावों को अपनी आर्थिक प्रगति की राह में बाधा बनने नहीं दिया। इसके बजाय, देश ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए आंतरिक क्षमताओं को मजबूत करने और निर्यात बाजारों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया।

भारत की आत्मनिर्भरता की अवधारणा को अक्सर गलत तरीके से अलगाववाद के रूप में देखा जाता है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल भिन्न है। आत्मनिर्भर भारत का आशय दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि आयात पर अत्यधिक निर्भरता को कम करते हुए घरेलू उत्पादन, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। "मेक इन इंडिया", उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएँ और इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा, रक्षा तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में लक्षित सरकारी समर्थन ने इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई है। इन पहलों से न केवल घरेलू विनिर्माण को बल मिला है, बल्कि वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है, जो अनिश्चित वैश्विक वातावरण के बावजूद भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में देख रहे हैं।

भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा आधार उसकी घरेलू खपत है। विशाल और युवा आबादी के कारण भारत के पास एक ऐसा आंतरिक बाजार है जो बाहरी झटकों को काफी हद तक सहन करने की क्षमता रखता है। बढ़ती आय, तेज शहरीकरण और ऋण तक बेहतर पहुँच ने आवास, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग को लगातार समर्थन दिया है। जब टैरिफ युद्धों और वैश्विक मंदी के कारण अंतरराष्ट्रीय मांग कमजोर पड़ी, तब भी घरेलू खपत ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को बनाए रखा। यही कारण है कि भारत उन अर्थव्यवस्थाओं से अलग दिखाई देता है जो अत्यधिक रूप से निर्यात पर निर्भर हैं और वैश्विक व्यापार में थोड़े से बदलाव से ही अस्थिर हो जाती हैं।

मुद्रास्फीति का प्रभावी प्रबंधन भी भारत की आर्थिक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। जहाँ अनेक देशों को आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और भू-राजनीतिक तनावों के कारण तीव्र महँगाई का सामना करना पड़ा, वहीं भारत ने संतुलित मौद्रिक नीति और लक्षित राजकोषीय हस्तक्षेपों के माध्यम से स्थिति को संभाला। खाद्य महँगाई में कमी और बेहतर आपूर्ति प्रबंधन ने आम नागरिकों को राहत दी, जिससे उनकी क्रय शक्ति बनी रही और मांग को सहारा मिला। इस व्यापक आर्थिक स्थिरता ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया और भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश स्थल के रूप में स्थापित किया।भारत के वित्तीय बाजार भी इस लचीलेपन की स्पष्ट झलक देते हैं। शेयर बाजारों में गहराई और परिपक्वता आई है, जहाँ अब केवल विदेशी पूँजी ही नहीं, बल्कि घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है। खुदरा निवेशकों, म्यूचुअल फंडों और दीर्घकालिक संस्थागत निवेशकों की बढ़ती भूमिका ने बाजार को अचानक होने वाले वैश्विक पूँजी पलायन से कम संवेदनशील बनाया है। यह बदलाव भारत की वित्तीय प्रणाली के संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण का संकेत है, जो वास्तविक अर्थव्यवस्था और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित कर रही है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। वैश्विक व्यापार की रफ्तार धीमी होने के बावजूद भारत ने नए बाजारों की खोज और मूल्य श्रृंखलाओं के उन्नयन के माध्यम से निर्यात गति को बनाए रखा है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाओं और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग जैसे क्षेत्रों में सेवा निर्यात आज भी भारत के लिए विदेशी मुद्रा का एक मजबूत स्रोत बना हुआ है। साथ ही, विनिर्माण निर्यात भी पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग वस्तुओं और विशेष रसायनों जैसे नए क्षेत्रों तक फैल गया है। इस विविधीकरण से किसी एक बाजार या देश द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव सीमित हो जाता है।

नीतिगत स्तर पर किए गए संरचनात्मक सुधारों ने भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता को मजबूत आधार प्रदान किया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने कर अनुपालन में सुधार किया और एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया। डिजिटल गवर्नेंस पहलों ने पारदर्शिता बढ़ाई, रिसाव कम किए और सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स में बड़े पैमाने पर निवेश ने लेन-देन लागत को घटाया और उत्पादकता में वृद्धि की। भले ही इन सुधारों का प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता हो, लेकिन उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को अधिक संगठित और प्रतिस्पर्धी बनाया है।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति उसकी आर्थिक दृढ़ता में सहायक रही है। वैश्विक कंपनियाँ अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को कुछ गिने-चुने क्षेत्रों तक सीमित रखने के जोखिम को समझने लगी हैं और वैकल्पिक ठिकानों की तलाश कर रही हैं। ऐसे में भारत एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है। मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएँ, कानून का शासन और विशाल प्रतिभा-सम्पन्न मानव संसाधन भारत को स्थिरता और विस्तार दोनों प्रदान करते हैं। यह वैश्विक विनिर्माण और निवेश के बदलते पैटर्न भारत के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आए हैं, भले ही टैरिफ बाधाएँ बनी रहें। इसके बावजूद, चुनौतियाँ अभी समाप्त नहीं हुई हैं।

आय असमानता, रोजगार सृजन और कौशल विकास जैसे मुद्दों पर निरंतर और गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है। असंगठित क्षेत्र, जिसमें भारत की बड़ी आबादी कार्यरत है, आज भी आर्थिक झटकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। इसके अलावा, पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियाँ दीर्घकालिक जोखिम के रूप में सामने हैं, जिनके लिए दूरदर्शी नीतिगत योजना अनिवार्य है। साथ ही, खंडित होती वैश्विक व्यापार व्यवस्था में संतुलन साधने के लिए कूटनीतिक कुशलता और रणनीतिक समझ भी उतनी ही आवश्यक होगी। बढ़ते टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के प्रति भारत की प्रतिक्रिया हमें आर्थिक दृढ़ता का एक व्यापक सबक देती है।

घरेलू क्षमताओं को मजबूत करके, खपत को बनाए रखकर, महँगाई को नियंत्रित करके और रणनीतिक सुधारों को आगे बढ़ाकर भारत ने यह सिद्ध किया है कि बाहरी झटके विकास की राह को अनिवार्य रूप से बाधित नहीं करते। बल्कि सही नीतियों और दूरदर्शी नेतृत्व के साथ ये झटके आत्म-पुनर्निर्माण और परिवर्तन के उत्प्रेरक बन सकते हैं।

सौंदर्य की नई भाषा: जब महिलाएं बोलती हैं कि मेरा शरीर, मेरे नियम

कृति आरके जैन

एक लड़की आईने के सामने खड़ी है। समाज कहता है – पतली हो जाओ, गोरी बनो, परफेक्ट बनो। लेकिन वह मुस्कुराती है और कहती है, मेरा शरीर, मेरे नियम! यह नारा आज लाखों महिलाओं की आवाज बन चुका है। बॉडी पॉजिटिविटी आंदोलन ने महिलाओं को सिखाया है कि सुंदरता का मतलब सिर्फ एक सांचे में फिट होना नहीं। यह आंदोलन आत्म-सम्मान, स्वीकृति और स्वतंत्रता का प्रतीक है। बॉलीवुड की चकाचौंध से लेकर सोशल मीडिया की दुनिया तक, महिलाएं अब अपने शरीर को शर्म की बजाय गर्व का विषय बना रही हैं। भारत में यह आंदोलन तेजी से फैल रहा है, जहां सदियों से महिलाओं के शरीर पर नियंत्रण की कोशिशें हुई हैं। अब समय आ गया है कि हम इस बदलाव को समझें और अपनाएं।

बॉडी पॉजिटिविटी का मूल अर्थ है हर प्रकार के शरीर को बिना शर्त स्वीकार करना – चाहे वह दुबला हो, स्थूल, गोरा, सांवला या कोई भी आकार-प्रकार। यह आंदोलन 1960 के दशक में अमेरिका में फैट एक्सेप्टेंस मूवमेंट से शुरू हुआ, और सोशल मीडिया ने इसे वैश्विक बनाया। भारत में लंबे समय तक बॉलीवुड और विज्ञापनों ने 'जीरो फिगर' को आदर्श बनाया, जिससे अनगिनत महिलाएं बॉडी इमेज इश्यूज और ईटिंग डिसॉर्डर की शिकार हुईं। लेकिन अब महिलाएं कह रही हैं कि उनका शरीर उनका निजी क्षेत्र है, कोई और तय नहीं करेगा कि वह कैसी दिखेंगी। सोशल मीडिया पर प्लस-साइज इन्फ्लुएंसर्स अपनी अनफिल्टर्ड तस्वीरें शेयर कर रही हैं, और लाखों महिलाएं इससे प्रेरित होकर खुद को प्यार करना सीख रही हैं। यह बदलाव सिर्फ दिखावे का नहीं, बल्कि गहरे मानसिक परिवर्तन का है। भारत में बॉडी पॉजिटिविटी को नई दिशा और मजबूती देने में सोशल मीडिया की भूमिका बेहद अहम रही है। अनेक महिलाएं अपने डिजिटल मंचों पर बिना झिझक अपनी निजी कहानियां साझा कर रही हैं। वे खुलकर बताती हैं कि बचपन में 'मोटी' या 'काली' जैसे शब्दों से मिले तानों ने उनके मन पर कितने गहरे घाव छोड़े, और उस पीड़ा से निकलकर आत्मविश्वास तक पहुंचना कितना कठिन रहा। इसी ईमानदारी ने लाखों महिलाओं को खुद को स्वीकार करने की हिम्मत दी है। फैशन इंडस्ट्री में भी यह बदलाव साफ दिखाई देता है, जहां अब रैंप पर विविध शरीर आकारों की मौजूदगी बढ़ी है। कपड़ों के बाजार में भी सोच बदली है और विस्तृत साइज विकल्प सामने आ रहे हैं। महिलाएं अब साफ शब्दों में कह रही हैं कि वे अपने शरीर के अनुसार कपड़े चाहती हैं, न कि कपड़ों के अनुसार खुद को बदलना। यही सोच उन्हें मानसिक स्वतंत्रता दे रही है, जहां बॉडी शेमिंग का डर धीरे धीरे कमजोर पड़ रहा है।'मेरा शरीर, मेरे नियम' का नारा केवल वजन या शरीर के आकार तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि यह महिलाओं के समग्र अधिकारों की मुखर अभिव्यक्ति बन चुका है। इसमें अपने कपड़े खुद चुनने की आज़ादी है, अपने शरीर से जुड़े निर्णय स्वयं लेने का साहस है और प्रजनन से जुड़े फैसलों पर अधिकार की स्पष्ट मांग भी शामिल है। भारतीय समाज में, जहां परिवार और रिश्तेदार अक्सर महिलाओं के शरीर पर टिप्पणी करने या उसे नियंत्रित करने का अधिकार अपने हाथ में समझ लेते हैं, यह नारा एक सशक्त प्रतिरोध की तरह उभरता है। महिलाएं अब ऑनलाइन आलोचनाओं और ट्रोलिंग को चुपचाप सहने के बजाय आत्मविश्वास से जवाब दे रही हैं। डिजिटल मंचों पर शरीर के प्राकृतिक पहलुओं को सामान्य बताने की कोशिशें तेज़ हुई हैं। मध्य आयु की महिलाएं भी इस सोच से जुड़ रही हैं, जो लंबे समय तक चुप्पी ओढ़े रहीं। इससे नई पीढ़ी तक यह संदेश पहुंच रहा है कि सुंदरता किसी एक ढांचे में नहीं, बल्कि विविधता में अपनी असली पहचान पाती है।

इस आंदोलन के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। कई बार बॉडी पॉजिटिविटी को व्यावसायिक ब्रांड केवल प्रचार का साधन बना लेते हैं, जहां असली सामाजिक बदलाव पीछे छूट जाता है। कुछ महिलाएं जब अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करती हैं, तो उन्हें ही यह कहकर निशाना बनाया जाता है कि वे आंदोलन की भावना के खिलाफ जा रही हैं। भारत में गोरेपन की क्रीमों, स्लिमिंग उत्पादों और डाइट उद्योग का प्रभाव आज भी गहरा और व्यापक है। इसके बावजूद सकारात्मक परिवर्तन इन बाधाओं से कहीं अधिक मजबूत बनकर उभरा है। स्कूलों और कॉलेजों में अब इस विषय पर खुली चर्चाएं होने लगी हैं। माताएं अपनी बेटियों को यह सिखा रही हैं कि हर शरीर अलग, अनोखा और सुंदर होता है। यह आंदोलन नारीवादी सोच का अहम हिस्सा बन चुका है, जहां महिलाएं अपने शरीर की वास्तविक स्वामिनी बन रही हैं। इसका असर उनके करियर, रिश्तों और पूरे जीवन पर सकारात्मक रूप से दिखाई दे रहा है। बॉडी पॉजिटिविटी को जीवन में अपनाने के लिए बड़े प्रयास नहीं, बल्कि छोटे और सच्चे कदम ही पर्याप्त होते हैं। हर सुबह आईने में खुद को देखकर प्रशंसा करना आत्मस्वीकृति की शुरुआत हो सकती है। सोशल मीडिया पर उन्हीं मंचों से जुड़ना जरूरी है जो सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। व्यायाम को सजा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और खुशी का माध्यम बनाना चाहिए। दोस्तों और परिवार के साथ शरीर को लेकर खुलकर बातचीत करना भी बेहद जरूरी है।

गटर का अमृत

डॉ. सुरेश कुमार

शहर की आबोहवा में 'नंबर वन' होने का ऐसा नशा था कि यहाँ के बाशिंदे हवा नहीं, अहंकार पीते थे। चारों तरफ चकाचौंध, दीवारों पर लच्छेदार पेंटिंग और स्वच्छता के ऐसे कसीदे कि साक्षात स्वर्ग भी शर्मिंदा हो जाए। पर इस स्वर्ग की नींव में क्या था? वह तो तब पता चला जब यमराज ने गटर के रास्ते शहर में एंट्री मारी। अचानक मोहल्लों में चीख-पुकार मच गई। लोग उल्टियाँ कर रहे थे, तड़प रहे थे, और उनके पेट में वही 'स्वच्छ' पानी हिलोरे मार रहा था जिसे सिस्टम ने फिल्टर के नाम पर परोसा था। भ्रष्टाचार जब चरम पर होता है, तो वह पाइपलाइन में घुसकर नल की टोंटी से बाहर निकलता है। लोग मर रहे थे, और प्रशासन फाइलों में यह ढूँढ रहा था कि मौत का 'स्वच्छता रैंकिंग' पर क्या असर पड़ेगा। हकीकत यह थी कि जिन हाथों ने सफाई का पुरस्कार लिया था, उन्हीं हाथों ने गटर और पीने के पानी की पाइपलाइन का 'निकाह' करा दिया था। यह कोई हादसा नहीं, एक सोची-समझी हत्या थी, जिसमें कातिल कोई इंसान नहीं, बल्कि वह व्यवस्था थी जो चमक-धमक के पीछे सड़न को छिपाए बैठी थी। जब मौत का तांडव बढ़ा, तो जनता ने अपने 'रहनुमा' की तरफ देखा। नेता जी आए, कुर्ता झटकते हुए, पान की पीक थूकते हुए। जब उनसे पूछा गया कि लोग मर रहे हैं, आप क्या कर रहे हैं? तो उन्होंने बड़े ही दार्शनिक अंदाज में कहा-घंटा! इस एक शब्द में पूरे तंत्र की संवेदनशीलता सिमटी हुई थी। यह 'घंटा' उस माँ की कोख पर तमाचा था जिसका जवान बेटा पीला पानी पीकर पीला पड़ गया और हमेशा के लिए सो गया। नेता जी का यह शब्द कोई मुहावरा नहीं, बल्कि वह नंगा सच था जो बताता है कि जब तक कुर्सी सलामत है, जनता की जान की कीमत किसी कबाड़ के घंटे से ज्यादा नहीं है। पास ही खड़ा एक बुजुर्ग मालवी लहजे में झल्लाकर बोला-अरे ओ साब, थारी राजनीति तो उण डोकरी जैसी हो गई जो पराया छोरा मरे तो रोवे भी नी अर आपणा रा राज रा गुण गावे। ये मानख मरी रिया छै अर थने 'घंटा' सूझी रियो? अरे डूब मरो रे चुल्लू भर गंदे पानी में! थारे शर्म नाम की चीज तो नी बची, बस 'नंबर वन' रो ढिंढोरो पीटता फिरो। यो घंटा नी बाजी रियो, यो तो थारी ओछी नीयत की गवाई दे रियो है। नेता के लिए मौत सिर्फ एक 'न्यूज साइकिल' थी, जिसे एक बेतुके बयान से मोड़ा जा सकता था। भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी थीं कि ज़मीन के नीचे बिछी पाइपलाइनें एक-दूसरे का गला घोंट रही थीं। कायदे से तो अमृत बहना चाहिए था, पर बह रहा था वह ज़हर जिसने घरों के चिराग बुझा दिए। शहर के अस्पतालों में जगह नहीं थी, पर श्मशान में 'नंबर वन' की कतार लगी थी।

सकट चौथ पर करें ये महा उपाय

सकट चौथ के दिन भगवान गणेश और चंद्र देव की पूजा की जाती है। इस दिन खास तौर पर जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति और संतान की लंबी उम्र के लिए व्रत किया जाता है। माघ मास की चतुर्थी तिथि को पड़ने वाले इस व्रत के दिन दिन कुछ खास उपाय करने से धन-दौलत में बढ़ोतरी होती है और समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

हिंदू धर्म में सकट चौथ को बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है। यह व्रत रिद्धि और सिद्धि के दाता भगवान गणेश को समर्पित होता है। माघ मास में पड़ने से इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इस व्रत को संकटों से मुक्ति, आर्थिक स्थिरता और संतान की लंबी उम्र के लिए किया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ मास की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 6 जनवरी 2026, को सुबह 8 बजकर 2 मिनट से अगले दिन 7 जनवरी 2025 को सुबह 6 बजकर 53 मिनट तक रहेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सकट चौथ पर विधि-विधान से पूजा करने और कुछ विशेष उपाय अपनाने से गणेश जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

सकट चौथ पर भूलकर भी न करें ये काम

सकट चौथ के दिन काले रंग के कपड़े पहनने से बचना चाहिए। हिंदू धर्म में किसी भी व्रत या शुभ अवसर पर काले रंग को वर्जित माना गया है।

सकट चौथ पर चंद्र देव को अर्घ्य देने की परंपरा है। इस दौरान जल में चावल और दूध मिलाकर अर्घ्य देना शुभ माना जाता है। लेकिन ध्यान रखें कि अर्घ्य का जल आपके पैरों पर न गिरे। इसे अशुभ माना जाता है।

इसके अलावा सकट चौथ की पूजा में तुलसी के पत्तों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश को दूर्वा घास अर्पित करना चाहिए।

सकट चौथ पर करें ये महा उपाय उपाय

सकट चौथ के दिन भगवान गणेश के सामने दो सुपारी और दो इलायची रखकर विधि-विधान से पूजा करें। मान्यता है कि इस उपाय से गणेश जी की कृपा प्राप्त होती है और रुके हुए कार्य पूरे होते हैं।

सकट चौथ की पूजा करते समय लाल रंग का कपड़ा बिछाकर उस पर श्रीयंत्र स्थापित कर लें। इसके बाद उसके बीच में एक सुपारी रख दें। पूजा के बाद श्रीयंत्र और सुपारी को अपनी तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

चंद्रमा को अर्घ्य देते समय जल में लाल चंदन, पुष्प, कुश और अक्षत मिलाएं। इस उपाय को करने से घर-परिवार में सुख-शांति आती है।

बाबा वांगा की साल 2026 में सोने-चांदी की कीमतों को लेकर भविष्यवाणी

साल 2025 की तरह सोना-चांदी साल 2026 में फिर से एक बार सुर्खियों में है। हाल ही में, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 10 ग्राम सोने की कीमत 1 लाख रुपये (लगभग 1000 डॉलर) तक पहुंच गई है। लोग सोच रहे हैं कि क्या यह आसमान छूती कीमतों की शुरुआत मात्र है और अब वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले के बाद क्या सोना-चांदी की कीमतों में वृद्धि होगी। आज दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमतें 1,35,970 रुपये प्रति 10 ग्राम है, वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 2,41,00 रुपये है। विश्व एक बड़े वैश्विक वित्तीय संकट की ओर बढ़ रहा है, जिससे सोने की कीमत में और वृद्धि होगी। बाबा वेंगा ने साल 2026 में सोना चांदी की कीमतों को लेकर भी भविष्यवाणी की है। बाबा वेंगा ने बताया है कि साल 2026 बदलावों का साल होने वाला है तो इस साल ऐसा क्या अजीब होने वाला है। आइए जानते हैं साल 2026 में सोने चांदी की कीमतों को लेकर बाबा वेंगा ने क्या आश्चर्यजनक भविष्यवाणियां की हैं।

साल 2026 में सोने की कीमतें कितनी बढ़ सकती हैं?

बाबा वांगा का अनुमान है कि साल 2026 में दुनिया को एक बड़े वित्तीय संकट का सामना करना पड़ सकता है। दुनिया नकदी की कमी, बैंकिंग या मौद्रिक संकट की ओर बढ़ सकती है। इतिहास गवाह है कि ऐसे समय में सोने का प्रदर्शन आमतौर पर अच्छा रहता है। वैश्विक संकटों के दौरान सोने की कीमतों में अतीत में 20% से 50% तक की वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर साल 2026 में कोई वास्तविक बड़ा संकट आता है, तो सोने की कीमतों में 25% से 40% तक की वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप, भारत में 10 ग्राम सोने की कीमत दिवाली 2026 (अक्टूबर-नवंबर) तक 1,62,500 रुपये से 1,82,000 रुपये के बीच पहुंचने की उम्मीद है, यह एक नया रिकॉर्ड हो सकता है।

सोने की कीमत क्यों बढ़ रही है?

विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका, बढ़ती मुद्रास्फीति, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और आर्थिक मंदी की संभावना ने सोने की मांग को बढ़ावा दिया है। निवेशक भविष्य में शेयर और मुद्रा बाजारों में बड़े झटके से भयभीत हैं। इस स्थिति में सोना एक सुरक्षित विकल्प के रूप में उभर रहा है। यही कारण है कि सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों के बावजूद, उपभोक्ता इसे लाभदायक निवेश मान रहे हैं और भारी संख्या में इसे खरीद रहे हैं।

निवेशकों और उपभोक्ताओं के लिए इसका क्या अर्थ है?

सोना निवेशकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच है। हालांकि, आम जनता के लिए, उच्च कीमतें शादियों, त्योहारों और आभूषणों की खरीदारी को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश केवल अनुमानों पर ही नहीं बल्कि मुद्रास्फीति, ब्याज दरों और वैश्विक परिस्थितियों पर भी आधारित होना चाहिए।

हमारी जीवन शैली अप्राकृतिक होती जा रही है, जिससे प्रकृति को नुकसान हो रहा है

हमारी वजह से प्रकृति और पर्यावरण अशुद्ध हो गया है। बढ़ता प्रदूषण इसका प्रमुख उदाहरण है। इसका कारण हमारी वह जीवन शैली है जो अप्राकृतिक और निसर्ग से दूर होती जा रही है। हम सुविधाओं के लिए प्रकृति को निरंतर नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे प्रकृति में सभी जरूरी चीजों का संतुलन बिगड़ रहा है। यदि हमें सच्चा सुख, मानसिक शांति, ऐश्वर्य और समृद्धि चाहिए, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनना होगा। पर्यावरण प्रेमी जीवन शैली अपनाकर ही जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति हो सकती है।

पूजा के घर में कबूतरों ने दिए अंडे, सौभाग्य या अनहोनी का इशारा?

कबूतर का घर में आना ना पूरी तरह शुभ है, ना पूरी तरह अशुभ। पक्षी संकेत देते हैं, फैसला हमारी ऊर्जा तय करती है। इसलिए वहम में न पड़ें। घर को पॉजिटिव बनाएं, माहौल शांत रखें और समझदारी के साथ प्रकृति के संकेत पहचानें। यही असली राह है।

ईमानदारी से कहें तो कबूतर जैसे जीव हमारे डर या हमारी किस्मत को कंट्रोल नहीं करते, लेकिन हां, जहां यह घोंसला बनाते हैं, वहां की ऊर्जा जरूर बदल सकती है। यही वजह है कि कुछ मामलों में लोगों को नेगेटिव असर महसूस होता है और कुछ जगहों पर पॉजिटिव। इस कहानी के जरिए हम समझेंगे कि कबूतर का घर में आना सिर्फ पक्षी की मौजूदगी नहीं, बल्कि आपके घर की ऊर्जा का आईना भी हो सकता है। तो आइए बिना किसी वहम में पड़े, इस पूरे मामले को एक कथा और समझदारी के साथ जानें।

कबूतर का घर में आनाः कृष्ण और गरुड़ की सीख पुरानी कथाओं में बताया गया है कि द्वारका में एक दिन गरुड़ जी श्री कृष्ण के पास एक सवाल लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी लोक में कई घरों में कबूतर अंडे देते हैं और लोग उससे अलग-अलग मतलब निकाल लेते हैं। किसी को लगता है कि इससे बरकत आएगी, तो किसी को डर लगता है कि इससे घर की किस्मत खराब हो जाएगी। असल बात क्या है? श्री कृष्ण ने गरुड़ जी को समझाया कि पक्षी शुभ या अशुभ नहीं होते। असली खेल ऊर्जा का होता है। जहां घर की ऊर्जा मजबूत होती है, वहां कबूतर के आने से शांति महसूस होती है। पर जहां पहले से ही टेंशन भरा माहौल, झगड़े, बीमारियां, या पैसों की दिक्कत चल रही हो, वहां उनका अंडा देना भी ऊर्जा को और भारी कर सकता है। यानी पक्षी नहीं, बल्कि घर की वाइब असर दिखाती है।

किसान विष्णुदत्त की कहानीः संकेत को समझिए, डरिए मत उत्तर भारत के एक गांव में विष्णुदत्त नाम का गरीब लेकिन नेकदिल किसान रहता था। उसकी छत पर कबूतर आए, घोंसला बनाया और अंडे दिए। पहले तो गांव वाले बोले कि अब बरकत होगी। पर धीरे-धीरे घर की हालत बिगड़ने लगी। खेत सूख गए, बीमारी बढ़ गई और आख़िर में किसान की तबीयत इतनी बिगड़ी कि वह चल बसा। लोग कहने लगे कि कबूतर अशुभ हैं। लेकिन श्री कृष्ण स्पष्ट करते हैं -"कबूतर अशुभ नहीं थे, घर की ऊर्जा पहले से ही कमजोर थी। कबूतर सिर्फ संकेत थे, कारण नहीं।"

यानी अगर घर में पहले ही नेगेटिविटी, झगड़ा, तनाव और अनबन चल रही है, तो कबूतर जैसे जीव उस ऊर्जा को महसूस करके उसका हिस्सा बन सकते हैं। पर जहां शांति, भक्ति और सद्भाव हो, वहां उनका आना बिल्कुल सामान्य और कभी-कभी शुभ भी माना जाता है।

अगर घर में कबूतर आते हैं तो क्या करें? -घर हमेशा साफ रखें -सुबह-शाम दीपक जलाएं -नमक के पानी से पोंछा लगाएं -अगर अंडे दे दिए हों तो डरें नहीं, बस प्यार से अलग जगह करने की कोशिश करें -कोई नुकसान ना पहुंचाएं -मंदिर जैसी पवित्र जगह की तरफ रुख करें।

सफलता पाने से पहले स्वयं को इस योग्य बनाएं कि अवसर आपके हाथ से न निकले

जो व्यक्ति अपने मन को साध लेता है, वही जीवन और लक्ष्य, दोनों को साध कर सफलता हासिल करता है। सफलता तभी सार्थक है जब साधक उसके योग्य हो। जब व्यक्ति एक चूहे को नहीं सम्भाल पाया, तो सफलता को कैसे सम्भाल पाएगा, कथानक के माध्यम से जानें सफलता का सूत्र।

तीर्थराज प्रयागराज में माघ मेले के दौरान एक सुविख्यात संत के पास दीक्षा लेने एवं जीवन में सफलता और सिद्धि हासिल करने के उद्देश्य को लेकर एक युवक पहुंचा। कई दिनों के इंतजार के बाद संत ने उसके हाथ में एक संदूक देकर कहा कि इसे उनके एक शिष्य को देकर आओ, संत ने निर्देश दिया कि संदूक को खोलना मत। संदूक लेकर कुछ दूर चलने के बाद युवक अपने कौतूहल को रोक नहीं सका, उसने आज्ञा का उल्लंघन कर संदूक को खोलकर देखा। संदूक खोलते ही उसमें से एक चूहा कूदकर भाग निकला। सफलता का नुस्खा प्राप्त करने एवं शिष्यत्व की आकांक्षा रखने वाले युवक ने चुपचाप संदूक बंद किया और वह उसे लेकर संत के बताए शिष्य के पास पहुंच गया, शिष्य भी एक अध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ा हुआ साधक था। उसने संदूक देखते ही स्थिति समझ ली और कहा कि तुम स्वयं पर संयम नहीं रख सके।

गुरु के आदेश का पालन नहीं किया, मना करने के बावजूद तुमने संदूक खोलकर देखा। जब असंयम के वशीभूत तुम एक चूहे को नहीं संभाल सके तो सफलता के सूत्र और धर्म के महान तत्व को कैसे संभाल सकोगे। उन्होंने उसे उपदेश किया कि पहले अपने अन्दर योग्यता एवं संयम की साधना करो, उसके बाद तुम्हें सफलता मिलेगी। जब व्यक्ति संयम की शक्ति जैसे दिव्य गुणों को संग्रहित कर लेता है तो उसके अन्दर एकाग्रता, योग्यता आदि का समावेश होता है, जिससे वह चाहें अध्यात्मिक क्षेत्र हो अथवा सांसारिक क्षेत्र, दोनों जगह सफलता हासिल करता है।

क्या पूजा की पुरानी सामग्री फिर से कर सकते हैं इस्तेमाल?

पूजा की किन चीजों का हो सकता है दोबारा इस्तेमाल

चांदी, पीतल और तांबे के पूजा बर्तन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा में इस्तेमाल होने वाले चांदी, पीतल और तांबे के बर्तन दोबारा प्रयोग किए जा सकते हैं। लोटा, थाली, कटोरी, दीपक या कलश अगर रोज पूजा में इस्तेमाल होते हैं तो उन्हें अच्छे से साफ कर के फिर से रखा जा सकता है। अगली पूजा में इनका उपयोग पूरी तरह सही माना जाता है।

इसी तरह भगवान की मूर्ति, घंटी, शंख, माला और आसन का भी बार-बार उपयोग किया जा सकता है। रोज पूजा के बाद इन्हें साफ करके पूजा स्थान पर ही रखें।

भगवान के वस्त्र

भगवान को पहनाए गए वस्त्र भी दोबारा इस्तेमाल किए जा सकते हैं। पूजा के बाद अगर वस्त्र गंदे हो गए हों तो उन्हें धोकर, सुखाकर दोबारा भगवान को अर्पित किया जा सकता है। बस ध्यान रखें कि वस्त्र साफ हों और श्रद्धा के साथ उपयोग किए जाएं।

3। तुलसी का दोबारा उपयोग

तुलसी को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना गया है। तुलसी माता की पूजा की जाती है और खासकर विष्णु जी की पूजा तुलसी के बिना अधूरी मानी जाती है। मान्यताओं के अनुसार, तुलसी कभी अपवित्र नहीं होती, अगर नई तुलसी उपलब्ध न हो, तो पहले चढ़ाई गई तुलसी को साफ पानी से धोकर दोबारा उपयोग किया जा सकता है।

बेलपत्र का दोबारा इस्तेमाल

भगवान शिव को बेलपत्र बहुत प्रिय है। शिवपुराण में बताया गया है कि बेलपत्र छह महीने तक बासी नहीं होता। शिवलिंग पर चढ़ाए गए बेलपत्र को दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है, बस यह ध्यान रखें कि बेलपत्र टूटा न हो और उसमें तीन पत्ते सही हालत में हों।

पूजा की इन चीजों का भूलकर भी न करें दोबारा इस्तेमाल

1।पूजा में चढ़ाया गया प्रसाद, जल और फूल

भगवान को अर्पित किया गया प्रसाद, जल, फूल और मालाएं दोबारा पूजा में इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। एक बार ये चीजें भगवान को समर्पित हो जाती हैं, उसके बाद इन्हें पूजा सामग्री की तरह उपयोग करना सही नहीं माना जाता। प्रसाद को श्रद्धा के साथ ग्रहण किया जा सकता है या फूलों को पौधों में डाल देना बेहतर होता है।

चंदन, कुमकुम और धूप

पूजा में भगवान को लगाया गया चंदन, कुमकुम और जली हुई धूप का दोबारा इस्तेमाल पूजा में नहीं करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, एक बार पूजा में प्रयोग होने के बाद इनकी पवित्रता पूजा के लिहाज से खत्म हो जाती है।

दीपक में बचा तेल या घी और नारियल

पूजा के दौरान जलाए गए दीपक में बचा हुआ तेल या घी दोबारा पूजा में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसी तरह पूजा में चढ़ाया गया नारियल भी दोबारा किसी दूसरी पूजा में उपयोग नहीं करना चाहिए। इसे प्रसाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर आप रोज या खास मौकों पर पूजा करती हैं, तो इन बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सही सामग्री का सही तरीके से उपयोग करने से पूजा में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और मन को भी शांति मिलती है।

नाखूनों पर मौजूद ये निशान जीवन में दिलाते हैं धन और सम्मान

नाखूनों पर काले धब्बे

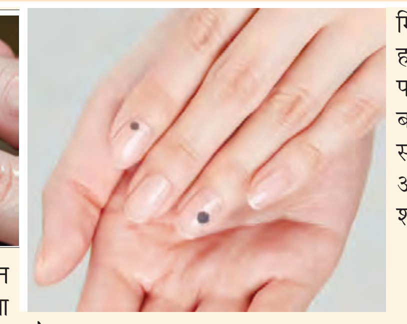

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, नाखूनों पर अगर काले रंग के धब्बे मौजूद हों तो ऐसे में जातक को सतर्क हो जाना चाहिए। क्योंकि इसे जीवन में दुख आने का संकेत भी माना जाता है। नाखूनों पर मौजूद धब्बे समय-समय पर दिखाई देते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक काले धब्बे नजर आएं तो स्वास्थ्य पर का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि यह धब्बे किसी रोग के होने का संकेत भी हो सकते हैं।

हर नाखून पर काले निशान का क्या है अर्थ

अगर अंगूठे पर काला निशान हो तो इसे आने वाले समय में कोई बड़ा संकट आने का संकेत माना जाता है। वहीं, तर्जनी उंगली पर काला धब्बा हो तो यह आर्थिक हानि का संकेत हो सकता है। मध्यमा उंगली के नाखून पर काले धब्बे का अर्थ परिवार से जुड़ी कोई विपरीत खबर मिलने का संकेत माना गया है। अनामिका उंगली पर काला धब्बा हो तो समाज में सम्मान कम होने की आशंका रहती है। कनिष्ठा उंगली के नाखून पर काला निशान सफलता में बाधा का संकेत हो सकता है।

नाखूनों पर सफेद धब्बे

हर उंगली के नाखून पर मौजूद सफेद धब्बे का अर्थ अलग-अलग होता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर सफेद धब्बा अंगूठे पर हो तो ऐसे लोग बातचीत करने में अच्छे होते हैं और इसे प्रेम का सूचक भी माना गया है। तर्जनी उंगली पर सफेद निशान आमदनी में वृद्धि का संकेत होता है। मध्यमा उंगली पर हो तो यात्रा का योग बनता है। अनामिका उंगली पर सफेद निशान मान-सम्मान बढ़ने, धन और यश का संकेत है। कनिष्ठा उंगली पर सफेद धब्बा व्यापार में उन्नति मिलने का संकेत माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, नाखूनों पर मौजूद निशान स्वास्थ्य के बारे में भी बताते हैं। अगर अचानक नाखून पर सफेद धब्बे नजर आने लगे तो इसका अर्थ हो सकता है कि आपको कोई शारीरिक समस्या परेशान कर सकती है।

नाखूनों की जड़ों में आधे चांद का निशान

अगर किसी व्यक्ति के नाखूनों की जड़ों में आधे चांद का निशान हो तो इसे अच्छा माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अर्धचंद्र का निशान प्रगति का सूचक होते हैं।

ऐसा चिन्ह होने का अर्थ है कि आपको जीवन में उन्नति प्राप्त हो सकती है। नौकरी में भी कोई बड़ी सफलता मिल सकती है। नाखूनों पर मौजूद आधे चांद का निशान अच्छे भाग्य को दर्शाता है। लेकिन अगर नाखूनों पर आधे चांद का निशान अत्यधिक बड़ा हो यानी जो आधे नाखून को घेर रहा हो तो इसे शुभ संकेत नहीं माना जाता है। ऐसे में जातक को जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

जन्मदिन पर दीपिका पादुकोण ने शुरू की एक नई पहल नए टैलेंट को देंगी पहचान; युवाओं को मिलेगा बड़ा मौका

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपना 40वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर सेलेब्स से लेकर फैंस तक उन्हें बधाई दे रहे हैं। अब दीपिका ने भी जन्मदिन के मौके पर अपने फैंस को एक रिटर्न गिफ्ट दिया है। उन्होंने नई क्रिएटिव जेनरेशन को आगे बढ़ाने के लिए एक नया प्रोग्राम लॉन्च किया है।

टैलेंट को सपोर्ट करेंगी दीपिका

दीपिका पादुकोण ने अपने जन्मदिन पर नए और युवा क्रिएटिव टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए एक पहल शुरू की है। सच्ची कहानियों और नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की सोच के साथ दीपिका ने 'द ऑनसेट प्रोग्राम' की शुरुआत की घोषणा की है। यह उनके क्रिएट विद मी प्लेटफॉर्म का अगला कदम है। इसका मकसद ऐसे नए क्रिएटिव आर्टिस्ट्स को मौका देना है, जो इंडियन फिल्म, टीवी और विज्ञापन की दुनिया में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उनके टैलेंट सही मायनों में सामने आ सके इसलिए यह प्लेटफॉर्म बनाया गया है। इसके पहले राउंड में लिखना, निर्देशन, कैमरा, लाइट, एडिटिंग, साउंड, आर्ट, कपड़ों की डिज़ाइन, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप और प्रोडक्शन जैसे काम शामिल होंगे।

दीपिका ने जताई खुशी

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए दीपिका ने कहा, 'पिछले एक साल से मैं देश और उसके बाहर से बेहतरीन क्रिएटिव टैलेंट को पहचानने और उन्हें देखने, सुनने का मंच देने के लिए गंभीरता से सोच रही हूं। द ऑनसेट प्रोग्राम के लॉन्च का एलान करते हुए मैं बेहद खुश हूं और अगली पीढ़ी के क्रिएटिव टैलेंट से आप सभी को मिलवाने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।' द ऑनसेट प्रोग्राम onsetprogram.in पर देखा जा सकता है। यहां लोग अपना काम भेज सकते हैं और इंडस्ट्री के बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका पा सकते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। यह दीवाली 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब दीपिका शाहरुख खान के साथ 'किंग' और अल्लू अर्जुन के साथ एटली द्वारा बनाई जा रही एक बड़ी फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, अभी तक इसका टाइटल सामने नहीं आया है।

दो बॉलीवुड स्टार और एक फेमस क्रिकेटर के साथ भयंकर फर्जीवाड़ा, एक चुटकी में उड़ाए करोड़ों

बॉलीवुड और क्रिकेट जगत का नाम इस्तेमाल कर किए गए एक बड़े फर्जीवाड़े ने सबको चौंका दिया है। जालसाजों ने भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल, उनकी पत्नी व अभिनेत्री अथिया शेट्टी और एक्टर अरशद वारसी के नाम पर न सिर्फ झूठे दस्तावेज तैयार किए, बल्कि देखते ही देखते कंपनी से करोड़ों रुपये हड़प भी लिए। मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग कर रचा गया यह षड्यंत्र अब एक हाई-प्रोफाइल ठगी मामले में बदल चुका है। चलिए जानते हैं पूरा मामला?

ऐसे किए करोड़ों गबन

ताजा जानकारी के मुताबिक, मुंबई की एक एडवर्टाइजमेंट कंपनी में इन स्टार्स के नाम पर 1.41 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने अथिया शेट्टी और केएल राहुल के नकली इनवॉइस, साथ ही अरशद वारसी के नाम से फर्जी ईमेल आईडी बनाकर कंपनी के भीतर एक फर्जी प्रोजेक्ट तैयार किया और उससे भारी भरकम रकम हड़प ली।

जांच में जिन तीन कर्मचारियों के नाम सामने आए हैं, इनमें ऋषभ सुरेखा, यश नागरकोटी और आशय शास्त्री। इन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

शिकायत कंपनी की कर्मचारी जेनी एंथोनी ने दर्ज कराई है। अधिकारी वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रहे हैं। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन मामला तेजी से चर्चा में है क्योंकि इसमें मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग किया गया है।

कंपनी का पैसा सीधे अपने अकाउंट में

फर्जीवाड़े की परतें तब खुलनी शुरू हुईं जब सामने आया कि 52 लाख रुपये से अधिक की रकम सीधे आरोपी ऋषभ सुरेखा के निजी बैंक खाते में भेजी गई थी। यही सबसे बड़ा सबूत था जिसने पूरे घोटाले को उजागर कर दिया।

एफआईआर में बताया गया है कि अगस्त 2024 में सुरेखा ने, आशय शास्त्री की मदद से, कंपनी को बताया कि वह एक्ट्रेस दिया मिर्जा को लेकर हैवेल्स का एक बड़ा विज्ञापन प्रोजेक्ट लेकर आया है। उसने दावा किया कि प्रोडक्शन हाउस को 31 लाख रुपये देने हैं। लेकिन बाद में पता चला कि प्रोडक्शन हाउस के प्रमुख को तो 62 लाख रुपये की डील बताई गई थी। पैसों की इस भारी विसंगति ने कंपनी को शक में डाल दिया और जांच शुरू होते ही फर्जी प्रोजेक्ट्स की लंबी लिस्ट सामने आने लगी।

कुछ चीजों के लिए ना कहना जरूरी मना करने की अहमियत पर दिया जोर

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान 'ना' कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। चित्रांगदा सिंह ने कहा, अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए 'ना' कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्मों या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है।

ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।

किसी भी अभिनेता के स्टारडम में पूरी टीम की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, आखिरकार फिल्म सिर्फ एक अभिनेता से नहीं बनती, बल्कि निर्देशक, लेखक, एडिटर और पूरी क्रिएटिव टीम मिलकर उसे आकार देती है। निर्देशक का नजरिया, किरदार को देखने और दिखाने का तरीका, और एडिटिंग टेबल पर लिया गया फैसला, ये सभी चीजें किसी अभिनेता के प्रदर्शन को निखारने में मदद करती हैं।

अच्छे फिल्मकारों के साथ काम करने से अभिनेता खुद-ब-खुद बेहतर बनता जाता है। जब निर्देशक की सोच मजबूत होती है और कहानी को ईमानदारी से पेश किया जाता है, तो कलाकार को भी अपने किरदार में गहराई दिखाने का मौका मिलता है। इसी कारण मेरे लिए सिर्फ स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि फिल्म की गुणवत्ता और टीम की सोच ज्यादा मायने रखती है।

जावेद अख्तर की बेटी जोया अख्तर 'नेपोटिज्म' को लेकर कह दी ये बात

फिल्ममेकर जोया अख्तर ने अपने करियर की शुरुआत एक असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। साल 2009 में उन्होंने अपनी पहली फीचर फिल्म 'लक बाय चांस' का निर्देशन किया। इसके बाद जोया ने कई ऐसी फिल्में डायरेक्ट कीं, जिन्हें न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिली, बल्कि उनकी स्टोरीलाइन और फिल्मांकन के लिए भी खूब सराहा गया।

इंडस्ट्री एक इकोसिस्टम है

'द स्वैडल' के एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जोया अख्तर ने फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहा कि इंडस्ट्री असल में एक बहुत बड़ा इकोसिस्टम है। जहां कोई भी आ सकता है, अपनी राह चुन सकता है और फिल्म भी बना सकता है। जोया के अनुसार इंडस्ट्री को कुछ गिने-चुने बड़े प्रोडक्शन बैनर्स तक सीमित करके देखा जाता है, जबकि हकीकत में इंडस्ट्री इससे कहीं ज्यादा बड़ी है।

नेपोटिज्म पर जोया ने कहा

नेपोटिज्म की चर्चा को एक नया मोड़ देते हुए जोया अख्तर ने कहा कि वास्तव में कई बार लोगों की शिकायत इंडस्ट्री से बाहर होने को लेकर नहीं होती, बल्कि इस बात को लेकर होती है कि उन्हें किसी बड़े प्रोडक्शन हाउस, जैसे धर्मा प्रोडक्शंस, में काम नहीं मिल रहा। जोया ने कहा, "आप एक्टिंग करना चाहते हैं? आप कर सकते हैं और अगर आप एक्टिंग कर रहे हैं, तो आप इंडस्ट्री में ही हैं।" जोया के मुताबिक, सफलता को सिर्फ कुछ चुनिंदा बड़े प्रोडक्शन हाउस के करीब होने से जोड़कर देखना सही नहीं है।

कब शुरू हुई की नेपोटिज्म बहस?

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म की बहस लगभग दस साल पहले तब सुर्खियों में आ आयी, जब अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक शो के दौरान करण जौहर को 'मूवी माफिया' और 'नेपोटिज्म का फ्लैग-बियरर' कहा था। इसके बाद से ही नेपोटिज्म, इनसाइडर और आउटसाइडर जैसे शब्द आम चर्चा का हिस्सा बन गए। जब भी किसी स्टार किड से जुड़े हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट सामने आते हैं, यह बहस फिर से तेज हो जाती है। जोया अख्तर ने साल 2023 में 'द आर्चीज' और 'खो गए हम कहां' का निर्देशन किया था। 'द आर्चीज' के जरिए अगस्त्य नंदा, सुहाना खान और खुशी कपूर जैसे स्टार किड्स ने अपना डेब्यू किया था।

फिल्म मेकर विक्रम भट्ट को हाईकोर्ट से झटका, धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर रद्द करने से इनकार

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने धोखाधड़ी और करोड़ों रुपए की कथित हेराफेरी से जुड़े मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया। 18 पन्नों के आदेश में कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला केवल अनुबंध के उल्लंघन का नहीं, बल्कि विश्वासघात और आर्थिक अनियमितताओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है।

यह मामला उदयपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. अजय मुर्डिया की शिकायत से जुड़ा है। डॉ. मुर्डिया ने एंटरटेनमेंट कंपनी की शुरुआत की थी। इसी दौरान उदयपुर निवासी एक दलाल ने बॉलीवुड में अपनी पहुंच का हवाला देते हुए उन्हें फिल्म निर्माण के लिए प्रेरित किया। आरोप है कि विक्रम भट्ट और उनके सहयोगियों ने चार फिल्में बनाने के नाम पर डॉ. मुर्डिया से करीब 44.29 करोड़ रुपए लिए और लगभग 200 करोड़ रुपए की कमाई का भरोसा दिलाया।

अतिरिक्त पैसों की मांग

शिकायत के अनुसार, फिल्म निर्माण में विक्रम भट्ट ने अपनी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट समेत अन्य लोगों को शामिल किया। तय रकम लेने के बावजूद बार-बार अतिरिक्त पैसों की मांग की गई। आरोप है कि दो फिल्मों का निर्माण किया गया, एक फिल्म की शूटिंग अधूरी छोड़ दी गई, जबकि चौथी फिल्म की शूटिंग शुरू ही नहीं हुई।

जब आगे भुगतान से इनकार किया गया तो फिल्म निर्माण से जुड़ी सामग्री जब्त कर उसे बेचने की धमकियां दी गईं।मामले पर संदेह होने पर डॉ. मुर्डिया ने आंतरिक जांच करवाई, जिसमें सामने आया कि वेंडर्स को अधिक भुगतान दिखाकर करीब 30 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। इसके बाद उन्होंने उदयपुर पुलिस में मामला दर्ज कराया।

मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा करके जिया शंकर ने किया पब्लिसिटी स्टंट?

टीवी और ओटीटी की दुनिया में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री जिया शंकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी को लेकर उठी चर्चाएं हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर जिया की एक तस्वीर सामने आई, जिसमें वह एक मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं। बस फिर क्या था- फैंस और गॉसिप गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया। इसके बाद ये भी अटकलें लगीं कि जिया ने जानबूझकर पब्लिसिटी के लिए मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा की है।

जिया और अभिषेक को लेकर उड़ी थीं अफवाहें

दरअसल, यह चर्चा ऐसे समय पर शुरू हुई जब जिया शंकर और 'बिग बॉस ओटीटी 2' के चर्चित कंटेस्टेंट अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान को लेकर पहले से ही रिलेशनशिप और सगाई की अफवाहें उड़ रही थीं। दोनों ने रियलिटी शो में साथ हिस्सा लिया था और एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आए थे, जिसके बाद उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, जिया और अभिषेक दोनों ही पहले इन खबरों को खारिज कर चुके हैं और खुद को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है।

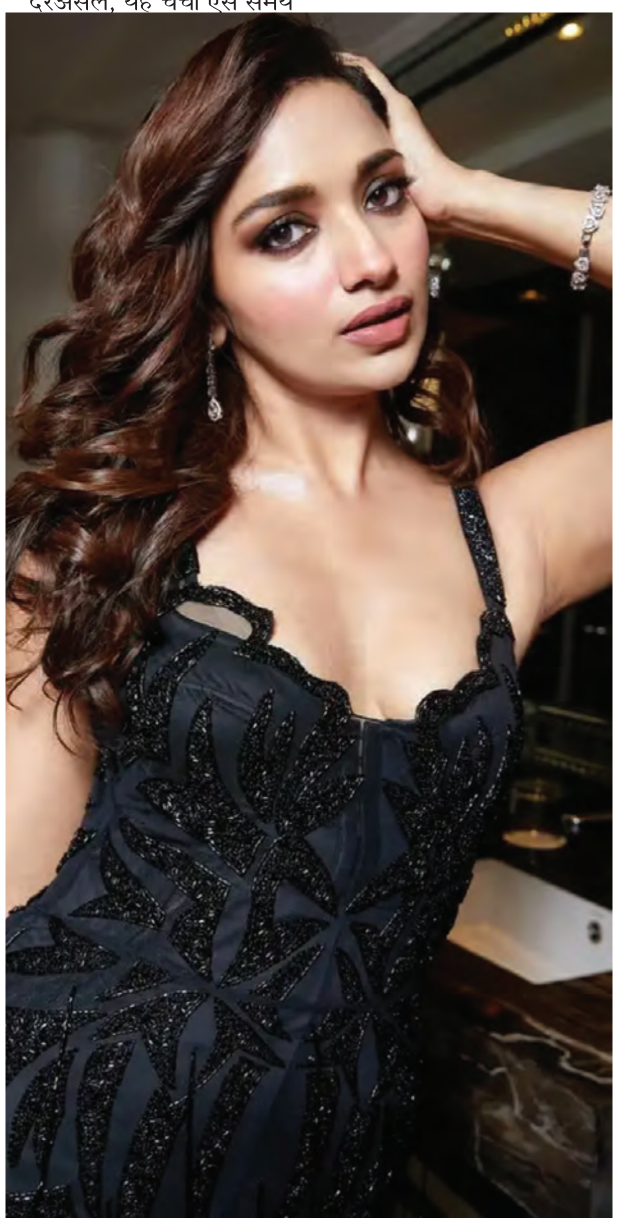

अफवाहों ने फिर से जोर पकड़ा

मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर सामने आने के बाद अफवाहों ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया। इसी के चलते अब जिया शंकर की टीम को सामने आकर स्थिति साफ करनी पड़ी। अभिनेत्री की टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा कि जिया किसी भी तरह के पब्लिसिटी स्टंट या बनावटी कहानियों का हिस्सा नहीं बनतीं।

पब्लिसिटी रूमर्स पर आया टीम का रिएक्शन

टीम के मुताबिक, जिया शंकर एक ऐसी कलाकार हैं, जिनका काम खुद उनकी पहचान है। उन्हें सुर्खियों में बने रहने के लिए विवादों या निजी जिंदगी के तमाशे की जरूरत नहीं है। बयान में यह भी कहा गया कि तस्वीर साझा करने का मकसद अफवाहों को खत्म करना और ट्रोलिंग को रोकना था, न कि नई बहस को जन्म देना।

जिया की टीम ने किया साफ

जिया शंकर को लेकर उनकी टीम ने ये भी साफ किया कि अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर सीमाएं तय करती हैं और वही साझा करती हैं जो उनके मूल्यों के अनुरूप हो।

वह अपने काम, आत्मविकास और स्वतंत्र सोच पर फोकस करती हैं। टीम ने फैंस और मीडिया से अपील की कि बातचीत को सम्मानजनक और सकारात्मक रखा जाए और जिया के प्रोफेशनल काम पर ध्यान दिया जाए, न कि उनकी निजी जिंदगी पर बेवजह अटकलें लगाई जाएं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर : डायना पेंटी

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है।

डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है।

तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है।

उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है।

डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

कब गंभीर हो जाता है डायरिया?

इंदौर में दूषित पानी के सेवन से डायरिया के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्तमान में 100 से अधिक मरीज अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, जिनमें से कई की स्थिति गंभीर बनी हुई है। डायरिया जिसे सामान्य भाषा में 'दस्त' कहा जाता है, अक्सर लोग इसे मामूली मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन दूषित जल से होने वाला यह संक्रमण शरीर को अंदर से खोखला कर सकता है।

जब शरीर से पानी और आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे सोडियम और पोटेशियम) तेजी से बाहर निकलने लगते हैं, तो डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा होती है। अगर समय रहते उपचार न मिले, तो यह स्थिति गुर्दे फेल होने या 'हाइपोवोलेमिक शॉक' का कारण बन सकती है, जहां हृदय शरीर को पर्याप्त रक्त पंप करने में असमर्थ हो जाता है।

विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों में यह संक्रमण बहुत तेजी से गंभीर रूप ले लेता है। ऐसे में यह समझना अनिवार्य है कि डायरिया कब एक मेडिकल इमरजेंसी बन जाता है और घर पर किन सावधानियों को बरतकर स्थिति को बिगड़ने से रोका जा सकता है।

कब समझें कि स्थिति गंभीर है?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक डायरिया तब गंभीर माना जाता है जब मरीज को दिन में 8 से अधिक बार पतले दस्त हों या मल के साथ खून आने लगे। अगर मरीज को तेज बुखार, लगातार उल्टी, पेट में असहनीय मरोड़, या पेशाब का आना बंद हो जाए, तो यह गंभीर डिहाइड्रेशन के संकेत हैं। ऐसे लक्षणों में घर पर उपचार के बजाय तुरंत अस्पताल पहुंचकर 'IV फ्लुइड्स' (ड्रिप) चढ़वाना बहुत जरूरी होता है।

ओआरएस और हाइड्रेशन का सही तरीका

दस्त शुरू होते ही शरीर में पानी की कमी को रोकना प्राथमिकता होनी चाहिए। मरीज को हर दस्त के बाद ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट का घोल देना चाहिए। ओआरएस न केवल पानी, बल्कि शरीर के जरूरी नमक के संतुलन को भी बनाए रखता है।

अगर ओआरएस उपलब्ध न हो, तो घर पर चीनी-नमक का घोल या नारियल पानी का सेवन कराएं। सादा पानी पर्याप्त नहीं होता क्योंकि वह शरीर के इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई नहीं कर पाता।

खान-पान में बरतें ये सावधानियां

इंदौर की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, सबसे पहली सावधानी है कि पानी उबालकर पीएं। दस्त के दौरान भारी, मसालेदार, या डेयरी उत्पादों (दूध) से परहेज करें क्योंकि ये आंतों की सूजन को बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय केला, चावल, सेब की चटनी और टोस्ट का सेवन करें। ये खाद्य पदार्थ मल को बांधने में मदद करते हैं और पचने में बहुत हल्के होते हैं।

स्वच्छता ही है असली बचाव

डायरिया के प्रसार को रोकने के लिए पर्सनल हाईजिन बहुत जरूरी है। खाना बनाने या खाने से पहले और शौचालय के उपयोग के बाद साबुन से जरूर हाथ धोएं।

इंदौर के नागरिक फिलहाल खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों और बर्फ के सेवन से बचें। अगर आपके इलाके में गंदा पानी आ रहा है, तो क्लोरीन की गोलियों का उपयोग करें। ध्यान रखें जागरूकता और समय पर लिया गया निर्णय ही आपको अस्पताल पहुंचने से बचा सकता है।

सुबह की थकान को कहें अलविदा, 15 ग्राम प्रोटीन और 6 ग्राम फाइबर वाले ये ब्रेकफास्ट देंगे दिनभर एनर्जी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर हम नाश्ते को हल्के में ले लेते हैं, जबकि दिन की सबसे अच्छी शुरुआत एक हेल्दी और पौष्टिक ब्रेकफास्ट से ही होती है। अगर सुबह का खाना सही हो, तो न सिर्फ शरीर को जरूरी ताकत मिलती है बल्कि पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है। ऐसे में डायटीशियन जेसिका बॉल, एम.एस., आरडी कुछ ऐसे ब्रेकफास्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनमें हर सर्विंग में कम से कम 15 ग्राम प्रोटीन और 6 ग्राम फाइबर मौजूद है। ये रेसिपीज ओवरनाइट ओट्स, चिया पुडिंग, स्मूदी और ब्रेकफास्ट सैंडविच जैसे आसान विकल्पों पर आधारित हैं, जिन्हें आप पहले से तैयार कर सकते हैं।

हाई-प्रोटीन पीनट बटर एंड चॉकलेट चिया पुडिंग

अगर आप सुबह-सुबह कुछ ऐसा चाहते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ एनर्जी से भरपूर हो, तो यह चिया पुडिंग एक बेहतरीन विकल्प है। चिया सीड्स दूध में भिगोने पर गाढ़ी और क्रीमी टेक्सचर बनाते हैं, जो फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। इसमें मिलाया गया पीनट बटर पौधों से मिलने वाला प्रोटीन देता है, जबकि कोको पाउडर इसका स्वाद और भी शानदार बना देता है। इसे रात में बनाकर फ्रिज में रख दें और सुबह बिना किसी झंझट के हेल्दी नाश्ता तैयार।

हाई-प्रोटीन एप्पल एंड पीनट बटर ओवरनाइट ओट्स

सेब और पीनट बटर का कॉम्बिनेशन न सिर्फ स्वाद में बढ़िया है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इन ओवरनाइट ओट्स में ग्रीक-स्टाइल योगर्ट और पीनट बटर से भरपूर प्रोटीन मिलता है, वहीं कटे हुए सेब नैचुरल मिठास और हल्की क्रंची टेक्सचर देते हैं। रोल्ड ओट्स रातभर दूध और योगर्ट में भीगकर सुबह तक एकदम क्रीमी हो जाते हैं। यह नाश्ता खासतौर पर उन लोगों के लिए बढ़िया है, जो हफ्तेभर के लिए पहले से ब्रेकफास्ट तैयार करना चाहते हैं।

हाई-प्रोटीन बेक्ड ओट्स

पीनट बटर और जैम का नाम सुनते ही बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं। इसी क्लासिक फ्लेवर को हेल्दी ट्विस्ट देते हैं ये हाई-प्रोटीन बेक्ड ओट्स। पीनट बटर, ग्रीक योगर्ट और अंडों से भरपूर प्रोटीन मिलने की वजह से ये ओट्स आपको देर तक फुल रखते हैं। ओवन में बेक होने के बाद इनका टेक्सचर केक जैसा हो जाता है, जो बच्चों और बड़ों सभी को पसंद आता है।

चॉकलेट-स्ट्रॉबेरी प्रोटीन शेक

अगर आपके पास सुबह समय कम है, तो यह पांच मिनट में बनने वाला प्रोटीन शेक परफेक्ट है। सोया मिल्क और ग्रीक योगर्ट से मिलने वाला प्रोटीन, स्ट्रॉबेरी और केले की नैचुरल मिठास और कोको पाउडर का चॉकलेटी स्वाद, सब मिलकर इसे एक हेल्दी और टेस्टी ड्रिंक बना देते हैं। बिना किसी एक्स्ट्रा शुगर के भी यह शेक काफी स्वादिष्ट लगता है।

बेहद साधारण होते हैं अवसाद के शुरुआती लक्षण नजरअंदाज करने पर बन सकते हैं मेंटल हेल्थ के मरीज

मानसिक स्वास्थ्य आज के समय की एक बड़ी चुनौती बन गया है, लेकिन अक्सर लोग अवसाद या डिप्रेशन को केवल 'दुख' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। वास्तव में डिप्रेशन सिर्फ मन की उदासी नहीं है, बल्कि यह शरीर में होने वाले रासायनिक परिवर्तनों का परिणाम है।

जब हमारे मस्तिष्क में खुशी और उत्साह महसूस कराने वाले न्यूरोट्रांसमीटर, जैसे डोपामीन और सेरोटोनिन, का स्तर धीरे-धीरे गिरने लगता है, तो शरीर और व्यवहार दोनों में बदलाव आने लगते हैं। डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण इतने साधारण होते हैं कि व्यक्ति इन्हें आलस या सामान्य थकान समझ लेता है। समय रहते अगर इन संकेतों को पहचान लिया जाए, तो इस बीमारी को गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही आपको एक मरीज बनने से बचा सकती है। इसी विषय की गंभीरता को समझाते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर डिप्रेशन के पांच प्रमुख चेतावनी संकेतों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

रूचि का अभाव और नकारात्मक विचार

डॉ. सोलंकी के अनुसार पहला लक्षण है अपनी पसंदीदा चीजों जैसे संगीत, पेंटिंग या हॉबीज में रुचि खो देना। यह आलस नहीं बल्कि 'इमोशनल शटडाउन' का संकेत है। इसके साथ ही व्यक्ति 'निगेटिव सेल्फ टॉक' करने लगता है, जहां वह खुद को हर गलती के लिए जिम्मेदार मानता है और गिल्टी महसूस करता है। खुद को बेकार समझना और लोगों से दूरी बनाना इस मानसिक स्थिति को और गंभीर कर देता है।

ऊर्जा की कमी और बिगड़ा हुआ स्लीप पैटर्न

बिना किसी शारीरिक श्रम के भी लगातार थकान और कम ऊर्जा महसूस होना अवसाद का एक बड़ा शारीरिक लक्षण है। इसके अलावा, नींद का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ जाता है, व्यक्ति या तो दिनभर सोता रहता है या उसे रात भर नींद नहीं आती। जब मस्तिष्क को शांति नहीं मिलती, तो शरीर भी रिकवर नहीं हो पाता, जिससे चिड़चिड़ापन और मानसिक भारीपन बढ़ता चला जाता है।

बचाव का पहला कदम

अवसाद के चक्र को तोड़ने के लिए डॉ. शालिनी सिंह सोलंकी व्यायाम करने की सलाह देती हैं। शारीरिक गतिविधि से शरीर में 'एंडोर्फिन' और अन्य खुश रहने वाले हार्मोन्स का स्राव बढ़ता है, जो मूड को नेचुरल रूप से सुधारते हैं। नियमित वर्कआउट न केवल शरीर को सक्रिय रखता है, बल्कि मस्तिष्क को नकारात्मक विचारों के जाल से बाहर निकालने में भी मदद करता है।

सोशल कनेक्टिविटी और हॉबीज को समय दें

अकेलेपन से बचने के लिए सामाजिक मेलजोल बढ़ाना और अपनी पसंदीदा हॉबीज को समय देना अनिवार्य है। दोस्तों और परिवार के साथ बात करने से मन का बोझ हल्का होता है और सकारात्मकता बढ़ती है। डॉक्टर का कहना है कि खुद को सुरक्षित महसूस कराने के लिए लोगों से दूर भागने के बजाय, उनसे जुड़ना ही इस बीमारी का सबसे बड़ा उपचार है। अगर लक्षण बने रहें तो विशेषज्ञ से सलाह लेने में संकोच न करें।

पैरों में कमजोरी है और चलने से लड़खड़ाते हैं पैर, रोज़ इन 5 चीज को भिगोकर खा लें

उम्र बढ़ने पर ज्यादातर लोगों को पैरों, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द की शिकायत होती है। इन सभी परेशानियों की वजह से चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है, फुर्ती कम होने लगती है और शरीर जल्दी थकने लगता है। लेकिन आप जानते हैं कि सर्दी में कम उम्र में ही लोगों को पैरों में दर्द की शिकायत होने लगती है।

सर्दियों में धूप कम निकलती है, जिससे शरीर में विटामिन-D का स्तर गिर जाता है। विटामिन-D हड्डियों के साथ-साथ मांसपेशियों के कार्य के लिए भी जरूरी है। इसकी कमी से 'ऑस्टियोमैलेसिया' या मांसपेशियों में कमजोरी होने लगती है, जो सबसे पहले पैरों में महसूस होती है।

सर्दी में सही खानपान और पारंपरिक खाद्य पदार्थों का डाइट में सेवन इस कमजोरी को काफी हद तक रोक सकता है। कुछ फूड्स ऐसे हैं जिनका सेवन सर्दी में रात में पानी में भिगोकर करें तो पैरों की कमजोरी दूर होती है और पैरों में ताकत आती है। आइए जानते हैं कि कौन-कौन से ऐसे फूड हैं जो पैरों को ताकत देते हैं।

काले तिल खाएं हड्डियों और जोड़ों के लिए अमृत हैं

काले तिल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और खासतौर पर कार्टिलेज और जोड़ों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इन सीड्स का सेवन करने से हड्डियों और जोड़ों को मजबूती मिलती है। इसमें मौजूद जिंक हड्डियों के घनत्व को बढ़ाने और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से आयरन की कमी दूर होती है और दिल की सेहत दुरुस्त रहती है। ये सीड्स महिलाओं में ओवुलेशन को सपोर्ट करते हैं। भुने हुए काले तिल को अच्छी तरह चबाकर खाएं सर्दियों में फायदा होगा।

कुलथी दाल खाएं पैरों में ताकत आएगी

कुलथी दाल में पौधों पर आधारित प्रोटीन की मात्रा बहुत अधिक होती है। पैरों की मांसपेशियां शरीर का सबसे ज्यादा भार उठाती हैं। कुलथी में मौजूद अमीनो एसिड मांसपेशियों के ऊतकों की मरम्मत करते हैं, जिससे पैरों की कमजोरी और थकान दूर होती है। कुलथी को दुनिया की सबसे ज्यादा प्रोटीन वाली दालों में गिना जाता है। यही वजह है कि इसे पारंपरिक रूप से ताकत बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्दी में इस दाल का सेवन करने से मांसपेशियों और पैरों में ताकत आती है। ये दाल जोड़ों की अकड़न कम करने में मदद करती है और स्टैमिना बूस्ट करती है।

आंवला और काली मिर्च शहद में भिगोकर खाएं

आंवला विटामिन C का बेहतरीन स्रोत है और शहद के साथ इसका सेवन इम्यूनिटी को मजबूत करता है। ये दोनों चीजें शरीर को अंदर से डिटॉक्स करती हैं, उम्र बढ़ने के असर को धीमा करती हैं। आंवला और काली मिर्च को शहद में रात भर भिगो दें और अगली सुबह दिन में 2–3 बार इसका सेवन करें।

भिगोई हुई मूंगफली और केला खाएं

भिगोई हुई मूंगफली और केला शरीर को जरूरी फैट, प्रोटीन और एनर्जी देने में मदद करते हैं। मूंगफली और केला का सेवन लंबे समय तक करने से बॉडी में एनर्जी बूस्ट रहती है। ये मूंगफली मांसपेशियों को पोषण देती है, कमजोरी और थकान दूर करती है। मूंगफली को 6–8 घंटे भिगोकर खाएं पैरों में जान आएगी।

अंकुरित मेथी दाना खाएं

अंकुरित मेथी का सेवन कई तरह से बॉडी को फायदा पहुंचाता है। 50+ उम्र वालों के लिए अंकुरित मेथी दाना का सेवन आवश्यक है। अंकुरित मेथी न केवल वजन और शुगर के लिए अच्छी है, बल्कि यह आपके पैरों की मांसपेशियों और नसों के लिए एक 'पावर बूस्टर' का काम करती है। अंकुरण के बाद इसके पोषक तत्व 300% तक बढ़ जाते हैं। अंकुरित मेथी दाना खून को साफ करने और उम्र से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मददगार साबित होते हैं। ये दाने सूजन को कंट्रोल करते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि अंकुरण की प्रक्रिया में मेथी में विटामिन-B कॉम्प्लेक्स और मैग्नीशियम की मात्रा बढ़ जाती है।

पित्ताशय में पथरी का उपचार नहीं

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। एक दिन पेट के सीधे ऊपर में बेहद तेज दर्द उठा। अल्ट्रासाउंड से पता चला कि पित्ताशय में पथरी है । क्या यह मूत्र मार्ग से बाहर निकाली जा सकती हैं? सुझाव देवें।

- दिवाकर राव, महबूबनगर

उत्तर : पित्ताश्मरी यानी गाल ब्लैडर स्टोन और वृक्काश्मरी यानी किडनी स्टोन दोनों अलग-अलग प्रकार के स्टोन है। एक कोलेस्ट्रॉल की अधिकता से यकृत के पित्ताशय की थैली में बनता है, जिसकी ओपनिंग छोटी आंत के डिओडीनम में है। तो दूसरा गुर्दे के किसी भाग या यूरेटर या यूरिनरी ब्लैडर(मूत्राशय) में बनता है। ज्यादातर यूरिनरी कैलकुलस आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग से आसानी से मूत्र मार्ग से निकाले जा सकते हैं। पित्ताशय की पथरी का मूत्राश्मरी से कोई संबंध नहीं है। पित्ताश्मरी को निकालने के लिए केवल शल्य चिकित्सा ही उपयोगी है। अतः आप कोई भी दवा के चक्कर में ना पड़कर अच्छे शल्य चिकित्सक (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन) से संपर्क कर अपनी शल्य क्रिया करवाएं।

प्रश्न : हर बार मौसम बदलते ही छींके आने लगती है, आंखों में खुजली, नाक बहने से लेकर बुखार परेशान करने लगता है। क्या ऐसी स्थितियों का आयुर्वेद में उपचार है? कृपया कर बताएं।

- मनोज शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : ऋतु परिवर्तन के समय होने वाली छींके, धूल, परागकणों या पत्तों की धूल हो- कई व्यक्तियों में ये अनूर्जता उत्पन्न करते हैं। इसे ही एलर्जी कहते हैं। इसमें कष्टप्रद नाक बहने से लेकर खांसी, छींके, आंखों में खुजली जैसे अनूर्जताजन्य हमले शामिल है। ऐसे में अंग्रेजी एंटीएलर्जीक्स और हिस्टामाईन्स शरीर में उनींदापन, सिर चकराना, बेहद कमजोरी जैसी कष्ट कारक स्थितियां पैदा करती है। पर आयुर्वेद में इसका सफल उपचार है । और खास बात यह है कि इसके पार्श्वप्रभाव बिल्कुल नहीं है । एकौषधि प्रयोग में हरिद्रा (हल्दी) सर्वोपरि है। इसके अलावा सप्तपर्ण, नीम, उशीर, बाकुची, विभितकी, विडंग, गुडूची और अर्जुन में अनूर्जतानाशक गुण मिलते हैं । ऐसी स्थितियों में शास्त्रीय योग हरिद्राखंड उपयोगी है। औरा का एलेक्झी टेबलेट हर प्रकार की एलर्जी में बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। बड़ों को दो-दो गोली दिन में तीन बार और बच्चों में एलेक्झी सायरप 5 से 7.5 मिलीलीटर की मात्रा में दिन में तीन बार प्रयोग करने से एलर्जी तो दूर होती ही है साथ ही रोगी की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। इसका दीर्घकाल तक प्रयोग रोग का समूल नाश करने में सक्षम है।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे धुंधला दिखता है। क्या इस उम्र में भी मोतियाबिंद हो सकता है?

- श्रीमती कनक प्रभा, हैदराबाद

उत्तर : मोतियाबिंद होने के कई कारण हो सकते हैं । जैसे - गर्भावस्था में जीवाणु संक्रमण, किसी भी उम्र में आंख में चोट, मधुमेह , स्टिराइड्स संबंधी दवाओं का लंबे समय तक सेवन, अधिक धूम्रपान, अधिक मद्यपान आदि । सामान्यतः यह रोग 60 वर्ष के बाद होने की संभावना होती है।

आंख से धुंधला दिखाई देना या दृष्टि कम होना ठीक नहीं है। जीवनीय तत्वों की कमी भी एक कारण हो सकती है। इसके लिए आप गाजर, पपीता, चुकंदर, सभी पीले फलों का सेवन करें। ऊंझा सप्तामृत लोह टिकिया त्रिफला चूर्ण या टेबलेट सुबह-शाम गुनगुने दूध में त्रिफला घृत (मात्रा - एक चम्मच) मिलाकर सुबह-शाम लेवें। आंखों को त्रिफला के पानी से धोएं, साफ करें । आंखों के सूक्ष्म योगिक व्यायाम करें । ताज़ा,स्वच्छ व संतुलित भोजन करें । धीरे-धीरे आंखों का धुंधलापन दूर हो जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

आयरन और विटामिन बी12 की कमी से लगती है अधिक ठंड

सर्दियों के मौसम में ठंड लगना सामान्य है, लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि एक ही कमरे में बैठे कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में बहुत अधिक ठंड महसूस होती है? अगर आप पर्याप्त गर्म कपड़े पहनने के बाद भी भीतर से ठिठुरन महसूस करते हैं, तो यह सिर्फ बाहरी तापमान का असर नहीं, बल्कि आपके शरीर के भीतर मौजूद पोषक तत्वों की कमी का संकेत हो सकता है।

हमारा शरीर आंतरिक तापमान को बनाए रखने के लिए एक जटिल 'थर्मोरेगुलेशन' प्रणाली का उपयोग करता है, जिसके लिए विशिष्ट विटामिन्स और मिनरल्स की आवश्यकता होती है। जब शरीर में इन पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, तो रक्त संचार प्रभावित होता है और मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है।

इसकी वजह से शरीर पर्याप्त गर्मी पैदा नहीं कर पाता और व्यक्ति को सामान्य से अधिक ठंड लगने लगती है। यह स्थिति

अक्सर एनीमिया या थायराइड की समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। इसलिए कड़ाके की ठंड से बचने के लिए केवल हीटर पर निर्भर रहने के बजाय अपनी थाली में सुधार करना और शरीर की आंतरिक हीटिंग प्रणाली को सक्रिय करना अनिवार्य है।

आयरन और विटामिन B12 की कमी

अत्यधिक ठंड लगने का सबसे बड़ा कारण आयरन की कमी है। आयरन हीमोग्लोबिन बनाता है, जो कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पहुंचाता है, इसकी कमी से शरीर 'कोल्ड सेंसिटिव' हो जाता है। इसके अलावा, विटामिन B12 की कमी से नसें प्रभावित होती हैं, जिससे हाथ-पैर सुन्न और ठंडे रहते हैं। मैग्नीशियम और फोलेट भी मांसपेशियों के संकुचन और शरीर को गर्म रखने के लिए आवश्यक ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अधिक ठंड लगने पर तुरंत क्या करें?

अगर आपको अचानक बहुत तेज ठंड महसूस हो रही है, तो सबसे पहले हल्का व्यायाम या स्ट्रेचिंग करें। शारीरिक गतिविधि से रक्त संचार तेज होता है, जिससे शरीर तुरंत गर्म होने लगता है। इसके साथ ही तुरंत एक गिलास गुनगुना पानी या अदरक की चाय पिएं। खाली पेट रहने से बचें क्योंकि जब शरीर भोजन को पचाता है, तो प्राकृतिक रूप से आंतरिक गर्मी पैदा होती है।

खान-पान में करें ये जरूरी बदलाव

आंतरिक गर्माहट के लिए अपनी डाइट में गुड़, मूंगफली, खजूर और बाजरा जैसे गर्म तासीर वाले खाद्य पदार्थ शामिल करें। लहसुन और अदरक का सेवन बढ़ाएं, क्योंकि ये रक्त वाहिकाओं को फैलाते हैं और खून के बहाव को बेहतर करते हैं। अगर आहार के बावजूद समस्या बनी रहती है, तो डॉक्टर से परामर्श कर अपना 'ब्लड टेस्ट' जरूर करवाएं ताकि पोषक तत्वों की सटीक स्थिति का पता चल सके।

बचाव के उपाय

ज्यादा ठंड लगने की समस्या को नजरअंदाज न करें, क्योंकि यह कमजोर इम्यूनिटी का भी संकेत हो सकता है। रात को पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें, क्योंकि मानसिक थकान भी शरीर की तापमान सहने की क्षमता को घटा देती है। पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार और नियमित योग के माध्यम से आप अपनी 'बायोलॉजिकल हीटिंग' को मजबूत कर सकते हैं, जिससे आप भीषण ठंड का सामना बिना बीमार पड़े कर सकेंगे।

वेनेजुएला का लाभ रिलायंस को?

1785 तक जा सकती है कीमत, ओएनजीसी भी फायदे में रहेगी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया है। माना जा रहा है कि अमेरिका अब वेनेजुएला के तेल उद्योग को अपना हाथ में लेकर उसका पुनर्गठन कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और ओएनजीसी को बड़ा फायदा हो सकता है। जेफरीज का मानना है कि अगर वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जाती है या उन्हें हटा दिया जाता है, तो इन दोनों कंपनियों को तेल की आपूर्ति, नकदी प्रवाह और मूल्यांकन में लाभ होगा। जेफरीज के अनुसार वेनेजुएला के पास दुनिया के लगभग 18% तेल भंडार हैं, लेकिन फिलहाल यह वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति में 1% से भी कम योगदान देता है। जब प्रतिबंधों में ढील मिलेगी, तो अमेरिकी बड़ी तेल कंपनियां वेनेजुएला के तेल क्षेत्रों में भारी निवेश करेंगी। इससे 2027-28 तक उत्पादन बढ़ सकता है। अगर ओपीईसी+ देश उत्पादन में कटौती करके इसकी भरपाई नहीं करते हैं, तो इससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव आ सकता है।

वेनेजुएला का तेल

रिलायंस को बहुत सस्ते दाम पर वेनेजुएला का कच्चा तेल मिल सकता है। रिलायंस का जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स इस तरह के तेल को प्रोसेस करने के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह से तैयार है। वेनेजुएला का कच्चा तेल भारी, खट्टा और अम्लीय होता है। दुनिया में बहुत कम रिफाइनरियां ही इसे संभाल सकती हैं। जेफरीज बताता है कि वेनेजुएला के तेल की कीमत ऐतिहासिक रूप से ब्रेंट क्रूड की तुलना में लगभग $5-8 प्रति बैरल कम रही है। रिलायंस ने 2012 में वेनेजुएला की सरकारी कंपनी पीडीवीएसए के साथ मिलकर अपनी दैनिक कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 20% वेनेजुएला से लेने का समझौता किया था। लेकिन 2019 में अमेरिकी प्रतिबंधों के कड़े होने के बाद यह सौदा खत्म हो गया था। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह वेनेजुएला के कच्चे तेल को वैश्विक खरीदारों को बेचने की अनुमति देगा। जेफरीज का मानना है कि इससे रिलायंस फिर से रियायती दरों पर लंबी अवधि के लिए तेल की आपूर्ति सुरक्षित कर सकती है। इससे कंपनी का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ेगा।

ओएनजीसी का फायदा

इसी तरह सरकारी कंपनी ओएनजीसी को भी वेनेजुएला में अपनी परियोजनाओं से लंबे समय से अटका लाभांश मिल सकता है। जेफरीज के अनुसार, ओएनजीसी को सैन क्रिस्टोबल क्षेत्र में उत्पादन से अपना लाभांश का हिस्सा नहीं मिला है और यह बकाया राशि अब $500 मिलियन से अधिक होने का अनुमान है। अगर अमेरिका के नेतृत्व वाले पुनर्गठन से धन की निकासी की अनुमति मिलती है, तो ओएनजीसी इस राशि को वापस पा सकता है। साथ ही, ओरिनोको बेल्ट में कैराबोबो एसेट के विकास को भी फिर से शुरू कर सकता है। इसमें ओएनजीसी की 11% हिस्सेदारी है। जेफरीज ने रिलायंस और ओएनजीसी के शेयरों पर अपनी Buy रेटिंग दोहराई है। रिलायंस के लिए टारगेट प्राइस 1,785 रुपये और ओएनजीसी के लिए 310 रुपये है। इसका मतलब है कि रिलायंस के लिए पिछले बंद भाव से 12% और ओएनजीसी के लिए 28% की बढ़ोतरी की उम्मीद है। रिलायंस का शेयर आज बीएसई पर कारोबार के दौरान 1611.20 रुपये पर पहुंचा जो इसका 52 हफ्ते का हाई है। हालांकि ओएनजीसी के शेयरों में आज कारोबार के दौरान करीब 2 फीसदी गिरावट आई।

कोल इंडिया की सहायक कंपनी ने 21 से 23 का प्राइस बैंड किया तय

9 जनवरी को खुलेगा 1,071 करोड़ का इश्यू

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2026 के पहले सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ दलाल स्ट्रीट पर हलचल शुरू होने वाली है। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक इकाई, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने अपने आगामी आईपीओ के लिए 21 से 23 प्रति शेयर का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। 1,071.11 करोड़ का यह इश्यू पूरी तरह से कोल इंडिया की ओर से 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) पर आधारित है। प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर पर कंपनी का कुल मूल्यांकन 10,700 करोड़ से अधिक आंका गया है। यह आईपीओ न केवल 2026 का पहला सार्वजनिक निर्गम होगा, बल्कि इसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के प्रति निवेशकों के रुझान को मापने के एक महत्वपूर्ण पैमाने के रूप में भी देखा जा रहा है।

बीसीसीएल के आईपीओ से जुड़ी खास बातें

कंपनी की ओर से जारी आधिकारिक बयान और रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, आईपीओ की महत्वपूर्ण तारीखें इस प्रकार हैं-

एंकर निवेशक बिडिंगः 8 जनवरी, 2026

सब्सक्रिप्शन के लिए खुलाः 9 जनवरी, 2026

सब्सक्रिप्शन बंदः 13 जनवरी, 2026

शेयर बाजार में लिस्टिंगः 16 जनवरी, 2026

इस निर्गम के तहत 46.57 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। आवंटन की बात करें तो, इश्यू का 50% हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित है, जबकि 35% गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और शेष 15% रिटेल निवेशकों के लिए सुरक्षित रखा गया है।

क्या है बीसीसीएल की रणनीति?

बीसीसीएल की लिस्टिंग कोयला क्षेत्र में सरकार की व्यापक विनिवेश रणनीति का हिस्सा है। इसका मकसद कोल इंडिया की सहायक कंपनियों के मूल्य को अनलॉक करना और परिचालन में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। गौरतलब है कि कोल इंडिया की एक अन्य इकाई, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) ने भी पिछले साल ही लिस्टिंग के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए थे। क्रिसिल (क्रिसिल) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में बीसीसीएल उत्पादन के मामले में भारत की सबसे बड़ी कोकिंग कोल उत्पादक कंपनी रही है। कंपनी के परिचालन नेटवर्क की बात करें तो 30 सितंबर, 2025 तक इसके पास 34 खदानें सक्रिय थीं, जिनमें 26 ओपनकास्ट, 4 भूमिगत और 4 मिश्रित खदानें शामिल हैं। हालांकि, उत्पादन के आंकड़ों में हालिया गिरावट देखी गई है।

5600 रुपये के निवेश से 420 करोड़ का साम्राज्य

कौन हैं कनिका टेकरीवाल जो शार्क टैंक इंडिया में बनीं जज

नई दिल्ली,5 जनवरी (ए जें सि यां)। बिजनेस रियलिटी शो 'शार्क टैंक इंडिया' का 5वां सीजन आज यानी 5 जनवरी से शुरू हो रहा है। नए या पुराने कारोबारियों के बीच यह शो काफी चर्चित रहता है। इस बार इसमें 6 नए शार्क (जज) समेत कुल 15 शार्क होंगे। नए शार्क में कनिका टेकरीवाल भी शामिल हैं। कनिका की गिनती उन महिला कारोबारियों में होती है जिन्होंने कड़ी मेहनत के दम पर बड़ा मुकाम पाया है। कनिका ने भारत के पहले प्राइवेट एविएशन के लिए पारदर्शी मार्केटप्लेस बनाया और अब 'शार्क टैंक इंडिया' का हिस्सा बनी हैं। कनिका टेकरीवाल की नेटवर्थ आज 420 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वह हुरुन रिच लिस्ट में सबसे कम उम्र की अमीर महिलाओं में से एक हैं। कनिका टेकरीवाल एविएशन कंपनी जेटसेटगो की फाउंडर हैं। उनकी कंपनी में नौ प्राइवेट जेट और दो हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इन्हें वह किराए पर देती हैं। इनकी कंपनी ने अभी तक 1,00,000 से ज्यादा यात्रियों को उड़ाया है और 6,000 से ज्यादा फ्लाइट्स चलाई हैं। कनिका ने 21 साल की उम्र में एक बहुत ही सरल लेकिन क्रांतिकारी आइडिया के साथ अपनी कंपनी शुरू की। वह प्राइवेट एविएशन के लिए एक 'उबर-जैसा मॉडल' बनाना चाहती थीं। उनका प्लान था कि जेट खरीदें और उन्हें किराए पर दें, जिससे भारत में प्राइवेट उड़ानें ज्यादा आसान, पारदर्शी और व्यवस्थित हो सकें। एक इंटरव्यू में कनिका ने अपनी कंपनी बनाने के शुरुआती संघर्षों के बारे में खुलकर बताया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने अपना बिजनेस शुरू किया तो किसी को समझ नहीं आया। मेरे पास एक खतरनाक कॉम्बिनेशन था- मैं एक लड़की थी, मात्र 21 साल की, और एक ऐसी इंडस्ट्री में थी जिस पर पुरुषों का दबदबा था।' कनिका ने बताया कि उन्हें कंपनी के लिए पैसे जुटाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उ

पीछे मुड़कर देखें तो उन्हें लगता है कि यह उनके लिए फायदेमंद रहा। कनिका ने बताया, 'बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि मैंने बिना पैसे जुटाए यह कैसे किया। आज तक मैंने सिर्फ 5600 रुपये का निवेश किया है और हम भारत के सबसे बड़े प्राइवेट जेट बेड़े का संचालन करते हैं।' 21 साल की उम्र में 5,600 रुपये का यह निवेश अब अनुशासन और दृढ़ता से बने 420 करोड़ रुपये के साम्राज्य में बदल गया है।

हर परिवार पर 285,733 का कर्ज!

यूं ही 'वसूली भाई' नहीं बन गए हैं डोनाल्ड ट्रंप

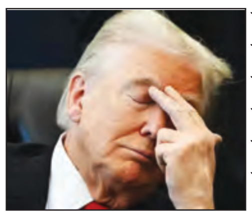

नई दिल्ली,5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लाख प्रयासों के बावजूद देश का कर्ज बढ़ता जा रहा है। अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 38.5 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। पिछले साल इसमें 2.3 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई। यानी रोजाना देश का कर्ज 6.3 अरब डॉलर बढ़ा। हालत यह हो गई है कि अभी देश के हरेक परिवार पर 285,733 डॉलर का कर्ज है। अगर इसी रफ्तार से कर्ज बढ़ता रहा तो अगस्त तक इसके 40 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। 2020 से देश का कर्ज 15.3 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। यानी हर साल इसमें 2.6 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। देश का कर्ज कम करने के लिए ट्रंप ने भारत समेत दुनिया भर के देशों पर जमकर टैरिफ लगाया है। साथ ही उन्होंने कई कंपनियों को भी अमेरिका में निवेश के लिए मजबूर किया। इनमें ऐपल, एनवीडिया और माइक्रोन शामिल हैं। इतना ही नहीं उन्होंने चिप बनाने वाली कंपनियों एनवीडिया और एएमडी को भी चीन को एक्सपोर्ट करने की अनुमति देने के लिए कमाई का 15% हिस्सा मांग लिया। साथ ही देश में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिए ड्रिल बेबी ड्रिल जैसे नारे उछाले।

दूसरे देशों पर नजर

लेकिन ट्रंप की लाख कोशिशों के बावजूद देश का सुरसा के मुंह की तरह बढ़ता जा रहा है। पीटर जी पीटरसन फाउंडेशन के मुताबिक 2024 में अमेरिका की सरकार ने चुकाने में 880 अरब डॉलर खर्च किए जो अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़ी रकम है। इस साल अमेरिका को इस मद में 1 ट्रिलियन डॉलर खर्च करने पड़ सकते हैं। अमेरिका में करीब 12.8 करोड़ परिवार हैं। यानी हर परिवार को हर महीने 650 डॉलर कर्ज के ब्याज के रूप में देने पड़ रहे हैं।

अब हाईवे पर गाड़ी चलाते हुए नहीं कटेगी कॉल

हर जगह आएगा मोबाइल टावर, आखिर क्या है प्लान?

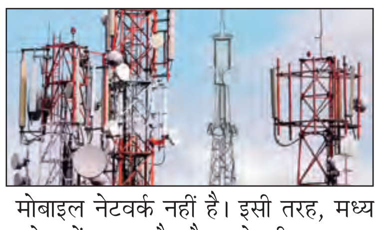

नई दिल्ली,5 जनवरी (एजेंसियां)। हाईवे और एक्सप्रेसवे पर मोबाइल नेटवर्क का न होना सिर्फ यात्रियों को परेशान ही नहीं कर रहा, बल्कि एनएचएआई के लिए भी चिंता का विषय है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब कोई हादसा होता है, तो एम्बुलेंस या गश्ती दल जैसी आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करने में दिक्कत आती है। इस समस्या को देखते हुए एनएचएआई ने टेलीकॉम रेगुलेटर टीआरएआई से कहा है कि वह मोबाइल कंपनियों को इन जगहों पर नेटवर्क सुधारने का निर्देश दे। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक एनएचएआई ने ऐसी 424 जगहों की पहचान की है, जिन्हें टेलीकॉम ब्लैक स्पॉट कहा गया है। ये करीब 1,750 किमी तक फैली हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक एनएचएआई के चेयरमैन सतीश कुमार यादव ने टीआरएआई के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी को इस बारे में एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने बताया कि मोबाइल नेटवर्क की कमी से हाईवे ऑपरेशन, फील्ड यूनिट्स और सुरक्षा एजेंसियों के साथ तालमेल बिठाने में परेशानी हो रही है।

मोबाइल टावर की समस्या

अधिकारियों का कहना है कि नए बने हाईवे और एक्सप्रेसवे पर खासकर दूर-दराज के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या ज्यादा है। दिल्ली-मुंबई और बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्सों में भी यह दिक्कत है। उदाहरण के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रतलाम के पास के तीन हिस्सों (लगभग 69 किमी) में बिल्कुल भी मोबाइल नेटवर्क नहीं है। इसी तरह, मध्य प्रदेश में हरदा और बैतूल के बीच का पूरा 51 किमी का हिस्सा मोबाइल नेटवर्क से बाहर है। जिन जगहों पर मोबाइल नेटवर्क गायब है, उनमें बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे का करीब 15 किमी हिस्सा, तमिलनाडु में तांबरम-तिरुवल्लूर सेक्शन पर 17 किमी हिस्सा, आंध्र प्रदेश में वारंगल-खम्मम सेक्शन का 11.8 किमी हिस्सा और मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर ठाणे का 10.8 किमी हिस्सा शामिल है। एनएचएआई ने साथ ही हाईवे और एक्सप्रेसवे पर आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना संभावित 1,665 जगहों की भी पहचान की है। अधिकारियों ने बताया कि इस बारे में भी टीआरएआई से बात की गई है। उन्होंने सुझाव दिया है कि इन दुर्घटना संभावित जगहों के बारे में यात्रियों को एसएमएस और फ्लैश एसएमएस अलर्ट भेजे जाएं। एक अधिकारी ने बताया, इन अलर्ट का मकसद यात्रियों को ऐसी जगहों पर पहुंचने से करीब 15 मिनट पहले सूचित करना है। एनएचएआई ने टीआरएआई से मोबाइल कंपनियों को ये अलर्ट मुफ्त में भेजने का निर्देश देने का आग्रह किया है, ताकि सड़क पर चलने वाले लोगों की जान बचाई जा सके। इससे कई जानें बचेंगी।

भारत की आर्थिक रफ्तार: जीडीपी ग्रोथ की मजबूती के बीच क्या बढ़ रहे हैं जोखिम? रिपोर्ट में क्या सामने आया

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की बहुचर्चित 'गोल्डीलॉक्स' अर्थव्यवस्था की कहानी में अब दबाव के संकेत दिखने लगे हैं। सिस्टमैटिक रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कमजोर कर प्रवाह और सिकुड़ते राजकोषीय दायरे सरकार को नीतिगत जटिलता (पॉलिसी ग्रिडलॉक) की स्थिति में धकेल रहा है। गोल्डीलॉक्स उस स्थिति को कहते हैं जब अर्थव्यवस्था न ज्यादा गर्म होती है और न ज्यादा ठंडी यानी सब कुछ 'ठीक-ठाक' संतुलन में होता है। वहीं ग्रिडलॉक का मतलब है जाम, जहां सिस्टम फंसा हुआ हो। ग्रिडलॉक अर्थव्यवस्था में दिखावटी तौर पर सब ठीक लगता है, लेकिन अंदरूनी स्तर पर फैसले अटक जाते हैं और नीतियां प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पातीं।

आर्थिक आंकड़े अर्थव्यवस्था की असर कमजोरी को छिपा रहे

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी तौर पर मजबूत दिख रहे विकास आंकड़े अर्थव्यवस्था की असल कमजोरी को छिपा रहे हैं। इसमें कहा गया कि हेडलाइन ग्रोथ आंकड़े नाजुक आंतरिक गति को ढक देते हैं, जिससे सरकार एक मुश्किल नीतिगत दुविधा में फंस गई है।

टैक्स बढ़ोतरी ने खड़े किए सवाल

रिपोर्ट के अनुसार, इस दबाव का एक संकेत सिगरेट पर बेसिक एक्साइज ड्यूटी में हालिया बढ़ोतरी है, जिसे जीएसटी सुधारों के कुछ ही महीनों बाद लागू किया गया। इससे सालाना करीब 400 अरब रुपये अतिरिक्त राजस्व मिलने का अनुमान है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बताता है कि सरकार के पास नए राजस्व स्रोत सीमित होते जा रहे हैं।मौद्रिक मोर्चे पर भी स्थिति सामान्य नहीं दिखती। भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार को चौंकाते हुए 2 ट्रिलियन रुपये के सरकारी बॉन्ड की अतिरिक्त ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ) और 10 अरब डॉलर के यूएसडी/आईएनआर खरीद-बिक्री ऑपरेशन की घोषणा की।

सोना 939 बढ़कर 1.36 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी 2,225 महंगी होकर 2.37 लाख किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड रेट्स

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 5 जनवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 939 रुपए बढ़कर 1,35,721 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,34,782 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,225 रुपए बढ़कर 2,36,775 रुपए पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,34,550 रुपए किलो थी। इससे पहले 29 दिसंबर 2025 को सोना 1,38,161 रुपए और चांदी 2,43,483 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।

चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में गिरावट के साथ क्लोजिंग

सेंसेक्स-निफ्टी ने भी दगा दिया

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। भारत के खिलाफ टैरिफ में और वृद्धि करने की अमेरिकी चेतावनी के बीच, ब्लू-चिप एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 322.39 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 85,439.62 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 446.68 अंक या 0.52 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 85,315.33 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 26,373.20 के रिकॉर्ड इंट्रा-डे उच्च स्तर को छूने के बाद, उस गति को बरकरार रखने में विफल रहा और 78.25 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 26,250.30 पर बंद हुआ। भारतीय डॉलर लगातार चौथे सत्र में कमजोर रहा और सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 90.28 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इसके विपरीत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। आशिका इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुसार बैच के दौरान बेंचमार्क निफ्टी इंडेक्स ने 26,373.20 का नया सर्वकालिक उच्च स्तर हासिल किया; हालांकि, शीर्ष के पास मुनाफावसूली शुरू हो गई, जिससे इंडेक्स नीचे गिर गया और क्लोजिंग तक महत्वपूर्ण 26,200 सपोर्ट जोन का परीक्षण करने के लिए मजबूर हो गया। सप्ताहांत में वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच बाजार का माहौल सतर्क बना रहा, और प्रतिभागी काफी हद तक तटस्थ रहे। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद से जुड़े भारतीय आयात पर संभावित टैरिफ बढ़ोतरी के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नई टिप्पणियों ने वैश्विक बाजारों में भू-राजनीतिक सतर्कता की एक और परत जोड़ दी, जिससे आज के सत्र के दौरान जोखिम लेने की प्रवृत्ति नियंत्रण में रही। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक काफी ऊपर बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक मामूली रूप से ऊपर बंद हुआ। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	धनु	मे	धनु.....	05-52 बजे
चंद्र	कर्क	मे	मकर....	07-57 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ....	09-40 बजे
बुध	धनु	मे	मीन....	11-10 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष.....	12-36 बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष....	14-13 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन..	16-10 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क...	18-23 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह---	20-42 बजे
			कन्या--	22-58 बजे
			तुला---	01-12 बजे
			वृश्चिक..	03-30 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-51

भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-51

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले

मास - माघ कृष्ण पक्ष मंगलवार 06 January 2026

तिथि - तृतीया 08-02 तक उपरान्त

नक्षत्र - आश्लेषा 12-17 तक उप मघा

योग - प्रीति 20-21 रात तक उप. आयुष्मान

करण - विष्टी(भद्रा) 08-02 तक उप बव

संकष्ट तिल चतुर्थी व्रत

चन्द्रोदय रात्रि 21-21

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-09 16-32

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-51 - 08-12	अशुभ	काल	18-51 - 19-32	शुभ
उत्पात	08-12 - 09-36	अशुभ	लाभ	19-32 - 21-09	शुभ
चंचल	09-36 - 10-59	शुभ	उत्पात	21-09 - 22-45	अशुभ
लाभ	10-59 - 12-22	शुभ	शुभ	22-45 - 00-22	अशुभ
अमृत	12-22 - 13-45	शुभ	अमृत	00-22 - 01-59	शुभ
काल	13-45 - 15-09	अशुभ	चंचल	01-59 - 03-36	अशुभ
शुभ	15-09 - 16-32	शुभ	रोग	03-36 - 05-13	शुभ
रोग	16-32 - 17-51	अशुभ	काल	05-13 - 06-51	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है ।समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं ।आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें। बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

महिला-आरक्षक की वर्दी फाड़ी, अर्धनग्न किया, आरोपी का निकाला जुलूस

लिपस्टिक पोती, उठक-बैठक करवाया, चप्पलों की माला पहनाई, 'वर्दी फाड़ना पाप है' के लगवाए नारे

रायगढ़, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान महिला आरक्षक के कपड़े फाड़कर उसे अर्धनग्न कर दिया गया। अब इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अब तक 6 आरोपियों को अरेस्ट किया जा चुका है।

वहीं, गिरफ्तारी के बाद महिला-पुरुष पुलिसकर्मियों ने सिग्नल चौक से न्यायालय तक आरोपी का जुलूस निकाला। उसके चेहरे पर लिपस्टिक पोतकर चप्पलों की माला पहनाई गई। आरोपी से 'पुलिस हमारी बाप है, वर्दी फाड़ना पाप है' के नारे लगवाए गए। सड़क पर ही उठक-बैठक भी करवाई गई।

महिला पुलिसकर्मी से मारपीट, बदसलूकी और अमानवीय व्यवहार के मामले में चित्रसेन साव मुख्य आरोपी था। आरोपियों में मंगल राठिया, चिनेश खमारी, प्रेमसिंह राठिया, कीर्ति श्रीवास (सभी निवासी ग्राम आमगांव) और वनमाली राठिया शामिल है। एक आरोपी अभी भी फरार है।

प्रदर्शनकारियों ने महिला आरक्षक के कपड़े फाड़ कर उसका वीडियो भी बनाया। 40 सेकेंड के इस वीडियो में महिला आरक्षक रो-रोकर प्रदर्शनकारियों को भाई बोलकर कहती है कि, मुझे माफ कर दो, छोड़ दो।

प्रदर्शनकारी कहते हैं कि, क्या करने आई थी। चप्पल से मारूं अभी। चलो भाग जाओ यहां से। इसके बाद उसे छोड़कर लोग चले जाते हैं। इससे पहले महिला टीआई को लात मारने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

दरअसल, मामला 8 दिसंबर 2025 को धौराभाठा में हुई जनसुनवाई के विरोध से जुड़ा है। जेपीएल कोयला खदान सेक्टर-1 कोल ब्लॉक से प्रभावित 14 गांवों के लोग 12 दिसंबर से धरने पर बैठे हुए थे। 27 दिसबंर की सुबह करीब 9 बजे लिबरा चौक पर लगभग 300 ग्रामीण जमा हो गए। सड़क पर बैठकर आने-जाने का रास्ता रोक दिया।

स्थिति बिगड़ती देख सुबह करीब 10 बजे अधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाया। धरनास्थल पर लगे टेंट में वापस भेज दिया। कुछ समय बाद भीड़ की संख्या करीब 1000 के आसपास हो गई।

घरघोड़ा के एसडीएम और पुलिस अधिकारी लगातार माइक से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते रहे, लेकिन भीड़ बार-बार सड़क पर आकर रास्ता रोकने की कोशिश करती रही। करीब दोपहर ढाई बजे अचानक हालात बिगड़ गए। भीड़ ने पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए। पत्थर और डंडों से हमला कर दिया।

पुलिस पर जमकर लाठियां और पत्थर बरसाए गए। तमनार थाना प्रभारी कमला पुषाम को महिलाओं ने लात-घूंसे से पीटा। जिससे कई पुलिसकर्मी और महिला आरक्षक भी घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

जिला प्रशासन के मुताबिक उग्र भीड़ ने मौके पर खड़ी पुलिस बस, जीप और एम्बुलेंस में आग लगा दी। कई अन्य सरकारी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया।

इसके बाद भीड़ जिंदल के कोल हैंडलिंग प्लांट की ओर बढ़ गई। वहां घुसकर कन्वेयर बेल्ट, दो ट्रैक्टर और अन्य वाहनों में आग लगा दी गई। प्लांट के दफ्तर में भी तोड़फोड़ की गई।

स्थिति संभालने के लिए लैलूंगा की विधायक विद्यावती सिदार, रायगढ़ कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक खुद मौके पर पहुंचे, लेकिन भीड़ और ज्यादा उग्र हो गई। अधिकारियों की मौजूदगी में भी पथराव हुआ और भीड़ दोबारा प्लांट की ओर जाकर आगजनी करती रही।

14 गांव के करीब 4 हजार से अधिक लोगों ने आंदोलन किया। उनकी एक ही मांग थी कि कोल ब्लॉक के लिए कराई गई जनसुनवाई निरस्त हो। जिसके बाद जिंदल कंपनी प्रबंधन ने प्रस्तावित कोल ब्लॉक गारे पेलमा सेक्टर-1 के लिए जनसुनवाई नहीं करने का फैसला लिया।

2 जनवरी की रात तमनार पुलिस ने आमगांव का रहने वाला मंगल राठिया उर्फ करम राठिया और चीनेश खम्हारी को गिरफ्तार कर जिला जेल लाया था। इस दौरान महिला आरक्षकों ने पुलिस की गाड़ी रोकी और इनका जुलूस निकालने की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाइश देकर जेल परिसर में ले गए और जेल के बाहर के मेन गेट बंद कर दिया था।

सेंट्रल जेल में रेप के आरोपी ने लगाई फांसी

पत्नी बेहोश हुई, जेल के बाहर धरने पर बैठे परिजन-समाज, बोले- मेंटली-फिजिकली टॉर्चर करते थे

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर सेंट्रल जेल में एक विचाराधीन कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कैदी सुनील महानंद पॉक्सो के मामले में 11 नवंबर 2025 से जेल में बंद था। पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी ललिता महानंद बेहोश हो गई। घटना गंज थाना क्षेत्र की है।

इस मामले में परिजनों का कहना है कि, महानंद को जेल में लगातार मेंटली और फिजिकली टॉर्चर किया जा रहा था। जेल के बाहर परिजन, समाज के लोग और कांग्रेस नेता धरने पर बैठे हैं। पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। जेलर पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री ने बताया कि, मामले में न्यायिक जांच होगी, फिर डिटेल रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम करीब 6 बजकर 45 मिनट पर सुनील महानंद (30) अचानक टहलते हुए जेल में लगे पीपल के पेड़ के पास पहुंचा। जहां पेड़ की टहनी पर गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उसे देखकर मौके पर मौजूद पहरेदारों ने पेड़ से नीचे उतारा, तब उसकी सांसें चल रही थी।

तत्काल उसे मेकाहारा रवाना किया, लेकिन हॉस्पिटल पहुंचने से पहले उसने दम तोड़ दिया। यह पूरी घटना जेल के सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जिसमें कैदी फांसी लगाते हुए दिखाई दे रहा है। इसलिए पुलिस इसे आत्महत्या का मामला ही मान रही है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि, आत्महत्या के बाद बिना परिजनों को सूचना दिए बॉडी को चोरी-छिपे मॉर्चुरी भेज दी गई। उन्हें देर रात इस घटना की जानकारी दी गई। यदि समय रहते सूचना दी जाती, तो वे मौके पर पहुंच सकते थे। परिजनों ने जेल प्रशासन पर जानबूझकर सूचना देने में देरी करने का भी आरोप लगाया है।

परिजनों का कहना है कि, 2 महीने से जेल में बंद था, उससे हम मुलाकात करने भी आते थे। सुनील बताता था कि, मुझे बहुत प्रताड़ित किया जा रहा है। उसे 3 स्वेटर और 5-6 जोड़ी कपड़े भी दिए थे।

खाने पीने का सामान भी दिया। जिसको वहां छीन लेते थे। उसको पेटीएम के जरिए पैसे भी दिए थे, लेकिन पैसे भी उसे नहीं दिए गए।

कर्नाटक में कांग्रेस एमएलसी ने बीजेपी विधायक को मुक्का मारा

मीटिंग में जमीन के कब्जे को लेकर गाली-गलौज, मंत्री ने मामला शांत कराया

बेंगलुरु, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक डेवलपमेंट प्रोग्राम (केडीपी) की मीटिंग में सोमवार को कांग्रेस एमएलसी भीमराव पाटिल और बीजेपी विधायक सिद्दू पाटिल के बीच मारपीट हुई। आरोप है कि भीमराव ने सिद्दू को मुक्का मारा। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

बिदर में यह मीटिंग वन भूमि पर कब्जे को लेकर थी। वीडियो में दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते और उंगली उठाते दिख रहे हैं। करीब 3 मिनट तक दोनों एक-दूसरे को गाली गलौज करते रहे।

मामला इतना बिगड़ गया कि पुलिस और वहां मौजूद लोगों को बीच-बचाव करना पड़ा। मंत्री ईश्वर खंड्रे ने मामला शांत कराया।

मीटिंग के दौरान बीजेपी विधायक सिद्धू पाटिल ने एमएलसी पर हुमनाबाद में जंगल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया। एमएलसी ने जवाब में कहा- तुम कौन होते हो पूछने वाले? इसी के बाद विवाद बढ़ गया।

दोनों नेता पहले भी आपस में भिड़ चुके हैं। इससे पहले भी कई कार्यक्रमों में दोनों में तीखी बहस हुई थी।

ब्राउन शुगर के सौदे पर खून-खराबा

टेल्को की बाउंड्रीवाल के भीतर मारपीट, पीछे से चापड़ से हमला, गला रेता, हाथ काटा

जमशेदपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बिरसानगर जोन नंबर-6 स्थित टेल्को कंपनी की बाउंड्रीवाल के भीतर जंगल में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार को लेकर दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में जुगसलाई निवासी सोहेल अहमद (22) की नृशंस हत्या कर दी गई, जबकि उसका साथी अब्दुल सूफियान गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार विनीत नामक युवक ने सोहेल को नशा कारोबार से जुड़ी बातचीत के बहाने जंगल में बुलाया था। सोहेल अपने दोस्त सूफियान के साथ बाइक से मौके पर पहुंचा। जंगल के भीतर नाले के पास सौदे को लेकर बातचीत शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद और फिर हिंसा में बदल गई।

पीछे से चापड़ से हमला, गला रेता, हाथ काटा

विवाद बढ़ते ही आरोपियों ने सोहेल पर पीछे से चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने उसका गला रेत दिया। एक हथेली काटकर अलग कर दी। गंभीर रूप से घायल सोहेल की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना इतनी भयावह थी कि आसपास खून फैल गया। बीच-बचाव करने पहुंचे सूफियान पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। उसके सिर और पीठ पर चापड़ के गंभीर वार किए गए। इसके बाद हमलावर जंगल के भीतर फरार हो गए।

गंभीर चोटों के बावजूद अब्दुल सूफियान ने अपनी बाइक घटनास्थल पर ही छोड़कर टेल्को की बाउंड्रीवाल कूदकर मुख्य सड़क पर पहुंचा। वहां से उसने एक टेंपो पकड़ा और सीधे साकची थाना पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सूफियान को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया।

डीएसपी सुनील चौधरी ने बताया कि मामले में दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मामला ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार से जुड़ा सामने आया है। घायल सूफियान ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर करीब दो बजे सोहेल ने उसे फोन कर बाइक के साथ बुलाया था।

दोनों जुगसलाई में घूमते हुए बिरसानगर के जंगल पहुंचे। वहां विनीत समेत तीन-चार युवक नशे के कारोबार पर चर्चा कर रहे थे। सूफियान ने इस बातचीत का विरोध किया और कुछ दूरी पर हट गया। इसी दौरान विवाद बढ़ा और सोहेल पर पीछे से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई।

दो एकड़ में लहलहाती फसल पुलिस ने बर्बाद की

रांची, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उग्रवाद प्रभावित लातेहार जिले के तराई क्षेत्रों में अभी भी चोरी-छिपे अवैध अफीम की खेती की जा रही है। हालांकि, झारखंड पुलिस नशीले पदार्थों के विरुद्ध निरंतर अभियान चला रही है। इसी कड़ी में, लातेहार पुलिस ने मनिका थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने डोकी पंचायत के सैलदाग गांव में वन और गैर-मजरुआ भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई करीब दो एकड़ अफीम (पोस्ता) की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया। पुलिस टीम ने कुदाल और लाठियों की मदद से हजारों पौधों को उखाड़कर और कुचलकर विनष्ट किया। इस कार्रवाई में स्थानीय ग्रामीणों की भी सहभागिता देखी गई। लातेहार पुलिस के अनुसार, यह अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाया जा रहा है और मामले की आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई जिले में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ चल रहे निरंतर अभियान का एक हिस्सा है। हाल के महीनों में लातेहार पुलिस ने हेरहंज, बरियातू और अन्य थाना क्षेत्रों में दर्जनों एकड़ अवैध पोस्ता की फसल को ट्रैक्टर और मैनुअल तरीके से नष्ट किया है।

झारखंड पुलिस के मुताबिक, राज्य में ऐसे अभियानों के माध्यम से अब तक हजारों एकड़ अवैध खेती नष्ट की जा चुकी है और कई गिरफ्तारियां भी हुई हैं। अधिकारियों का कहना है कि अफीम माफिया दूरदराज के वन क्षेत्रों में गरीब किसानों को प्रलोभन देकर यह अवैध खेती करवाते हैं।

ब्राउन शुगर की बड़ी डील नाकाम

जंगल से 15 लाख की खेप के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार, लग्जरी कार से हो रही थी नशे की डील

चतरा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए 15 लाख रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सदर थाना क्षेत्र के तुढाग जंगल में की गई, जहां तस्कर एक लग्जरी आई-20 कार के जरिए ब्राउन शुगर की बड़ी खेप खपाने की तैयारी में थे।

पुलिस के अनुसार, यह डील गुप्त रूप से जंगल में की जा रही थी ताकि किसी को भनक न लगे। लेकिन पुलिस की सतर्कता ने तस्करों की योजना पर पानी फेर दिया। इस कार्रवाई को चतरा पुलिस की अब तक की बड़ी नशा विरोधी कार्रवाई माना जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि तुढाग जंगल में आई-20 कार के जरिए नशीले पदार्थों की बड़ी डील होने वाली है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ संदीप सुमन और सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहले से ही घेराबंदी कर ली।

जैसे ही पुलिस ने दबिश दी, वहां मौजूद अपराधियों में अफरा-तफरी मच गई और वे भागने की कोशिश करने लगे। हालांकि, मुस्तैद पुलिस बल ने चारों तरफ से घेरकर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते हुए पांचों तस्करों को मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया।

पकड़े गए तस्करों की तलाशी लेने पर उनके पास से 31.19 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की आई-20 कार (नंबर JH02BH-1938) और पांच स्मार्ट मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इस संबंध में सदर थाना में कांड संख्या 06/2026 दर्ज किया गया है।

पत्नी ने प्रेमी संग रची खौफनाक साजिश

सेल्स मैनेजर पति की कर दी हत्या, पति को पत्नी के अवैध संबंध की थी जानकारी

गुमला, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला जिले में पत्नी द्वारा अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिसई थाना क्षेत्र के मुकुंदा गांव स्थित सोंगरा पहाड़ कोना जंगल से 36 वर्षीय बुधराम तिर्की का शव बरामद किया गया है। मृतक गुमला टेक्सटाइल में सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत था।

पुलिस के अनुसार हत्या की साजिश खुद मृतक की पत्नी रांथी देवी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रची। सिसई थाना के एसआई अरुण कुमार सिंह ने शव को कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।

ममता का आरोप- चुनाव आयोग वॉट्सऐप पर चलाया जा रहा

बोलीं- एसआईआर के दौरान मौतों के मामले में कोर्ट जाएंगे, मैं ट्रेंड वकील, खुद पैरवी करूंगी

पश्चिम बंगाल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) के दौरान हुई मौतों के मामले में कोर्ट जाएंगी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को इसे लेकर अर्जी दायर की जाएगी। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग वॉट्सऐप पर चलाया जा रहा है।

दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में रैली में ममता ने दावा किया कि जब से एसआईआर शुरू हुई है, डर के मारे करीब 70 लोगों की मौत हो चुकी है और कई अस्पताल में भर्ती हैं।

ममता ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट में वकील के तौर पर नहीं बल्कि एक आम नागरिक के तौर पर पेश होने की अनुमति मांगेगी। बोलीं- जरूरत पड़ने पर मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगी और जनता के लिए पैरवी करूंगी। मैं जनता की आवाज बनूंगी। ममता ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने कानूनी शिक्षा प्राप्त की है।

ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा, अगर लोगों के अधिकार छीन लिए गए, तो आप भी गायब हो जाएंगे, गायब हो जाइए कुमार।

ममता ने आरोप लगाया कि गंभीर रूप से बीमार लोगों को भी एसआईआर के दौरान मतदान केंद्र पर वैधता साबित करने के लिए कतारों में खड़ा किया गया। दो महीनों में लगभग 70 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या किसी का दिल नहीं दुखता? अगर आपकी 85 वर्षीय मां को एम्बुलेंस में घसीटा जाए, तो दिल्ली के नेता क्या जवाब देंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्लास्टर लगे पैरों वाले लोगों, हाल ही में अस्पतालों से छुट्टी पाए लोगों और बुजुर्गों को सुनवाई में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या नाम हटाने का आदेश देने वालों के पास खुद के माता-पिता के प्रमाण पत्र हैं।

क्या देश में बंगाली बोलना अपराध बन गया है?

ममता ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रोसेस में बिना वैध कारणों के बिना मनमाने ढंग से मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। विधानसभा चुनावों से पहले एसआईआर लोगों को डराने की प्रोसेस बन गई है।

ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले मजदूरों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। ममता ने कहा, मैं चुनौती देती हूं कि वे चाहे मुझे जान से मार दें लेकिन मैं अपनी मातृभाषा बोलना बंद नहीं करूंगी।

ममता ने यह भी पूछा कि क्या देश में बंगाली बोलना अपराध बन गया है? सीएम ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले लोगों को लुभाने के लिए प्रलोभन देती है और चुनाव जीतने के बाद दमनकारी कार्रवाई करती है।

शराब घोटाला: निरंजन दास समेत 30 आबकारी अफसरों की संपत्ति कुर्क

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। तत्कालीन आबकारी आयुक्त आईएएस निरंजन दास समेत 30 आबकारी अधिकारियों की करीब 38.21 करोड़ की संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत की गई है।

जांच एजेंसी के मुताबिक शराब घोटाले के चलते छत्तीसगढ़ के आबकारी खजाने को करीब 2,800 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है। एजेंसी का दावा है कि यह आंकड़ा जांच में सामने आए नए तथ्यों और मनी ट्रेल के आधार पर तय किया गया है। आगे जांच बढ़ने के साथ ही इसमें और बढ़ोतरी की संभावना है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि घोटाले के जरिए सरकारी सिस्टम को दरकिनार कर अवैध वसूली और काले धन को संपत्ति और निवेश में खपाया गया। कुर्क की गई संपत्तियों में बड़ी संख्या में चल और अचल संपत्तियां शामिल हैं। अब तक एजेंसी कुल 275 चल अचल संपत्तियों को जब्त कर चुकी है। इनमें आलीशान बंगले, पॉश कॉलोनियों में फ्लैट, व्यवसायिक परिसर की दुकानें और बड़ी मात्रा में कृषि भूमि शामिल हैं। वहीं, चल संपत्तियों में करोड़ों रुपए की सावधि जमा, कई बैंक खातों में जमा रकम, जीवन बीमा पॉलिसियां, शेयर और म्यूचुअल फंड में किया गया निवेश शामिल बताया गया है।

जांच एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार ये सभी संपत्तियां शराब घोटाले से अर्जित अवैध आय से खरीदी गई थीं। इस मामले में कई वरिष्ठ अधिकारियों और कारोबारियों की भूमिका की भी जांच चल रही है। ईडी ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़ी कार्रवाई हो सकती है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है।

लोरमी-राजघराने के बेटे ने एटीआर कोर जोन में की फायरिंग

जीजा संग लहराया हथियार, प्रतिबंधित क्षेत्र में जलाई आग, 3 गिरफ्तार, नाबालिग फरार

मुंगेली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में स्थित अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के कोर एरिया में 4 हथियारबंद युवक घुस गए। वहां फायरिंग करते हुए वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। प्रतिबंधित क्षेत्र में युवकों ने आग भी जलाई। दबंग और शिकारी के अंदाज में पोज मारकर फोटो खिंचवाई।

वायरल वीडियो में म्यूजिक और पुलिस सायरन बजते भी सुनाई दे रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए बैरियर गार्ड को हटा दिया है। रेंजर को नोटिस जारी किया है। वहीं वन विभाग ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक नाबालिग आरोपी फरार है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अजीत दास (26), अनिकेत मौर्य (27), विक्रांत वैष्णव (32) शामिल है। आरोपियों से 2 एयर राइफल और एक टाटा सफारी वाहन जब्त किया गया है। अजीत दास लोरमी राजघराने का बेटा है। विक्रांत वैष्णव अजीत का जीजा है। बाकी आरोपी उसके दोस्त बताए जा रहे हैं। जब्त की गई टाटा सफारी गाड़ी अजीत दास की है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अक्सर एटीआर के कोर जोन में जाते थे, लेकिन इस बार रीलबाजी के चक्कर में फंस गए।

वायरल वीडियो के मुताबिक 4 हथियारबंद युवकों ने जांच नाके में भी दबंगई करते हुए शूट किया है। जिस नाबालिग युवक ने वीडियो शूट किया है वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। हालांकि, वीडियो में दिख रहे तीनों युवकों को पकड़ा गया है।

वीडियो वायरल होने के बाद वन्यजीव प्रेमियों ने नाराजगी जताई है। बता दें कि एक जनवरी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में घूमने आने वाले सैलानियों की संख्या काफी बढ़ गई है।

बफर को छोड़कर कोर जोन में शाकाहारी और मांसाहारी वन्यप्राणियों के अलावा टाइगर भी हैं। जानकारी के अनुसार सुरही और जाखड़बांधा वन परिक्षेत्र के कोर जोन में ये वीडियो बनाया गया है। वीडियो में युवक बेखौफ होकर फायरिंग करते दिख रहे हैं, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन है।

लातेहार कोर्ट परिसर में चोरी से मचा हड़कंप

लातेहार, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लातेहार शहर के बीचो-बीच स्थित कोर्ट परिसर में रविवार रात चोरों ने बेखौफ होकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने परिसर में स्थित दो दुकानों को निशाना बनाते हुए ताले तोड़ दिए, जबकि एक तीसरी दुकान का ताला तोड़ने के बावजूद वे अंदर प्रवेश नहीं कर सके। एक स्टांप वेंडर की दुकान से करीब चार हजार रुपए नकद चोरी कर लिए गए, जबकि दूसरी दुकान से जरूरी कागजात गायब पाए गए। कोर्ट परिसर जैसे संवेदनशील और सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्र में चोरी की घटना से दुकानदारों और आम लोगों में दहशत का माहौल है। स्टांप वेंडर रिजवान अख्तर की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने गल्ले में रखे करीब तीन से चार हजार रुपए नकद चुरा लिए।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात दोहराई

कहा– देश की सुरक्षा के लिए जरूरी, डेनमार्क पीएम बोलीं– धमकियां देना बंद करें अमेरीकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर अमेरिका का नियंत्रण चाहने की बात दोहराई है। इससे डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं में गुस्सा भड़क गया है।

ट्रम्प ने सोमवार को एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड बहुत जरूरी है और वहां रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी चिंता की बात है। इससे पहले द अटलांटिक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में भी ट्रम्प ने कहा था कि रक्षा के लिहाज से ग्रीनलैंड अमेरिका को चाहिए।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सेन ने ट्रम्प की इस टिप्पणी पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा कि अमेरिका का ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात करना पूरी तरह बेतुकी है। वहीं ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने भी ट्रम्प की टिप्पणियों को गलत और अपमानजनक बताया।

अमेरिकी सेना के वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाने के बाद यह विवाद और गहरा गया है। मादुरो पर ड्रग तस्करी के आरोपों में मुकदमा चलाया जाएगा।

डेनमार्क पीएम बोली- अमेरिका के पास डेनिश साम्राज्य हड़पने का अधिकार नहीं है

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोई जरूरत नहीं है और न ही उसके पास डेनिश साम्राज्य के किसी भी हिस्से को हड़पने का कोई अधिकार है।

फ्रेडरिक्सेन ने ट्रम्प से करीबी सहयोगी देश के खिलाफ धमकियां देना बंद करने की अपील की और याद दिलाया कि ग्रीनलैंड के लोग खुद स्पष्ट कह चुके हैं कि वे बिकाऊ नहीं हैं।

डेनमार्क नाटो का सदस्य है और अमेरिका के साथ पहले से ही उसका रक्षा समझौता है, जिसके तहत ग्रीनलैंड में पहले से अमेरिकी पहुंच है।

ग्रीनलैंड पीएम बोले- हमारा देश बिकने वाला नहीं

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रीनलैंड को वेनेजुएला से जोड़कर सैन्य हस्तक्षेप की बात करते हैं, तो यह न केवल गलत है बल्कि हमारे लोगों के प्रति अनादर है।

नीलसन ने 4 जनवरी को बयान जारी कर कहा- मैं शुरू से ही शांत और स्पष्ट रूप से यह कहना चाहता हूं कि घबराहट या चिंता का कोई कारण नहीं है। केटी मिलर के पोस्ट से, जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में लिपटा हुआ दिखाया गया है, इससे कुछ भी नहीं बदलता।

नीलसन बोले, हम स्वतंत्र चुनावों और मजबूत संस्थानों वाला एक लोकतांत्रिक समाज हैं। हमारी स्थिति अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त समझौतों पर आधारित है। इस पर कोई सवाल नहीं है। ग्रीनलैंड सरकार शांतिपूर्वक और जिम्मेदारी से अपना काम जारी रखे हुए है।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के ठीक बाद व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी स्टीफन मिलर की पत्नी कैटी मिलर ने सोशल मीडिया पर ग्रीनलैंड का नक्शा अमेरिकी झंडे के रंग में रंगा हुआ पोस्ट किया। इससे यह विवाद और बढ़ गया।

मिलर ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा ₹जल्द ही₹। इससे ग्रीनलैंड और डेनमार्क में अमेरिकी कब्जे की आशंकाएं बढ़ गईं। ट्रम्प लंबे समय से ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की बात करते रहे हैं।

जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, खनिज संसाधनों और आर्कटिक क्षेत्र में रूस-चीन की गतिविधियों का हवाला दिया है।

यूएई के अबू धाबी में भीषण कार दुर्घटना

तीन भाई–बहनों समेत 4 भारतीयों की मौत

अबू धाबी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में रविवार तड़के हुई एक कार दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन भाई-बहन और एक उनकी घरेलू सहायिका शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, मरने वाला परिवार केरल का रहने वाला था। ये सभी लीवा फेस्टिवल में शामिल होने के बाद दुबई में अपने घर लौट रहे थे। तभी उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

दुर्घटना का शिकार हुई कार में आठ लोग सवार थे। इनमें माता-पिता के अलावा पांच बच्चे और एक नौकरानी शामिल थी। रिपोर्ट में गल्फ न्यूज से बातचीत के दौरान मृतकों के एक रिश्तेदार ने बताया कि दुर्घटना में दंपति के तीन बच्चों और उनकी नौकरानी की मौत हो गई।

वहीं, माता-पिता और दो अन्य भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हैं। जिंदा बचे लोगों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमला

खिड़कियां टूटीं, पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़ा, हमले का मकसद साफ नहीं

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ओहियो राज्य के सिनसिनाटी में स्थित घर में हमला हुआ है। सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके घर की खिड़कियां टूटी हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। वेंस के घर के पास रविवार रात 12:15 बजे किसी को भागते हुए देखा गया था।

अधिकारियों के मुताबिक, जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त जेडी वेंस और उनका परिवार घर पर मौजूद नहीं था। शुरुआती जानकारी में यह भी सामने आया है कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति उपराष्ट्रपति के घर के अंदर घुसने में सफल नहीं हुआ।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या यह घटना जानबूझकर जेडी वेंस या उनके परिवार को निशाना बनाकर की गई थी या इसके पीछे कोई और वजह है।

मामले को लेकर मीडिया ने व्हाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस से भी जानकारी मांगी गई है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

वेंस पिछले एक हफ्ते से सिनसिनाटी में थे, लेकिन रविवार दोपहर शहर से रवाना हो गए। उन्होंने घर पर लगभग 14 लाख डॉलर खर्च किए और यह लगभग 2.3 एकड़ में फैला हुआ है।

व्हाइट हाउस की वेबसाइट के मुताबिक जेडी वेंस अपने परिवार के साथ ओहियो के सिनसिनाटी शहर में रहते हैं। उनका जन्म 2 अगस्त 1984 को अमेरिका के ओहियो राज्य में एक स्कॉट-आयरिश फैमिली में हुआ था।

जेडी अपनी मां बेवर्ली एकिंस के दूसरे पति डोनाल्ड बोमन की संतान हैं। जब जेडी का जन्म हुआ, तब उनके माता-पिता तंगी से जूझ रहे थे। ऐसे में जेडी का बचपन गरीबी में बीता।

जब जेडी कुछ ही महीनों के थे, तो उनके पेरेंट्स का तलाक हो गया। इसके दो साल बाद बेवर्ली ने बॉब हैमेल से शादी की। इसी बीच पैसों की तंगी के कारण जेडी की मां बेवर्ली को ड्रग्स और शराब की लत लग गई।

ऐसे में जेडी ने अपना बचपन नाना जेम्स वेंस और नानी बोनी वेंस के साथ बिताया। अपने बचपन पर लिखी किताब 'हिलबिली एजेलीः ए मेमोयर ऑफ ए फैमिली एंड कल्चर इन क्राइसिस' में जेडी लिखते हैं, 'मुझे अपनी मां का बार-बार मकान बदलना पसंद नहीं था। मुझे नाना-नानी के घर में ही अच्छा लगता।' येल लॉ स्कूल में कानून की पढ़ाई दौरान जेडी को उषा चिलकुरी नाम की एक लड़की मिली।

रूस से भारत का तेल आयात घटने पर ट्रम्प बोले

मोदी ने यह मुझे खुश करने के लिए किया, वे जानते थे मैं नाखुश था

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के रूस से तेल आयात कम करने को लेकर बयान दिया है। ट्रम्प ने कहा है कि भारत ने यह फैसला उन्हें खुश करने के लिए लिया।

ट्रम्प ने कहा, वे मुझे खुश करना चाहते थे। प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वह जानते थे कि मैं खुश नहीं था, इसलिए मुझे खुश करना जरूरी था। हम व्यापार करते हैं और उन पर टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बन गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन पर हो रहे हमलों को फंड कर रहा है। इसे लेकर ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 25% टैरिफ भी लगाया था।

भारतीय राजदूत ने 25% टैरिफ हटाने की अपील की

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि वह करीब एक महीने पहले भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के घर गए थे। उस मुलाकात में सबसे ज्यादा चर्चा भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने को लेकर हुई थी। उन्होंने बताया कि भारतीय राजदूत ने उनसे राष्ट्रपति ट्रम्प तक यह संदेश पहुंचाने को कहा था कि भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा 25 प्रतिशत टैरिफ हटाया जाए। लिंडसे ग्राहम के मुताबिक, भारत अब पहले के मुकाबले रूस से काफी कम मात्रा में तेल खरीद रहा है। इस मुद्दे को बातचीत में प्रमुख रूप से उठाया गया।

भारत ने 4 साल बाद रूस से तेल आयात कम किया

भारत ने 2021 के बाद पहली बार रूस से कच्चे तेल का आयात घटाया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रूसी तेल आयात नवंबर में करीब 17.7 लाख बैरल प्रति दिन था, जो दिसंबर में घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है। आने वाले समय में यह 10 लाख बैरल प्रति दिन से भी नीचे जा सकता है।

जनवरी में आने वाले आंकड़ों में भारत के रूसी तेल आयात में बड़ी गिरावट दिख सकती है। नवंबर 21 से रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हुए हैं। इसके बाद भारत का रूस से तेल आयात घटने लगा है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने 20-25 डॉलर प्रति बैरल सस्ता क्रूड ऑयल बेचना शुरू किया। तब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल थी, ऐसे में ये छूट भारत के लिए किफायती थी।

हालांकि अब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 63 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। रूस ने भी अपनी छूट घटाकर 1.5 से 2 डॉलर प्रति बैरल कर दी है। इतनी कम रियायत में भारत को पहले जैसा फायदा नहीं मिल रहा, ऊपर से रूस से तेल लाने में शिपिंग और बीमा खर्च भी ज्यादा पड़ता है।

इसी वजह से भारत अब दोबारा सऊदी, यूएई और अमेरिका जैसे स्थिर और भरोसेमंद सप्लायर्स से तेल खरीद रहा है, क्योंकि अब कीमत में पहले जैसा बड़ा अंतर नहीं बचा। अमेरिका अब तक भारत पर 50% टैरिफ लगा चुका है। इसमें से 25% 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' और 25% टैरिफ रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है।

जनरल मामादी डूम्बूया का अगला राष्ट्रपति बनना तय

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी जीत को बरकरार रखा

गिनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गिनी के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को जनरल मामादी डूम्बूया की चुनावी जीत को बरकरार रखा। इसके साथ ही गिनी में तख्तापलट करने के चार साल बाद उनका लोकतांत्रिक रूप से राष्ट्रपति के रूप में सत्ता में आना तय हो गया।

चुनाव आयोग के मुताबिक, डूम्बूया ने 2021 के तख्तापलट के बाद हुए देश के पहले चुनाव में 86.7 फीसदी वोट हासिल किए। विश्लेषकों ने पहले राजधानी कोनाक्री में उनकी जीत संभावना जताई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि कर दी। रविवार देर रात अपने संबोधन में डूम्बूया ने कहा, आज न कोई विजेता है और न कोई हारने वाला। पूरा गिनी एक है, जो एकजुट और अटूट है। उन्होंने नागरिकों से शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण, साझा समृद्धि वाला और पूरी तरह से राजनीतिक व आर्थिक संप्रभुता वाला नया गिनी बनाने का आह्वान किया। दूसरे स्थान पर रहे येरो बाल्डे को 6.59 फीसदी वोट मिले। उन्होंने चुनाव आयोग पर डूम्बूया के पक्ष में नतीजों में हेरफेरी का आरोप लगाया था और याचिका दायर की थी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एक दिन पहले उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली थी। यह चुनाव नए संविधान के तहत 28 दिसंबर को कराया गया था, जिसमें सैन्य नेतृत्व के चुनाव लड़ने पर लगी रोक हटा दी गई और राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच साल से बढ़ाकर सात साल कर दिया गया। आलोचकों का कहना है कि 2021 के तख्तापलट के बाद से डूम्बूया ने राजनीतिक विरोधियों पर सख्ती की है, जिसके कारण चुनाव में शामिल आठ अन्य उम्मीदवारों में से कोई भी बड़ा विपक्षी नहीं रह गया।

पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी के राजनीतिक विश्लेषक एन फाली गुइलावोगुई ने कहा कि कमजोर विपक्ष के कारण मामादी डूम्बूया ही राज्य में स्थिरता सुनिश्चित करने वाले मुख्य नेता के रूप में उभरे।

उन्होंने यह भी कहा कि गिनी के लोग अब इसका इंतजार कर रहे हैं कि वह राजनीतिक स्थिरता के लिए क्या कदम उठाते हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम के मुताबिक, दुनिया का सबसे बड़ा बॉक्साइट निर्यातक होने और समृद्ध खनिज संसाधन होने के बावजूद गिनी की 1.5 करोड़ से अधिक आबादी में से आधे से ज्यादा लोग अत्यधिक गरीबी और खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

बांग्लादेश कोर्ट का बड़ा फैसला

हसीना के खिलाफ देशद्रोह मामले में 21 जनवरी को सुनवाई

ढाका, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ देशद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए 21 जनवरी की तारीख तय की है। स्थानीय न्यूज पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने दिसंबर 2024 में 'जॉय बांग्ला ब्रिगेड' नाम के एक ग्रुप की वर्चुअल मीटिंग में हिस्सा लिया था, जिसके दौरान उन्होंने कथित तौर पर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश रची थी।

अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो के बेटे बोले- इतिहास बताएगा गद्दार कौन?

यूएस की कार्रवाई के बीच ऑडियो वायरल

काराकस, 5 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला पर बड़ी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद निकोलस मादुरो के बेटे निकोलस मादुरो गुएरा का बयान सामने आया है। स्थानीय दैनिक एल-कोऑपरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार निकोलस मादुरो गुएरा ने कहा कि इतिहास बताएगा कि गद्दार कौन हैं? गुएरा का यह बयान अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद आया है। दरअसल अमेरिकी सैना ने उनके पिता और प्रथम महिला सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके साथ ही उन्हें मुकदमे का सामना करने के लिए न्यूयॉर्क लाया गया है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में, मादुरो गुएरा ने सत्तारूढ़ आंदोलन के भीतर संभावित विश्वासघात की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इतिहास उन लोगों को बेनकाब करेगा, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। इतिहास बताएगा कि गद्दार कौन थे, इतिहास इसका खुलासा करेगा। इसके साथ ही उन्होंने भीतर एक आंतरिक साजिश की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला (पीएसयूवी) के सदस्य मादुरो गुएरा ने कहा कि हाल के घटनाक्रमों के बावजूद पार्टी एकजुट रहेगी।

उन्होंने समर्थकों से 4 और 5 जनवरी को सार्वजनिक प्रदर्शनों में भाग लेने का आह्वान किया। ताकि नेतृत्व के इर्द-गिर्द एकजुटता को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बाहरी आक्रमण का जवाब देने के लिए राजनीतिक और सैन्य समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निकोलस मादुरो इस समय अमेरिकी हिरासत में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन विभाजन या मनोबल में कमी की अनुमति नहीं देगा।

एल-कोऑपरेटिव ने रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग में कहा कि सत्ताधारी खेमा दृढ़ है और लामबंद होने के लिए तैयार है।

हम ठीक हैं, हम शांत हैं। आप हमें सड़कों पर, इन लोगों के साथ देखेंगे। वह हमें कमजोर देखना चाहते हैं। हम सम्मान के झंडे बुलंद करेंगे। क्या इससे हमें दुख होता है? बिल्कुल दुख होता है, बिल्कुल गुस्सा आता है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाएंगे, धिक्कार है! मैं अपनी जिंदगी, अपनी मां, सिलिया की कसम खाता हूं वह ऐसा नहीं कर पाएंगे। इस बीच, निकोलस मादुरो और सिलिया फ्लोरेस अमेरिकी हिरासत में हैं।

ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति को धमकी दी

कहा– हमारी बात नहीं मानी तो और बुरा हाल करेंगे, यूएनएससी में इमरजेंसी मीटिंग

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को बुरा हाल करने की धमकी दी है।

ट्रम्प ने कहा, 'अगर डेल्सी वह नहीं करतीं जो वेनेजुएला के लिए अमेरिका सही मानता है, तो उनका हाल मादुरो से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।'

ट्रम्प ने यह बात द अटलांटिक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में कही है। इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था अगर रोड्रिग्ज अमेरिका की बात मान लेती हैं तो वेनेजुएला में अमेरिकी सेना तैनात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वहीं, रोड्रिग्ज ने मादुरो को सत्ता से हटाने की आलोचना की है। साथ ही अमेरिका से मादुरो को वापस भेजने की मांग की है।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद आज यूएनएससी की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई है। इसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को हिरासत में लेने की वैधता पर चर्चा होगी।

वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने अमेरिका से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के साथ विकास और शांति के लिए सहयोग का एजेंडा बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, हमारे लोग युद्ध नहीं, शांति और बातचीत के हकदार हैं। यही संदेश राष्ट्रपति मादुरो का हमेशा रहा है और आज पूरे वेनेजुएला का भी यही संदेश है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को आज मैनहैटन की फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा। मादुरो पर अमेरिका में हथियार और ड्रग तस्करी के आरोप हैं।

शनिवार को मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस को भी केस में शामिल किया गया है। उन पर अपहरण और हत्याओं के आदेश देने का आरोप लगाया गया है।

पाकिस्तान को वादा तो निभाना पड़ेगा

चीन ने घर बुलाकर किया इशाक डार को जलील, बलूचों का दिखा खौफ

बीजिंग, 5 जनवरी (एजेंसियां)। चीन से संबंधों को बेहतर करने की कोशिश के तहत पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार इस समय बीजिंग में हैं। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी समेत कई बड़े नेताओं से मुलाकात की है।

हालांकि उनको अपनी कोशिशों में पूरी कामयाबी मिलती नहीं दिख रही है। चीन ने अमेरिका की इस्लामाबाद में बढ़ती पैठ, सीपीईसी की धीमी रफ्तार और पाकिस्तानी में चीनी निवेश और नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा डार के सामने उठाया है। चीन ने डार से दो-टूक कह दिया है कि पाकिस्तान इन सब मुद्दों पर किए गए अपने वादे से भाग नहीं सकता है। इस्लामाबाद को अपनी प्रतिबद्धता हर हाल में निभानी होगी। चीन ने पाकिस्तान को चीन-पाकिस्तान के इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के तहत लंबे समय से अटके वादों को पूरा करने का रिमाइंडर दिया है। चीन ने अपने कर्मियों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर में देरी और फ्लैगशिप बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट के 11 साल बाद भी ठोस नतीजों की कमी पर इशाक डार के सामने चिंता जताई है।

सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि बीजिंग में पाकिस्तान-चीन विदेश मंत्रियों की रणनीतिक बातचीत में चीनी अधिकारियों ने खासतौर से बलूचिस्तान में सीपीईसी प्रोजोक्ट में धीमी प्रगति और ऑपरेशनल कमियों पर असंतोष जताया। बीजिंग ने कहा कि सीपीईसीकी मुख्य संपत्तियां अभी भी काम नहीं कर रही हैं। इसमें ग्वादर पोर्ट, ग्वादर एयरपोर्ट और सड़क कनेक्टिविटी शामिल है।

चीनी अधिकारियों ने बताया कि ग्वादर को सुक्कुर से जोड़ने वाला मोटरवे अधूरा है। ग्वादर बंदरगाह सीपीईसी की नींव है लेकिन यह पूरी तरह चालू नहीं हो पाया है। नया ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी यात्रियों और कार्गो ट्रैफिक को आकर्षित करने में नाकाम है। इसमें सुरक्षा भी एक अहम वजह रही है। चीन को लगता है कि ये सब सीपीईसी के आर्थिक पहलू को कमजोर कर रहा है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी की ट्रोलिंग, 10 लोगों को सजा

पेरिस, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस की एक अदालत ने सोमवार को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी और फ्रांस की फर्स्ट लेडी ब्रिगिट मैक्रों के खिलाफ ऑनलाइन उत्पीड़न के आरोप में दस लोगों को दोषी ठहराया है। ब्रिगिट मैक्रों ने 2024 में इस ऑनलाइन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। ये लोग सोशल मीडिया पर झूठी अफवाहें फैला रहे थे कि ब्रिगिट मैक्रों पुरुष के रूप में जन्मी थीं और उनका नाम जीन-मिशेल ट्रोगन्यूक्स था, जो असल में उनके बड़े भाई का नाम है। इन दस लोगों में आठ पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं, जिनकी उम्र 41 से 65 साल के बीच है। तीन लोग अदालत में मौजूद नहीं थे। अदालत ने उन्हें अलग-अलग सजाएं सुनाईं। दोषियों को 8 महीने की जेल सजा और 63 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। ब्रिगिट मैक्रों की बेटी टिफेन ऑजियर ने गवाही दी कि इन अफवाहों से उनकी मां की सेहत और पूरे परिवार पर बुरा असर पड़ा है।

दुनियाभर की महिलाओं में डेनमार्क से स्पर्म खरीदने की होड़

'वाइकिंग बेबी' की चाहत से पैदा हुआ बड़ा खतरा

कोपेनहेगन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे खुशहाल और खूबसूरत देशों में शुमार डेनमार्क हालिया समय में एक अलग वजह से चर्चा में है। डेनमार्क ऐसा देश है, जहां हर 100 बच्चों में से एक बच्चा स्पर्म डोनेशन से पैदा होता है। दुनिया को स्पर्म निर्यात करने में भी 60 लाख की आबादी वाला यह स्कैंडिनेवियाई देश पावरहाउस माना जाता है। हालांकि इस इंडस्ट्री पर हालिया समय में कई सवाल उठे हैं। इस इंडस्ट्री के सियाह पहलू भी सामने आ रहे हैं।

डेनमार्क कई देशों में स्पर्म स्पर्म सप्लाई करता है। दुनियाभर की महिलाओं को डेनमार्क के गोरे, नीली आंखों वाले डोनर की तलाश रहती है। इसका फायदा उठाते हुए डेनमार्क की स्पर्म इंडस्ट्री दुनिया को 'वाइकिंग स्पर्म' निर्यात करती है, जिससे खूबसूरत स्वस्थ बच्चे (वाइकिंग बेबी) पैदा हो सकें। इस इंडस्ट्री के सियाह पहलू का खुलासा तब हुआ, जब एक ऐसा डोनर 197 बच्चों का पिता बन गया, जिसमें कैंसर का म्यूटेशन था।

वायनेट के मुताबिक, एक हालिया जांच रिपोर्ट ने डेनमार्क की स्पर्म इंडस्ट्री के काले सच को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है ति एक डोनर ने 14 देशों की 67 क्लीनिकों के जरिए कम से कम 197 बच्चों को जन्म दिया।

इन सभी बच्चों में एक जेनेटिक म्यूटेशनहै, जो एक जानलेवा कैंसर से जुड़ा है। इनमें से कुछ बच्चों की मौत भी हो चुकी है।

इस स्पर्म डोनर व्यक्ति ने 2005 में डोनेशन शुरू किया था और 17 साल तक जारी रखा। इससे जिन बच्चों को यह म्यूटेशन मिला है, उन्हें कैंसर का खतरा है और उनकी लगातार मेडिकल निगरानी की जरूरत है। यह मामला तेजी से बढ़ते इस उद्योग पर बड़े सवाल खड़े करता है। खासतौर से स्पर्म डोनेशन को कैसे रेगुलेट किया जाता है, इस पर सवाल है। यूरोप के स्पर्म डोनेशन बाजार को करीब 1.3 अरब यूरो का है, जिसके 2033 तक 2.3 अरब यूरो का हो जाने की उम्मीद है। वहीं डेनमार्क दुनिया का सबसे बड़ा स्पर्म एक्सपोर्टर है। डेनमार्क स्थित क्रायोस इंटरनेशनल दुनिया का सबसे बड़ा स्पर्म बैंक है।

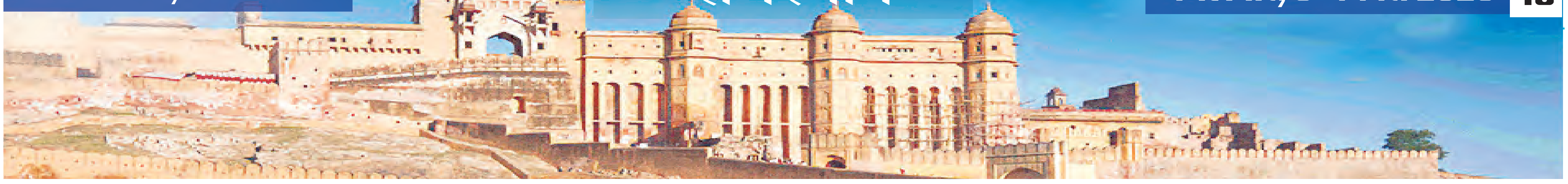

गधों को गुलाब जामुन खिलाकर किसानों का प्रदर्शन

खाद के बैग को श्रद्धांजलि दी; बोले- कमीशन के लालच में अफसर कालाबाजारी करवा रहे

उदयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में आज एक अनूठा प्रदर्शन किया गया। गधों को फूल माला पहनाई गई। इसके बाद गुलाब जामुन खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। खाद के बैग की तस्वीर को तरह कुर्सी पर रखा। किसानों ने इस तरीके से विलाप किया, जैसे किसी के शोक में करते है। तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। यूरिया खाद की किल्लत से परेशान किसानों ने आज व्यंग्यात्मक तरीके से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई। मेवाड़ किसान संघर्ष समिति के बैनर तले यह विरोध कृषि विभाग ऑफिस के बाहर हुआ था।

किसानों ने बताया कि तय नियमों के अनुसार एक पॉश मशीन से किसी भी किसान को 10 बैग दिए जा सकते हैं, लेकिन दुकानदार पॉश मशीन से पर्ची नहीं दे रहे हैं। किसान को भी नहीं पता कि उसके नाम से कितने बैग उठाए जा रहे हैं।

किसानों ने बताया कि तय नियमों के अनुसार एक पॉश मशीन से किसी भी किसान को 10 बैग दिए जा सकते हैं, लेकिन दुकानदार पॉश मशीन से पर्ची नहीं दे रहे हैं। किसान को भी नहीं पता कि उसके नाम से कितने बैग उठाए जा रहे हैं।

मेवाड़ किसान संघर्ष समिति के संयोजक विष्णु पटेल ने बताया- किसानों की खाद की जरूरत के समय कालाबाजारी हो रही है। सरकार की ओर से तय 277 रुपए प्रति बैग के बजाय 450 से 500 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। यह सब अफसरों की श्रेय पर हो रहा है, उन्हें सिर्फ कमीशन का लालच है।

पटेल ने बताया- सरकार की ओर से लाइसेंस प्राप्त गोदामों में 100 बैग ही पहुंच रहे हैं जबकि 150 बैग अन्य जगहों पर भेजकर कालाबाजारी की जा रही है। स्थिति यह है कि कोई किसान सिर्फ 2 बैग ले रहा है जबकि उसके नाम पर 10 बैग चढ़ाए जा रहे हैं। किसानों के मोबाइल पर मैसेज तक नहीं आ रहे हैं।

सह-संयोजक मदनलाल डांगी ने बताया- अधिकारियों की शह पर खाद की कालाबाजारी हो रही है। अफसरों तक कमीशन पहुंच रहा है और किसान खून के आंसू पीने को मजबूर हैं। सरकार के पास कृषि भूमि, फसल और संभावित उत्पादन की पूरी जानकारी होने के बावजूद हर साल रबी और खरीफ फसलों के समय ऐसी दिक्कत क्यों आती है, यह सवाल बना हुआ है।

समिति ने मांग की है कि खाद वितरण के लिए भी राशन वितरण की तर्ज पर समिति बनाकर किसानों को खाद उपलब्ध करवाई जाए। पॉश मशीन से हर खरीद की स्लिप दी जाए और किसी भी किसान को उसकी कृषि भूमि के आधार पर ही खाद दी जाए।

प्रदर्शन के बाद समिति ने कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक सुधीर वर्मा को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले भी 20 दिन पूर्व समिति के लोग जिला कलेक्टर और एसडीएम को ज्ञापन दे चुके हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सरकार ने इस मामले पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन किया जाएगा। उदयपुर में यूरिया खाद की किल्लत पिछले 40-45 दिनों से हैं। लंबी-लंबी लाइनों में लगने के बावजूद किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है। सरकार लाइसेंस प्राप्त दुकानों पर खाद पर डिमांड का 50 फीसदी खाद ही मिल पा रहा है। किसान 4 बैग मांगते हैं लेकिन 2 बैग ही दिया जा रहा है। उदयपुर जिले में 3 से 4 लाख से ज्यादा किसान प्रभावित हो रहे हैं। पिछले दिनों उदयपुर की कृषि मंडी में लॉटरी से किसानों खाद वितरण की नौबत आई थी।

डिजिट रजिस्ट्रेशन घोटाले में एफआईआर

500 करोड़ के 'खेल' में जयपुर आरटीओ ने 39 को बनाया आरोपी

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित 7 डिजिट रजिस्ट्रेशन नंबर के करीब 500 करोड़ रुपए के घोटाले के मामले में पहली एफआईआर दर्ज हो गई है। जयपुर आरटीओ राजेंद्र सिंह शेखावत ने जयपुर के गांधी नगर पुलिस थाने में 39 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इस एफआईआर में आरटीओ की ओर से आरोप लगाए गए हैं कि सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मनमाने नंबर अवैध तरीके से आवंटित किए गए। कई सरकारी अफसरों और कर्मचारियों ने पद का दुरुपयोग कर राजकोष को बड़ी हानि पहुंचाई है। मामले की जांच गांधी नगर थानाधिकारी कर रहे हैं।

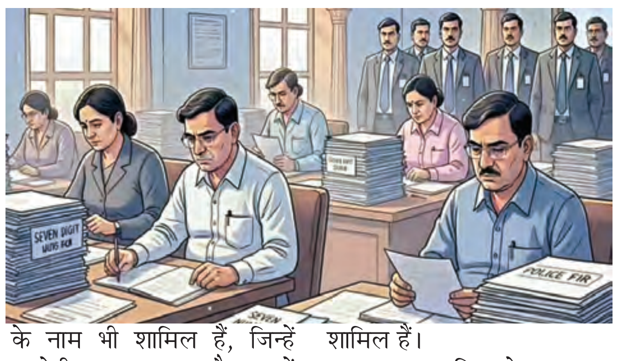

जयपुर आरटीओ की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में परिवहन विभाग के बड़े अफसरों के नाम भी शामिल हैं, जिन्हें आरोपी बनाया गया है। इनमें परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त धर्मपाल आसीवाल, आरटीओ इन्दु मीणा, एआरटीओ प्रकाश टहलियानी, डीटीओ संजय शर्मा, डीटीओ सुनील सैनी, डीटीओ संजीव भारद्वाज, संस्थापन अधिकारी राज सिंह चौधरी, वरिष्ठ सहायक अयूब खान, लिपिक जहांगीर खान, सुरेश तनेजा, कपिल भाटिया सहित कुल दो दर्जन से अधिक सरकारी कर्मचारियों के नाम शामिल हैं।

राजस्थान पुलिस के बाद अब ईडी की भी एंट्री

करीब 500 करोड़ रुपए के इस घोटाले में अब ईडी की भी एंट्री हो चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने पूरे मामले को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत मानते हुए परिवहन विभाग और जयपुर आरटीओ से कई दस्तावेज मांगे हैं। पिछले दिनों ईडी की ओर से पत्र भेजकर दस्तावेज तलब किए गए थे। ईडी का मानना है कि इस मामले में बड़ा घोटाला हुआ है।

ईडी ने इन बिंदुओं पर मांगी रिपोर्ट

ईडी की ओर से परिवहन विभाग को भेजे गए पत्र में चार बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है। पत्र में 31 मार्च 2025 को गांधी नगर थाने में दर्ज हुई एफआईआर का हवाला दिया गया है। यह एफआईआर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर सुरेश तनेजा और प्रोग्रामर रामजी लाल मीणा के खिलाफ दर्ज कराई गई थी। ईडी ने यह भी पूछा है कि जिन 79 वाहनों से संबंधित गड़बड़ियां सामने आई हैं, उनसे राजकोष को कितना नुकसान हुआ। घोटाले में हुई अनियमितताओं का पूरा विवरण प्रस्तुत करने को कहा गया है।

इसके अलावा राजस्थान के सभी आरटीओ कार्यालयों से भी रिपोर्ट मांगी गई है कि उनके क्षेत्रों में 7 डिजिट रजिस्ट्रेशन से जुड़े कितने मामले सामने आए हैं।

बढ़ेगी ठंड, कई जिलों में शीतलहर-शीतदिन और घने कोहरे का आया येलो अलर्ट

कोटा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर, अलवर, सीकर, चूरू और अन्य क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 2 से 8 डिग्री कम दर्ज किया गया है। कोटा में अधिकतम तापमान 13.3 डिग्री तक गिर गया जो सामान्य से 8.8 डिग्री नीचे था। ठंड के कारण दिनभर के तापमान में भी भारी गिरावट आई है।

आने वाले दिनों में और बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग ने आगामी 72 घंटों के लिए ट्रिपल अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 6 से 8 दिसंबर तक शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान शीतलहर और शीतदिन की स्थिति और बिगड़ेगी खासकर सुबह के समय घना कोहरा और शीतलहर की संभावना ज्यादा है। तापमान में 1 से 2 डिग्री की और गिरावट हो सकती है।

बारां जिले में स्कूलों में छुट्टी घोषित

बारां जिले में शीतलहर की गंभीर स्थिति को देखते हुए आज (5 जनवरी) जिला प्रशासन ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी सीताराम गोयल ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया।

3 दिन ट्रिपल अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन शीतलहर, शीतदिन और घने कोहरे का ट्रिपल अलर्ट जारी किया है। जिसमें 6 दिसंबर को अलवर, बारां, भरतपुर, बूंदी, दौसा, डीग, धौलपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, चूरू, डीडवाना-कुचामन, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में येलो अलर्ट जारी किया है।

खजाना या इतिहास? देवरी में मिली देग ट्रेजरी के स्ट्रॉग रूम में डबल लॉक में जमा : बाहर पुलिस का पहरा; जांच के बाद खुलेगा राज

टोंक, 5 जनवरी (एजेंसियां)। निवाई उपखंड क्षेत्र के गांव देवरी में शनिवार को चरागाह भूमि में खुदाई के दौरान मिले देग का रहस्य अभी बरकरार है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा ने अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल को पत्र भेज दिया है। टोंक जिला कलक्टर के निर्देश मिलने के बाद ही देग को खोलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल देग को निवाई ट्रेजरी के स्ट्रॉन्ग रूम में सीलबंद कर सुरक्षित रखा गया है।

सूत्रों के अनुसार देग को खोलकर जांच करने के लिए पुरातत्व विभाग की टीम को बुलाया जाएगा। टीम की मौजूदगी में ही देग को खोला जाएगा, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि करीब दस फीट गहराई में खुदाई के दौरान मिली इस देग के पीछे की सच्चाई क्या है और इसका ऐतिहासिक या अन्य कोई महत्व है या नहीं।

ट्रेजरी के स्ट्रॉन्ग रुम के बाहर जवान तैनात

एसडीएम प्रीति मीणा ने बताया कि देवरी गांव में ग्रामीणों की मांग और स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए देग को पुलिस व प्रशासन की मौजूदगी में डबल लॉक कर स्ट्रॉन्ग रूम में रखवाया गया है। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर चौबीसों घंटे हथियारों से लैस दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। आगे की कार्रवाई के लिए जिला कलक्टर कार्यालय को अवगत करा दिया गया है और निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है।

खुदाई के दौरान देग मिलने से खजाने की चर्चाएं तेज

ज्ञात रहे कि शनिवार शाम खेतों के समीप चरागाह भूमि में गुलाब की पंखुड़ियां बिखरी होने और एक जोड़ी चप्पल दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने वहां लाश दबे होने की आशंका जताई थी। सूचना पर पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा और जेसीबी से खुदाई करवाई गई। खुदाई के दौरान देग मिलने से खजाने की चर्चाएं शुरू हो गई थीं और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे।

गांव में उत्सुकता और रहस्य का माहौल

देवरी गांव में उत्सुकता और रहस्य का माहौल बना रहा। कुछ लोगों ने उसी चरागाह भूमि में दोबारा खुदाई कर यह देखने का प्रयास किया कि कहीं और देग या कोई अन्य वस्तु तो नहीं दबी है,हालांकि वहां कुछ भी नहीं मिला। इसके बावजूद सैकड़ों लोग मौके पर एकत्रित होते रहे। पूरे दिन गांव और आसपास के क्षेत्र में शनिवार को मिली देग में खजाना होने सहित तरह-तरह की अफवाहें फैलती रहीं। भारी-भरकम खजाना मिलने की चर्चाओं ने लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी।

भीषण हादसा, खाटूश्यामजी दर्शन को जा रहे 3 श्रद्धालुओं की मौत

सीकर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर। राजस्थान में कोहरे के चलते एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सीकर जिले के रींगस-खाटूश्यामजी सड़क मार्ग पर देर रात सवारी गाड़ी और कार में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में 2 दोस्त सहित 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही रींगस पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस के मुताबिक हादसा चौमू पुरोहितान से संतोषपुर के बीच हुआ। कोहरे के चलते सवारी वाहन और कार में आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में सवारी वाहन चालक अजय देवंदा निवासी रींगस, कार सवार गौरव सैनी निवासी जयपुर तथा अजय सैनी निवासी सवाई माधोपुर शामिल हैं।

कार में चार से पांच श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन के लिए खाटूश्यामजी आ रहे थे, जबकि सवारी वाहन चालक यात्रियों को उतारकर रींगस की ओर लौट रहा था। हादसे में घायल 4 लोगों में से 3 को रींगस अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, एक को खाटूश्यामजी में प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया।

बीते छह वर्षों में रींगस-खाटूश्यामजी मार्ग पर करीब तीन दर्जन श्रद्धालुओं और वाहन चालकों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद पुलिस और परिवहन विभाग ने आज तक कोई ठोस और स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था लागू नहीं की। हर हादसे के बाद कुछ दिनों तक चालान और चेकिंग की औपचारिकता कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का साफ कहना है कि यदि अब भी सरकार और प्रशासन नहीं चेता तो रींगस–खाटूश्यामजी मार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने वाला नहीं है।

एसओजी की फर्जी केस से 49 लाख की ठगी

आरपीएस रितेश पटेल का सहयोगी ब्यावर से दबोचा

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महेश नगर थाना पुलिस ने स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की फर्जी एफआइआर बनाकर परिचित से 49 लाख की अवैध वसूली मामले में गिरफ्तार आरपीएस अधिकारी रितेश पटेल के सहयोगी इरफान खान को ब्यावर से दबोच लिया है। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर 7 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर लिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरपीएस अधिकारी रितेश पटेल खुद को भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) का अधिकारी दिखाने के लिए नकली पहचान पत्र रखता था। इतना ही नहीं, उसने कई लोगों को जाली पहचान पत्र भी बांटे। पटेल ने एटीएस और एसओजी टीमों के साथ मेघालय जाने के फर्जी आदेश तैयार किए थे, ताकि अपनी पहुंच और रसूख दिखा सके।

गृह राज्य मंत्री के जाली हस्ताक्षर कर 29 डीएसपी के स्थानांतरण की फर्जी अनुशंसा सूची तैयार करने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब इन सभी दस्तावेज की जांच कर रही है। रितेश के कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से भी सबूत जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इरफान खान (35) ब्यावर का रहने वाला है। वह ब्यावर में कोहिनूर स्क्रीन प्रिंटिंग की दुकान चलाता है। आरोपी पहले ब्यावर में डिप्टी रह चुका है, तभी से उसकी रितेश पटेल से पहचान है। इरफान ने फर्जी एफआइआर में शब्दों की मैचिंग का काम किया। रितेश पटेल ने एसओजी में पहले से दर्ज एफआइआर की कॉपी की नकल कर फर्जी एफआइआर तैयार की थी। इसके बाद इरफान की मदद से उसको एडिट कर शब्दों की समानता करवाई गई। एफआइआर को असली दिखाने के लिए एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के हस्ताक्षर भी कॉपी कर लगाए गए।

आरपीएस अधिकारी रितेश पटेल लंबे समय से विवादों में रहा है। उसके खिलाफ पहले से छह एफआइआर दर्ज हैं।

सड़क हादसे में बुजुर्ग दंपती की दर्दनाक मौत

महिला का सिर धड़ से अलग

जालोर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के आहोर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हो गया। सांचौर से करौली जा रही निजी बस अनियंत्रित होकर नीम के पेड़ से टकरा गई और सड़क किनारे पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में बस में सवार एक बुजुर्ग दंपती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 यात्री घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, टीआर जाणी की निजी बस सांचौर से रवाना हुई थी, जो जालोर, आहोर व जयपुर होते हुए करौली जा रही थी। देर रात आहोर थाना क्षेत्र के अगवरी गांव व गुड़ा बालोतान के बीच बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित नीम के पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 45 सवारियां मौजूद थीं।

दोनों के शव पूरी तरह क्षत-विक्षत

हादसा इतना भयावह था कि सांचौर क्षेत्र के लियादरा गांव निवासी एक बुजुर्ग दंपती बस के नीचे दब गए। दुर्घटना में बुजुर्ग व्यक्ति का पैर कट गया, जबकि महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। दोनों के शव पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने मंजर को दिल दहला देने वाला बताया।

घटना की सूचना मिलते ही आहोर थानाधिकारी करण सिंह पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। आहोर से एंबुलेंस सेवाएं तत्काल मौके पर पहुंचीं, वहीं सूचना मिलते ही जालोर से भी एंबुलेंस घटनास्थल के लिए रवाना की गई। जालोर से पहुंची एंबुलेंस में पायलट इक़बाल तथा एमटी गौतम गर्ग की तत्परता सराहनीय रही।

फायरिंग कांड के आरोपियों की गांव में कराई परेड

अलवर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नीमराणा क्षेत्र के रोडवाल गांव में हुई फायरिंग और दहशत फैलाने की घटना के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की। घटना का खुलासा होने के बाद नीमराणा पुलिस ने गिरफ्तार किए गए तीनों बदमाशों अंकित उर्फ शूटर, सोनू उर्फ बाबा और मनोज उर्फ लहरी की गांव में पुलिस परेड कराई। इस कार्रवाई का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा का विश्वास पैदा करना और अपराधियों को कानून सीखना रहा। पुलिस ने आरोपियों को उन्हीं रास्तों से जुलूस के रूप में निकाला, जहां उन्होंने बोलेरो गाड़ी को तेज गति से दौड़ाते हुए ग्रामीणों को धमकियां दी थीं और हवाई फायरिंग कर पूरे गांव में भय का माहौल बनाया था। जुलूस के दौरान आरोपियों को गांव के मुख्य मार्गों, सार्वजनिक रास्तों और घटनास्थलों से ले जाया गया, ताकि आमजन स्पष्ट रूप से यह संदेश देख सकें कि कानून व्यवस्था भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस परेड के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। पुलिस की सख्ती और निगरानी के चलते तीनों आरोपी जुलूस के दौरान हाथ जोड़कर ग्रामीणों से माफी मांगते नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र चौकी प्रभारी एसआई मनोहरलाल मीणा सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में शांति भंग करने, फायरिंग करने और आमजन में दहशत फैलाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

लॉरेंस गैंग ने मांगी 3 करोड़ की फिरौती

खाटूश्याम मंदिर कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष के बेटे को धमकी

सीकर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। विदेश में बैठे गैंगस्टरों द्वारा जिले के हाई प्रोफाइल लोगों को धमकी देने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में खाटूश्यामजी मंदिर कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष के बेटे को लॉरेंस गैंग की ओर से फिरौती की धमकी दी गई है।

खाटूश्यामजी मंदिर कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष कालूसिंह के बेटे मानवेंद्र सिंह चौहान ने खाटू पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 4 जनवरी को उन्हें विदेशी नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य हरि बॉक्सर बताया।

आरोपी ने मानवेंद्र को धमकी देते हुए कहा कि यदि कल शाम तक 3 करोड़ रुपए की व्यवस्था नहीं की गई तो जान से मार दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने यह भी कहा कि वह इस बात को हल्के में न लें, वरना घर आकर गोलियों और ग्रेनेड से हमला किया जाएगा। पीड़ित की रिपोर्ट पर खाटू पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस विदेशी नंबरों और कॉल डिटेल के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

गौरतलब है कि बीते करीब एक साल में सीकर और शेखावाटी क्षेत्र में कई लोगों को विदेश में बैठे गैंगस्टरों द्वारा धमकियां दी जा चुकी हैं। बताया जा रहा है कि गैंगस्टर स्थानीय नेटवर्क के जरिए नए युवकों को अपने साथ जोड़ते हैं और उनकी मदद से हाई प्रोफाइल लोगों की रेकी करवाकर विदेशी नंबरों से धमकी भरे कॉल करते हैं। फिलहाल पुलिस इस हाई प्रोफाइल मामले की गहनता से जांच कर रही है।

जर्जर स्कूल भवनों पर बड़ा फैसला: सुरक्षित पढ़ाई के लिए नजदीकी स्कूलों में शिफ्ट होंगे छात्र

दौसा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में जर्जर भवनों में संचालित हो रहे सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए बड़ा फैसला लिया गया है। ऐसे सभी स्कूलों को अस्थायी रूप से नजदीकी सुरक्षित विद्यालयों में शिफ्ट किया जाएगा। इस संबंध में प्रारंभिक शिक्षा (आयोजना) विभाग के संयुक्त शासन सचिव ने आदेश जारी कर दिए हैं। पूरे प्रदेश में इस व्यवस्था के तहत 1154 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक और 212 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को शिफ्ट किया जा रहा है। जिले में कुल 10 सीनियर सेकेंडरी और 42 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों की कक्षाएं अब पास के स्कूलों में संचालित होंगी। शिफ्ट किए गए विद्यालयों की उपस्थिति पंजिका और शैक्षणिक रिकॉर्ड अलग-अलग रखे जाएंगे। जिस स्कूल में कक्षाएं लगेंगी, उसके मुख्य द्वार पर दोनों विद्यालयों के नाम और पारी की स्पष्ट जानकारी अंकित की जाएगी। अधिशेष शिक्षक विद्यार्थियों की उपस्थिति, ठहराव और ड्रॉपआउट रोकने की जिम्मेदारी संभालेंगे। यदि समान कैडर के दो संस्था प्रधान हैं, तो रिक्त पद वाले अन्य विद्यालय में संस्था प्रधान का पदस्थापन किया जाएगा। व्यवस्था होने तक उनका वेतन यथावत जारी रहेगा। जर्जर भवन वाले विद्यालयों के सभी विद्यार्थियों को नजदीकी सुरक्षित भवन में पढ़ाया जाएगा।

जिन प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन 14 या उससे कम तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 29 या उससे कम है, वहां के विद्यार्थी पास के विद्यालय की कक्षाओं के साथ अध्ययन करेंगे। यदि कक्षावार नामांकन अधिक हुआ, तो विद्यालयों को दो पारियों में संचालित किया जाएगा। समान कक्षाएं एक ही पारी में चलाई जाएंगी, ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो।

बैठने की व्यवस्था, कक्षा-कक्ष, प्रयोगात्मक कार्य, परीक्षाएं, खेलकूद और अन्य सभी शैक्षणिक गतिविधियां सुव्यवस्थित रूप से संचालित होंगी। विद्यार्थियों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पहले की तरह मिलता रहेगा। यह पूरी व्यवस्था शीतकालीन अवकाश समाप्त होने से पहले लागू कर दी जाएगी, ताकि पढ़ाई में कोई बाधा न आए।

जानकारी के अनुसार जिले के 10 उच्च माध्यमिक विद्यालयों को नजदीकी विद्यालयों में दो पारियों में संचालित करने की अनुमति दी गई है। आदेशों के अनुसार महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बड़ियाल कलां को राउमावि बड़ियाल कलां में शिफ्ट किया गया है।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान

तेलंगाना में 'रोड सुरक्षा अभियान 2026' का शुभारंभ

2025 में तेलंगाना में 24,826 सड़क दुर्घटना मामले दर्ज

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (टीएसएलएसए) ने सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए 5 जनवरी से 9 जनवरी तक 'रोड सुरक्षा अभियान 2026' की शुरूआत की। यह अभियान जस्टिस राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं कार्यकारी अध्यक्ष, टीएसएलएसए पी. सैम कोशी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। अभियान के तहत जिला और मंडल स्तर के विधिक सेवा संस्थान स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता शिविर आयोजित कर छात्रों को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के महत्व के बारे में जानकारी देंगे। इस अवसर पर जस्टिस पी. सैम कोशी ने चिन्मया विद्याालय, कुंदनबाग, हैदराबाद में पोस्टर रिलीज कर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में एस.वी. राघवेंद्र राव, सहायक पुलिस आयुक्त, एस.आर.नगर, रामागिरी विद्या सागर, प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र एवं श्री च. पंचाक्षरी, सदस्य सचिव, टीएसएलएसए ने भाग लिया। छात्रों को सड़क नियमों का पालन करने, दुर्घटनाओं के कारणों और उनसे बचने के उपायों के बारे में समझाया गया। एस.वी. राघवेंद्र राव, सहायक पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी सावधानियां बरतकर और नियमों का पालन करके सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने जनता से अपील की कि वाहन नाबालिगों को न सौंपें और नियमों का पालन करें। जस्टिस पी. सैम कोशी ने छात्रों को 'रोड सुरक्षा प्रतिज्ञा' दिलाई और कहा कि 5 से 10 जनवरी तक पूरे राज्य में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाएगा। 2025 में तेलंगाना में 24,826 सड़क दुर्घटना मामले दर्ज हुए, जो 2024 की तुलना में 5.6 प्रतिशत अधिक हैं। इसमें लगभग 6,500 लोगों की मौत हुई और 14,768 लोग घायल हुए। अधिकारियों ने यह भी बताया कि अधिकांश दुर्घटनाएं गंभीर सिर की चोटों के कारण होती हैं। इसलिए दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग करें, शराब के प्रभाव में वाहन न चलाएं और मोबाइल फोन का उपयोग न करें। यह अभियान राज्य भर के स्कूल और कॉलेजों में पैनल वकीलों और विधिक सेवा संस्थानों के कर्मचारियों की मदद से आयोजित किया जाएगा।

लंबित मुद्दों को लेकर टीजीडीए ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीडीए) के सदस्यों ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई लंबे समय से लंबित मुद्दों पर मुख्यमंत्री के व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की गई। टीजीडीए के राज्य अध्यक्ष डॉ.बी. नरहरि के नेतृत्व में वरिष्ठ पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि विभिन्न स्वास्थ्य विभागों को प्रभावित करने वाली समस्याओं के समाधान की तत्काल आवश्यकता है।

ज्ञापन में प्रमुख मांगों के रूप में तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) को द्वितीयक स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में परिवर्तित करने, वेतन स्थिरता, प्रशासनिक स्पष्टता और समान सेवा शर्तें सुनिश्चित करने का उल्लेख किया गया। टीजीडीए की अन्य मांगों में ग्रामीण और आदिवासी मेडिकल कॉलेजों व अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों के लिए विशेष चिकित्सा भत्ता, समयबद्ध पदोन्नति, डॉक्टरों को अर्जित अवकाश का नकदीकरण (एनआईएमएस की तर्ज पर) तथा प्रोफेसरों का मौजूदा रिक्त पदों पर स्थानांतरण शामिल है।

विभिन्न विषयों पर केंद्रित प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी : कर्णन

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने नव नियुक्त अतिरिक्त आयुक्तों और जोनल आयुक्तों से नगर निगम के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और उनकी मूल जिम्मेदारियों की समग्र समझ विकसित करने की सलाह दी है, ताकि नागरिक प्रशासन को प्रभावी और समन्वित ढंग से संचालित किया जा सके। जीएचएमसी के हालिया पुनर्गठन की पृष्ठभूमि में, जिसमें जोनों की संख्या छह से बढ़ाकर 12 और सर्किलों की संख्या 30 से बढ़ाकर 60 की गई है, जीएचएमसी मुख्यालय में 'विभागों और मुख्य कार्यों का अवलोकन' विषय पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नव नियुक्त अधिकारियों को नगर निगम की विभिन्न इकाइयों की संरचना और कार्य निष्पादन से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान इंजीनियरिंग एवं इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, राजस्व एवं नगर नियोजन, प्रशासन एवं सहायक सेवाएं तथा शहरी सेवाएं एवं विकास विभागों के अधिकारियों ने विस्तृत प्रस्तुतियां दीं।

इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विभागों की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और प्रदर्शन मानकों की जानकारी दी गई तथा अधिकारियों द्वारा उठाए गए सवालों का संबंधित विभाग प्रमुखों ने समाधान किया। इस अवसर पर आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि विभागीय कार्यों और उनकी मूल जिम्मेदारियों पर आधारित संरचित प्रस्तुतियां अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन स्पष्टता और दक्षता के साथ करने में सहायक होंगी। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में विभिन्न विषयों पर केंद्रित प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें 6 जनवरी को परियोजनाएं, 7 जनवरी को स्वच्छता, 8 जनवरी को नगर नियोजन और 9 जनवरी को रखरखाव से संबंधित सत्र शामिल होंगे। आयुक्त ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जोनवार विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुतियां तैयार करें, जिनमें विभागीय प्रदर्शन और मुख्य कार्यों को दर्शाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से इन ओरिएंटेशन कार्यक्रमों का पूरा लाभ उठाकर जीएचएमसी की कार्यप्रणाली की समग्र समझ हासिल करने और प्रशासनिक समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने का आह्वान किया। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त जी. श्रीजना, विनय कृष्णा रेड्डी, हेमंत केशवपटिल, रघु प्रसाद, पंकजा, मंगा थयारू और सत्यनारायण के साथ-साथ जोनल आयुक्त जी. मुकुंद रेड्डी, अपूर्व चौहान, के. चंद्रकला, राधिका गुप्ता, प्रियंका आला, संचीत गंगवार, हेमंत बोरकडे, रवि किरण, सहदेव राव, मुख्य अभियंता सहदेव रत्नाकर, ज्योति तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन क्रूज बुकिंग के नाम पर 2.42 लाख की ठगी

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर का एक व्यक्ति ऑनलाइन क्रूज बुकिंग घोटाले का शिकार हो गया। ठगों ने खुद को यात्रा सेवा प्रदाता बताकर उससे 2.42 लाख रुपये से अधिक की रकम ठग ली। शिकायत के अनुसार, काचीगुडा निवासी पीड़ित को 26 दिसंबर 2025 को ऑनलाइन सर्च के दौरान एक वेबसाइट मिली, जिसमें कोच्चि, लक्षद्वीप और मुंबई के लिए क्रूज यात्राओं की पेशकश की जा रही थी। ऑफर को सही मानते हुए उसने चार लोगों के लिए क्रूज बुक किया और शुरूआती भुगतान किया।

इसके बाद ठगों ने लेन-देन में तकनीकी समस्या का बहाना बनाकर कई किश्तों में पैसे ट्रांसफर करवाए। बाद में लक्षद्वीप परमिट, बच्चों के खर्च और अन्य अतिरिक्त शुल्क के नाम पर और रकम मांगी गई। पीड़ित को आश्वासन दिया गया कि अतिरिक्त राशि चेकआउट के समय लौटा दी जाएगी।

बाद में भुगतान विफल होने का बहाना बनाकर बुकिंग रद्द कर दी गई और रिफंड के लिए भारी रद्दीकरण शुल्क की मांग की गई। व्हाट्सएप के जरिए संपर्क करने वालों ने खुद को एक प्रतिष्ठित क्रूज ऑपरेटर का कस्टमर केयर अधिकारी बताया था। इस धोखाधड़ी में पीड़ित को कुल 2,42,488 रुपये का नुकसान हुआ। शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यात्रा सेवाओं की बुकिंग केवल आधिकारिक प्लेटफार्मों के माध्यम से करें और किसी भी साइबर ठगी की सूचना तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर दें।

विशाखा रिफाइनरी उन्नयन से आत्मनिर्भर भारत को मजबूती

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू का बयान

अमरावती, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने कहा है कि विशाखापट्टनम रिफाइनरी में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की अवशेष उन्नयन सुविधा के सफल संचालन के साथ राज्य ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना के तहत नई अवशेष उन्नयन सुविधा शुरू की गई है, जिसमें दुनिया के तीन सबसे भारी रिएक्टर लगाए गए हैं। इससे क्षेत्र की ईंधन जरूरतें पूरी होंगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दूरदृष्टि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि इससे पूर्वी तट एक विश्व स्तरीय रिफाइनिंग हब के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह संयंत्र स्वदेशी इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि विशाख रिफाइनरी की स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी और वर्ष 1978 से इसका संचालन हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पास है।

डिप्टी मेयर से मिलें उस्मानिया यूनिवर्सिटी मुस्लिम कब्रिस्तान कमेटी के पदाधिकारी

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर के पी एंड टी कॉलोनी स्थित मुस्लिम कब्रिस्तान से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर उस्मानिया यूनिवर्सिटी मुस्लिम कब्रिस्तान कमेटी के सदस्यों ने उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की और एक ज्ञापन सौंपा। कमेटी सदस्यों ने 16 जनवरी 2026 को होने वाले पवित्र शबे मेराज के अवसर पर कब्रिस्तान में मूलभूत सुविधाओं को तत्काल बेहतर बनाने की मांग की। उन्होंने कब्रिस्तान परिसर में प्रकाश व्यवस्था, झाड़ियों और जंगली पौधों की सफाई, पेड़ों की शाखाओं की कटाई, स्वच्छता कार्यों और रंग-रोगन कराने का आग्रह किया। इसके साथ ही 40 स्ट्रीट लाइटें, तीन सेंटर पोलों पर हैलोजन लाइटें लगाने, सीमेंट की कुर्सियों की व्यवस्था करने, शौचालयों के नवीनीकरण एवं रखरखाव तथा तीन ओवरहेड सिंटेक्स पानी की टंकियों की स्थापना की आवश्यकता बताई। कमेटी ने कहा कि यदि शबे मेराज से पूर्व ये सभी कार्य पूरे कर लिए जाएं तो श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा होगी। इस पर उप महापौर श्रीमती श्रीलता शोभन रेड्डी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिलसुखनगर स्थित आदर्श रेसिडेंसी में मुख्यअतिथि एवं तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एसोशिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो का स्वागत समरोह कार्यक्रम रविवार 4 जनवरी सायं 6 बजे आयोजको द्वारा भव्यरुप से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक एसोशिएशन के पदाधिकारी कार्याध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित, सहमंत्री अमरसिंह राजपुरोहित, सदस्य राजुसिंह राजपुरोहित, सदस्य नितेशसिंह राजपुरोहित ने संयुक्तरुप से बताया कि स्वागत समारोह कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि तेलंगाना भाजपा संगठन मंत्री चन्द्रशेखर, भाजपा प्रदेश महामंत्री टी. विरेन्द्र गौड़, तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोशिएशन के अध्यक्ष पारसमल रांका, उपाध्यक्ष जगदीशप्रसाद वर्मा, हरिराम प्रजापत, कोषाध्यक्ष उत्तमचन्द कटारिया अंकल, मार्गदर्शक पारसमल कोठारी, सहमंत्री अशोककुमार चणोदिया, जगदीशप्रसाद सीरवी, जगदीश चौधरी, सदस्य जयप्रकाश मखाना, राजेश मखाना, नवीन मखाना, सुरेशचन्द कोठारी, घेवरचन्द कोठारी, ओमप्रकाश चौधरी, महेश बैंक के वाईस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी, पूर्व चेयरमैन रमेशकुमार बंग, अमित लड्ढा, कैलाश मंत्री, भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, भबूतसिंह राजपुरोहित, दूदाराम बाबल, केवलचन्द देवासी, समाज के वरिष्ठ हरिसिंह सेवड़ व विभिन्न संस्थाओ के पदाधिकारियो का विशेष राजस्थानी परम्परा से स्वागत किया गया। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

मुख्यअतिथि संगठन मंत्री चन्द्रशेखर, एसोशिएशन अध्यक्ष पारसमल रांका ने आयोजको द्वारा किये सम्मान के लिए तहदिल से आभार प्रकट किया। आयोजक शंकरसिंह राजपुरोहित ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियो व समाज बन्धुओ का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि प्रवासी बन्धुओ द्वारा इस तरह के सम्मान समारोह आयोजित करते हुए समाज बन्धुओ में एकता बनी रहती है, एवं भरोसा दिलाया कि तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोशिएशन के कार्याध्यक्ष बनाये जाने पर सभी के सहयोग से हर सम्भव कार्य अपने कार्यकाल में करेंगे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजको, कार्यकर्ताओ व समाज बन्धुओ का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार परबत सोलंकी ने किया। मंच का संचालन सोहनसिंह, लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित ने संयुक्त रुप से किया। आयोजको के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

कुमावत समाज तेलंगाना की आम मीटिंग

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना के समस्त आजीवन सदस्य एवं तेलंगाना की सभी शाखाओं के अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक 7 जनवरी को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित की गई है। यह बैठक कुमावत समाज हैदराबाद, ज्ञान बाग कॉलोनी में आयोजित होगी। बैठक में प्रदेश नए प्रदेश अध्यक्ष एवं नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इस चुनाव प्रक्रिया में केवल आजीवन सदस्य एवं तेलंगाना की शाखाओं के अध्यक्ष ही भाग ले सकेंगे।

मंत्रियों ने राज्यपाल को मेडारम महा जातरा का आमंत्रण दिया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज मंत्री सीतक्का और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने सोमवार को सम्मक्का-सारलम्मा मंदिर के पुजारियों के साथ राजभवन (लोक भवन) में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और उन्हें मेडारम सम्मक्का-सारलम्मा महा जातरा का औपचारिक निमंत्रण पत्र सौंपा।

मंत्रियों ने राज्यपाल को महा जातरा में भाग लेने का आग्रह करते हुए मंदिर के विकास कार्यों और इस महोत्सव के आदिवासी समाज के लिए ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी वीरास्वामी तथा पुजारियों ने मंदिर की परंपराओं के अनुरूप राज्यपाल को आमंत्रण प्रदान किया।

कांग्रेस और बीआरएस के झूठे प्रचार का मजबूती से मुकाबला करें : राव

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एनडीए सरकार की नई योजना वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 को लेकर कांग्रेस और बीआरएस द्वारा फैलाए जा रहे कथित झूठे प्रचार और भ्रांतियों का मजबूती से मुकाबला करने का आह्वान किया। यहां पार्टी कार्यालय में आयोजित राज्य पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह नई योजना ग्रामीण गरीबों की आजीविका को सशक्त करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की आलोचना को अपना मिशन बना लिया है और इस अधिनियम को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने की साजिश रच रहे हैं। रामचंदर राव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे इन साजिशों को उजागर करें और जमीनी स्तर पर कांग्रेस और बीआरएस द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का प्रभावी ढंग से जवाब दें।

श्री खेतारामजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित गुजराती पाटीदार भवन में जाणुंदा परिवार द्वारा आयोजित एक शाम श्री खेतारामजी महाराज के नाम जागरण रविवार 4 जनवरी सायं 7.15 बजे से कार्यक्रम में पधारे अतिथियोफ्र का स्वागत कर भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक विजयसिंह राजपुरोहित जाणुंदा ने बताया कि ब्रह्मर्षि एक शाम श्री खेतारामजी महाराज के नाम भव्य जागरण का आयोजन पुजा-अर्चना व दीप प्रज्वलितकर किया गया। कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, युवा नेता थानसिंह डोली, समाज सेवी बाबुसिंह राजपुरोहित, दलपतसिंह राजपुरोहित, समाज के गणमान्य हरिसिंह सेवड़ व सम्मानित अतिथियो का राजस्थानी परम्परा से आयोजक विजयसिंह-श्रीमति उषा राजपुरोहित, महावीरसिंह, कृष्णा राजपुरोहित ने राजस्थानी परम्परा राजस्थानी साफा, मोतियो की माला व शॉल से विशेष सम्मान किया।

पहली बार भव्य जागरण में मरुधरा की भूमि से पधारे 5 भजन गायकार मुकेश राजपुरोहित, हेमेन्द्र राजपुरोहित, दीपक राजपुरोहित, शोभा राजपुरोहित व बाल कलाकार राम राजपुरोहित ने श्री खेतारामजी महाराज के चरणो में भजनो के पुष्प राजस्थानी अंदाज में प्रस्तुत किये। जिसका समाज बन्धुओ ने देर रात तक नाचते-गाते हुए लाभ लिया। कार्यक्रम में हजारो की संख्या में पधारे समाज बन्धुओ व भक्तो के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओ के पदाधिकारी व समाज बन्धुओ ने सपरिवार भाग लिया। आयोजक विजयसिंह जाणुंदा ने श्री खेतारामजजी महाराज के भव्य जागरण में पधारे मुख्यअतिथियो, राजपुरोहित समाज के गणमान्यो, प्रवासी समाज बन्धुओ व भक्तो का तहदिल से आभार प्रकट किया। मंच का संचालन विशाल श्रीमाली ने किया। विजयसिंह जाणुंदा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

रेलवन ऐप से डिजिटल भुगतान पर अनारक्षित टिकटों पर 3 प्रतिशत छूट

14 जनवरी से 14 जुलाई तक छह महीने की अवधि के लिए योजना लागू

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने रेलवन मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल भुगतान करके बुक किए गए अनारक्षित रेलवे टिकटों पर 3 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है। यह योजना 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक छह महीने की अवधि के लिए उपलब्ध रहेगी। रेलवन एप्लिकेशन एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफार्म पर उपलब्ध है और यह अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग, आरक्षित टिकट सेवाएं, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, शिकायत निवारण और ई-कैटरिंग जैसी सुविधाओं को एकीकृत करता है। एप्लिकेशन मौजूदा यूटीएस लॉगिन क्रेडेंशियल्स का भी समर्थन करता है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवन ऐप से यात्री घर बैठे ही अनारक्षित यात्रा और प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं और सीधे ट्रेन में सवार हो सकते हैं, जिससे टिकट काउंटर पर कतार में खड़े होने की जरूरत खत्म हो जाती है। डिजिटल भुगतान के विकल्पों में यूपीआई, पेटीएम, फोनपे, गूगल पे, इंटरनेट बैंकिंग और अन्य शामिल हैं।

किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन

पूर्व मंत्री जोगू रामन्ना ने विधायक और सांसद पर साधा निशाना

आदिलाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जोगू रामन्ना ने सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन कर स्थानीय विधायक पायल शंकर और सांसद जी नागेश पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए रामन्ना ने सवाल उठाया कि क्या विधायक और सांसद किसानों की चुनौतियों का समाधान कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र सरकारें विभिन्न अनाजों की खरीद नहीं कर रही हैं, जिससे किसानों को भारी परेशानी हो रही है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि कृषि मंडी यार्डों में करीब 1,300 क्विंटल सोयाबीन खरीद के लिए तैयार है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की गई। उन्होंने कलेक्टर राजर्षि शाह से किसानों से संवाद कर अनाज खरीद की व्यवस्था करने की मांग की और सोयाबीन किसानों के प्रति प्रशासन के रवैये को असंवेदनशील बताया।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWATENGG 2025012 का

शुद्धिपत्र

उपरोक्त निविदा सूचना में निम्नलिखित परिवर्तनीय सुधार कर दिये गये हैं, जिसे कृपया नोट किया जाना चाहिए।

विषय : ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा बंद होने की तिथि व समय :-

प्रकाशित अनुसार	अभी पढ़ा जाना चाहिए
10.01.2026, 14.00 PM	12.01.2026, 15.00 PM

ई-निविदा दस्तावेज सहित ई-निविदा का संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर

PR-221/CI/25-26

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.: eT-Central-WAT-46-2025

दिनांक: 24.12.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK सेक्शन में वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/सेन्ट्रल/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोत्तवलसा-मालिगुड़ा के बीच तेज मोड़ वाले स्थानों के लिए TSR (P)-25.08 TR. KM (मैनुअल-21.029 TR. KM एवं PQRS-4.051) TR. KM का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 8,49,14,226.36, EMD : ₹ 5,74,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 20.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-973/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'कॉमनवेल्थ 2030 के बाद गुजरात में 2036 ओलंपिक की मेजबानी का लक्ष्य'

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का बड़ा बयान

सूरत, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रविवार को कहा कि 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के बाद भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक खेलों को गुजरात में आयोजित करना है। साथ ही उन्होंने ओलंपिक में 100 पदक जीतने का लक्ष्य भी रखा।

सूरत में डॉ. हेडगेवार सेवा स्मृति सेवा समिति द्वारा आयोजित 'रन फॉर गर्ल चाइल्ड' मैराथन को संबोधित करते हुए जय शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'कॉमनवेल्थ 2030 के बाद हमारा लक्ष्य 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी यहां करना है।'

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि देश ने वहां आठ पदक जीते थे, लेकिन 2036 ओलंपिक के लिए कम से कम 100 पदक जीतने का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इनमें से 10 पदक गुजरात के खाते से आएंगे।

जय शाह ने यह भी विश्वास जताया कि गुजरात से महिला खिलाड़ी कम से कम दो पदक जीतेंगी। उन्होंने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की भी सराहना की, जिसने 2024 टी20 विश्व कप (बारबाडोस) और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया।

महिला खेलों के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए शाह ने कहा कि पहले माता-पिता अपने बेटों को विराट कोहली जैसा बनते देखना चाहते थे, लेकिन अब वे अपनी बेटियों को स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ी बनते देखने की इच्छा रखते हैं।

एशियाड के लिए 100 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना जरूरी

एएफआई ने क्वालिफाइंग मानक जारी किया

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने जापान में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेलों (एशियाड) के लिए क्वालिफाइंग मानक घोषित कर दिए। इस बार पुरुषों की 100 मीटर दौड़ और पोल वॉल्ट में चयन के लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना जरूरी होगा।

चयन समिति के चेयरमैन आदिल सुमारीवाला ने कहा, मिश्रित 4x100 मीटर रिले और मैराथन वॉक जैसे नए इवेंट्स के लिए मानक बाद में तय होंगे। इसका फैसला एशियाई रिले और वर्ल्ड रिले के बाद लिया जाएगा। खिलाड़ियों को राज्य चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रतियोगिताओं (दो अंतर-राज्य, राष्ट्रीय ओपन) में हिस्सा लेना जरूरी है। कम से कम दो प्रतियोगिताओं में मानक के करीब प्रदर्शन और अंतिम इवेंट में मानक हासिल करना अनिवार्य है।

चोट से उबर रहे नीरज, साल का कैलेंडर तैयार

चोट के चलते विश्व चैंपियनशिप खिताब बचाने में असफल रहे भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा कोच जैन जेलेग्नी के साथ 2026 का कैलेंडर तैयार कर चुके हैं। सुमारीवाला बोले, जेलेज्नी के पास नीरज का पूरा कैलेंडर है। वह चोट से उबर रहे हैं। चैंपियनशिप में दो चोटों के बावजूद उन्होंने हिस्सा लिया। हालांकि, वह सीजन की शुरुआत किस टूर्नामेंट से करेंगे, इसकी जानकारी नहीं है।

नीरज को घरेलू टूर्नामेंट से मिल सकती है छूट

एएफआई ने एशियाई खेलों के लिए तीन घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना अनिवार्य किया है। हालांकि, नीरज चोपड़ा को इससे छूट मिल सकती है। सुमारीवाला ने कहा, पिछले साल नीरज ने डायमंड लीग के कारण छूट मांगी थी, हमने दी। सभी के लिए यही नियम है। यदि कोई खिलाड़ी घरेलू स्पर्धाओं में भाग नहीं ले रहा है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। अंतिम निर्णय चयन समिति का होगा।

बांग्लादेश ने आईपीएल का प्रसारण बैन किया

मुस्तफिजुर को लीग से बाहर किए जाने पर फैसला, टी-20 वर्ल्डकप में टीम भी भारत नहीं भेजेगा

ढाका, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश सरकार ने देश में IPL के प्रसारण पर बैन लगा दिया है। वहां के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार को इस संबंध में निर्देश जारी किए। इसमें लिखा गया कि बीसीसीआई ने आगामी 26 मार्च 2026 से आयोजित इंडियन प्रीमियर लीग में बांग्लादेश के क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स टीम से बाहर करने का निर्णय लिया है।

इस निर्णय के पीछे कोई ठोस या तार्किक कारण नहीं था। यह फैसला बांग्लादेश की जनता के लिए अपमानजनक, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। ऐसे में अगले निर्देश तक IPL के सभी मैच के प्रचार, प्रसारण और पुनः प्रसारण को बंद रखने के निर्देश दिए जाते हैं।

एक दिन पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए अपनी टीम भेजने से इंकार कर दिया था। इतना ही नहीं, बीसीबी ने आईसीसी से अपने मैच श्रीलंका में कराने का अनुरोध किया था। बीसीबी ने इस मीडिया रिलीज में जानकारी दी।

बीसीसीआई ने रहमान को आईपीएल से बाहर किया था

3 जनवरी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का आदेश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। बांग्लादेश में पिछले 16 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है।

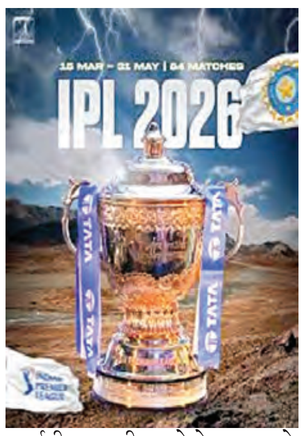

पाकिस्तान भी भारत में नहीं खेलेगा

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पहले से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करा चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवादों के कारण दोनों ही टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट नहीं खेलतीं। भारत ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में नहीं खेले थे। अब पाकिस्तान भी भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच नहीं खेलेगा। यहां तक कि भारत-पाकिस्तान मैच भी श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। अगर बांग्लादेश के मैच श्रीलंका शिफ्ट हुए तो ऐसा दूसरी टीम के साथ होगा, जो विवादों के कारण भारत में वर्ल्ड कप नहीं खेलने वाली।

बांग्लादेश का ग्रुप मुश्किल

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज में कुल 20 टीमें शामिल हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया। हर टीम अपने ग्रुप में 4 लीग मुकाबले खेलेगी। लीग स्टेज के बाद हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सुपर-8 स्टेज में एंट्री मिलेगी।

ग्रुप-सी का बांग्लादेश और ग्रुप-डी का अफगानिस्तान का ग्रुप सबसे मुश्किल नजर आ रहा हैं, क्योंकि इनमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। चारों टीमों को फाइनल खेलने का अनुभव है, वहीं बांग्लादेश और अफगानिस्तान कभी किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं पहुंच सकी हैं।

मेग लैनिंग यूपी वॉरियर्ज की कप्तान बनीं

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को 3 बार फाइनल में पहुंचाया, ऑस्ट्रेलिया को 7 वर्ल्ड कप जिता चुकीं

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग विमेंस प्रीमियर लीगमें यूपी वॉरियर्ज की कप्तान बना दी गई हैं। दिल्ली कैपिटल्स को 3 बार फाइनल में पहुंचाने वालीं लैनिंग ने दीप्ति शर्मा की जगह ली। जिन्होंने पिछले सीजन ऑस्ट्रेलिया की ही एलिसा हीली के इंजर्ड होने के बाद कप्तानी संभाली थी। लैनिंग को पिछले मेगा ऑक्शन में यूपी ने 1.90 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्हें दिल्ली ने रिलीज कर दिया था। दिल्ली ने ऑक्शन में उनके लिए बिडिंग भी की थी, लेकिन यूपी ने बाजी मार ली। लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली को 2 बार मुंबई और 1 बार बेंगलुरु से फाइनल में हार का सामना करना पड़ गया।

मेग लैनिंग ने दिल्ली के लिए 27 डब्ल्यूपीएल मैचों में 952 रन बनाए। वे टूर्नामेंट की तीसरी टॉप स्कोरर हैं। यूपी के हेड कोच अभिषेक नायर ने कहा कि लैनिंग का अनुभव और शांत स्वभाव उन्हें दुनिया की बेस्ट लीडर बनाता है। वे खेल को अच्छे से समझती हैं और प्रेशर सिचुएशन को संभालना जानती हैं। लैनिंग ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वे ऑस्ट्रेलिया को 2 बार वनडे वर्ल्ड कप और 5 बार टी-20 वर्ल्ड कप जिता चुकी हैं। 2024 में संन्यास के बाद एलिसा हीली ने उनकी जगह संभाली, लेकिन टीम 2024 में टी-20 और 2025 में वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल से ही हारकर बाहर हो गई। 2023 और 2024 के सीजन में एलिसा हीली ने यूपी की कप्तानी की। उन्होंने टीम को प्लेऑफ में पहुंचाया, लेकिन यूपी को फाइनल में नहीं पहुंचा सकी। 2025 में हीली के इंजर्ड हो जाने के बाद यूपी ने दीप्ति को कप्तानी सौंप दी, लेकिन टीम प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना सकी।

इरफान बोले- शमी को फिटनेस साबित करने की जरूरत नहीं

200 ओवर फेंक चुके, आईपीएल में लय दिखी तो कोई नजरअंदाज नहीं कर पाएगा

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर उठ रहे सवालों पर आपत्ति जताई है। इरफान ने कहा- शमी वापसी के बाद अब तक 200 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं, ऐसे में फिटनेस पर सवाल करना समझ से बाहर है। उन्हें अब इसे साबित करने की जरूरत नहीं हैं।

पता नहीं चयन समिति क्या चाहती है

इरफान ने कहा- अब इससे ज्यादा सुधार क्या चाहिए, यह तो सिर्फ चयन समिति ही जानती है। अगर मैं शमी की जगह होता तो आईपीएल में जाकर नया गेंद संभालता और ऐसा प्रदर्शन करता कि सबको जवाब मिल जाए।

उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन की बात होती है, लेकिन आईपीएल में अगर शमी अपनी पुरानी लय और फिटनेस दिखा देते हैं तो उन्हें नजरअंदाज करना किसी के लिए आसान नहीं होगा। पूरी दुनिया आईपीएल देखती है। वहां अच्छा किया तो टीम में वापसी अपने आप हो जाएगी। शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं होने चाहिए।

न्यूजीलैंड सीरीज में नहीं चुना गया

मोहम्मद शमी को न्यूजीलैंड के खिलाफ न तो वनडे न ही टी-20 सीरीज में चुना गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी।

टखने की सर्जरी के बाद से इंग्लैंड के खिलाफ वापसी की

शमी ने पिछले साल टखने की सर्जरी कराई थी। उसके बाद उनके दाएं घुटने में दर्द होने लगा था। इसी वजह से उन्हें भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी नहीं चुना गया था। शमी ने आखिरी टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड में खेला था। उन्हें 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए भारतीय टीम में चुना गया था।

सिलेक्टर्स के पास शमी के कई विकल्प

शमी की गैर मौजूदगी में सिलेक्टर्स के पास तेज गेंदबाजों के कई विकल्प हैं। इनमें प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, यश दयाल, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद और हर्षित राणा जैसे नाम हैं।

डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी 20 का पहला खिताब जीता

एमआई एमिराट्स को 46 रन से हराया, कप्तान सैम करन ने नाबाद 74 रन बनाए

दुबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। आईएलटी 20 को अपना नया चैंपियन मिल गया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स ने एमआई एमिरेट्स को 46 रन से हराकर पहली बार आईएलटी 20 का खिताब जीता।

पिछले दो सीजन में फाइनल में हार झेलने वाली डेजर्ट वाइपर्स के लिए सैम करन ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 74 रन की पारी खेली। यह उनके आईएलटी 20 करियर का बेस्ट स्कोर भी है।

सैम करन ने नाबाद 74 रन की पारी खेली

एमआई एमिरेट्स ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। वाइपर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 182 रन बनाए। कप्तान सैम करन ने 51 बॉल पर नाबाद 74 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उनके साथ मैक्स होल्डन (41) और डैन लॉरेंस (23) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। MI एमिराट्स के लिए फजलहक फारूकी को 2 और अरब गुल को 1 विकेट मिला।

आईएलटी एमिरेट्स 136 रन पर ऑलआउट

जवाब में MI एमिरेट्स की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी। टीम 18.3 ओवर में 136 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से शाकिब अल हसन (36) और किरोन पोलार्ड (28) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन लगातार विकेट गिरने की वजह से सफलता नहीं मिल सकी। डेजर्ट वाइपर्स की ओर से नसीम शाह और डेविड पेन ने 3-3 विकेट झटके। खुजैमा तनवीर और उस्मान तारिक ने 2-2 विकेट लिए।

शशि थरूर बोले- यह शर्मिंदगी हमने खुद मोल ली

मुस्तफिजुर को आईपीएल से हटाने पर बढ़ा सियासी तनाव; बीसीबी ने भारत आने से मना किया

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश एक बार फिर क्रिकेट और राजनीति से जुड़े विवाद के केंद्र में आ गए हैं। इस बार मामला टी-20 वर्ल्ड कप और इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा है। बांग्लादेश ने अगले महीने होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अपने मैच भारत में खेलने से इनकार कर दिया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि उसके मैच भारत की बजाय श्रीलंका में कराए जाएं। यह मांग तब सामने आई, जब बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को बीसीसीआई की सलाह के बाद उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज कर दिया।

इस पूरे मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने X पर लिखा, कोई हैरानी की बात नहीं। यह शर्मिंदगी हमने खुद मोल ली है।

वैभव सूर्यवंशी की 19 बॉल पर फिफ्टी

10 छक्कों के सहारे 68 रन बनाए

बेनोनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को साउथ अफ्रीका की अंडर-19 टीम के खिलाफ 19 बॉल पर फिफ्टी बनाई। उन्होंने 24 बॉल में 68 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 छक्के और एक चौका भी जमाया। इस तरह उन्होंने 68 में से 64 रन बाउंड्री से बनाए।

बेनोनी के विलोमूर पार्क स्टेडियम में वैभव ने छक्के से अपना खाता खोला। फिर फिफ्टी पूरी होते-होते 8 छक्के लगा दिए। फिलहाल, खराब रोशनी के कारण मैच को रोका गया है। मैच रुकने तक 245 चेज कर रही भारतीय टीम ने 11 ओवर में 2 विकेट पर 103 रन बना लिए हैं। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू नाबाद लौटे हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने इस पोस्ट के जरिए मैच रुकने की जानकारी दी।

टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 246 रन का टारगेट चेज कर रही है। टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी अफ्रीकी टीम 49.3 ओवर में 245 रन पर ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से जानसन रोवल्स ने 113 बॉल पर 114 रनों की पारी खेली। इस पारी में 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इंडियन टीम की ओर से किशन सिंह ने 3 विकेट झटके। आरएस अम्ब्रिश को 2 विकेट मिले। कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले के अंदर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। किशन सिंह ने अदनान लागदीन (25 रन), जोरिच वान शाल्कवाइक (10 रन) और कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया (14 रन) को पवेलियन की राह दिखाई।

46 रन पर शाल्कवाइक के आउट होने के बाद बैटिंग करने आए जानसन रोवल्स ने शतकीय पारी खेलकर टीम का स्कोर 200 पार पहुंचा दिया। उन्होंने 113 बॉल पर 114 रन बनाए। उनके अलावा, डेनियल बोसमैन ने 31 रन का योगदान दिया।

एशेज- सिडनी टेस्ट में जो रूट का 41वां शतक

पोंटिंग की बराबरी, तेंदुलकर और कैलिस ही आगे

इंग्लैंड 384 रन पर ऑलआउट

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज 2025-26 का पांचवां और आखिरी टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। मैच का आज सोमवार को दूसरा दिन है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने इस मुकाबले में टेस्ट करियर का 41वां शतक जड़ा। उन्होंने 242 बॉल पर 160 रन बनाए। सिडनी टेस्ट के पहले दिन बारिश और खराब रोशनी की वजह से केवल 45 ओवर का खेल हो सका था। पहले दिन रूट 72 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। दूसरे दिन उन्होंने 146 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह इस एशेज सीरीज में रूट का दूसरा शतक है। इस शतक के साथ ही रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी पर पहुंच गए। दोनों के नाम अब 41-41 टेस्ट शतक हैं। रूट ने यह उपलब्धि अपने 163वें टेस्ट में हासिल की, जबकि पोंटिंग ने 168 टेस्ट मैच खेले थे। इस लिस्ट में अब रूट से आगे सिर्फ दो बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (51 शतक) और जैक कैलिस (45 शतक) हैं। दूसरे दिन इंग्लैंड ने 211/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम पहली पारी में 384 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। साल 2021 के बाद से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रूट सबसे आगे हैं। रूट ने इस दौरान अब तक 24 टेस्ट शतक लगाए हैं। उनके बाद इस लिस्ट में स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन, हैरी ब्रुक और शुभमन गिल संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इन सभी बल्लेबाजों ने 2021 के बाद टेस्ट क्रिकेट में 10-10 शतक जड़े हैं। रूट का इस एशेज सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया में एक भी शतक नहीं था। गाबा के मैदान पर सीरीज के दूसरे मुकाबले की पहली पारी में उन्होंने 138 रन बनाए थे। हालांकि इंग्लैंड वह मैच हार गया था। इसके अलावा पहले 4 टेस्ट की 7 अन्य पारियों में वह फेल रहे।

डेमियन मार्टिन की सेहत में सुधार, कोमा से बाहर आए

मेनिन्जाइटिस के चलते दिमाग में सूजन

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन की सेहत में सुधार हुआ है। मेनिन्जाइटिस के चलते इंड्यूस्ड कोमा में रहने वाले 54 साल के मार्टिन अब होश में आ चुके हैं और डॉक्टर उन्हें जल्द ही आईसीयू से बाहर शिफ्ट करने की उम्मीद जता रहे हैं।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और उनके करीबी दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने बताया कि पिछले 48 घंटे में हालात पूरी तरह बदल गए हैं।

गिलक्रिस्ट के मुताबिक, मार्टिन अब बात करने लगे हैं और इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मार्टिन को 27 दिसंबर को गंभीर हालत में ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बॉक्सिंग डे के दिन अचानक मार्टिन की तबीयत बिगड़ गई थी।

मार्टिन ने 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेले

डेमियन मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की है। इसके अलावा वे चार टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में भी खेले हैं। अपने करियर में मार्टिन ने टेस्ट क्रिकेट में 4406 रन बनाए, जबकि वनडे में उनके नाम 5346 रन दर्ज हैं।

2006 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी वे क्रिकेट से जुड़े रहे। मार्टिन 1999 और 2003 की वर्ल्ड कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी शामिल थे।

भारत के खिलाफ 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में नाबाद 88 रन बनाए

2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। मार्टिन ने 84 बॉल पर नाबाद 88 रन बनाए और कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ 234 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 359/2 का बड़ा स्कोर बनाया था ।

मार्टिन 2006 चैंपियंस ट्रॉफी में भी ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने पांच पारियों में 241 रन बनाए, इसमें दो अर्धशतक शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने मेडारम महा जातरा का आधिकारिक पोस्टर जारी किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को तेलंगाना विधानसभा मेडारम महा जातरा उत्सव की रंग-बिरंगी छटा से सराबोर हो गई। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का, बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, वारंगल जिले के जनप्रतिनिधियों और मंदिर के पुजारियों के साथ विधानसभा में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मिले और उन्हें आमंत्रण पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेडारम महा जातरा -2026 का आधिकारिक पोस्टर जारी किया। इसके अलावा, मंत्रियों ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार तथा विधानसभा में उपस्थित अन्य मंत्रियों को भी आमंत्रण दिया। इस अवसर पर मेदाराम के कार्यकारी अधिकारी वीरास्वामी, सम्मक्का-सारलम्मा पुजारी संघ के अध्यक्ष सिद्धबोयिना जग्गाराव तथा अन्य पुजारियों ने मंदिर परंपरा के अनुसार पवित्र धागा बांधा, शॉल भेंट की और सोना अर्पित कर औपचारिक रूप से जातरा में आमंत्रित किया। मंत्रियों ने गणमान्य व्यक्तियों को आधिकारिक निमंत्रण पत्र सौंपते हुए भव्य उत्सव में भाग लेने का अनुरोध किया। मेडारम महा जातरा 28 से 31 जनवरी तक आयोजित की जाएगी। राज्य सरकार ने मेडारम में 230 करोड़ रुपए की लागत से व्यापक विकास कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 19 जनवरी को सम्मक्का-सारलम्मा वेदियों और मंदिर परिसर के नवीनीकरण कार्यों का उद्घाटन करेंगे। नव विकसित मेडारम मंदिर परिसर पूरी तरह पत्थर की संरचनाओं से बनाया गया है, जिसे अगले हजार वर्षों तक टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। प्रवेश द्वार और परिधि दीवारें सम्मक्का-सारलम्मा के बलिदान और आदिवासी इतिहास को दर्शाती हैं। मेदाराम अब जनजातीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम बन गया है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आधिकारिक रूप से मेडारम महा जातरा के निमंत्रण पत्र सौंपे गए। निमंत्रण प्राप्त करने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों ने देश के सबसे बड़े आदिवासी मेले में अवश्य शामिल होने की बात कही।

आवारा कुत्तों के हमले से 30 लोग घायल

स्थानीय लोग चिंतित, अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग

निर्मल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा कस्बे की विभिन्न कॉलोनियों में सोमवार को आवारा कुत्तों के हमले में करीब 30 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, गणेश नगर, मदीना कॉलोनी, कड्डा होटल क्षेत्र, बस स्टैंड और अन्य हिस्सों में कुत्तों के काटने से कम से कम 25 पुरुष, महिलाएं और बच्चे घायल हुए। उन्हें भैंसा के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ का इलाज जारी है, जबकि कुछ को शाम तक छुट्टी दे दी गई।

स्थानीय लोगों ने आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक पर चिंता व्यक्त की और बताया कि वे किराने का सामान लेने और अन्य दैनिक कामों के लिए सड़कों पर निकलने से डर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से इस समस्या का जल्द समाधान करने की अपील की। इस बीच, भैंसा के सब-कलेक्टर अजमीरा संकेत ने घायलों को सांत्वना दी और अधिकारियों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भैंसा नगरपालिका के अधिकारियों से आवारा कुत्तों की समस्या को रोकने के लिए कदम उठाने को कहा।

बिजली क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना ही सरकार का उद्देश्य : भट्टी विक्रमार्क

एम्बुलेंस की तर्ज पर बिजली सेवाएं

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बिजली क्षेत्र को मजबूत करते हुए किसानों और आम जनता को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना ही जन सरकार का उद्देश्य है। यह बात उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान कही। बिजली विभाग पर हुई चर्चा का विस्तृत जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान जमा हुई समस्याओं को दूर करते हुए आधुनिक तकनीक के साथ बिजली विभाग को जनता के और करीब लाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जनवरी 2022 से दिसंबर 2025 तक लंबित आवेदनों की समीक्षा कर 3 लाख 44 हजार 462 किसानों को नए कृषि बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। कनेक्टेड लोड के अनुरूप 75 हजार 686 नए ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वरिष्ठता के आधार पर बिना किसी भेदभाव के कनेक्शन दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, लाइन कार्य पूरा होते ही 9,700 और किसानों को ट्रांसफॉर्मर स्वीकृत किए जाएंगे। वर्ष 2024 और 2025 में लगभग दो लाख अतिरिक्त कनेक्शन देना सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बिजली आपूर्ति में बाधा आने पर अब लोगों को घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा।'

108 एम्बुलेंस' की तर्ज पर 'बिजली एम्बुलेंस' सेवाएं शुरू की गई हैं। 1912 टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करते ही मोबाइल ट्रांसफॉर्मर, थर्मल विजन कैमरा और सेफ्टी गियर से लैस वाहन मौके पर पहुंचेगा। इस वाहन में एक इंजीनियर और दो कर्मचारी होंगे, जो युद्धस्तर पर समस्या का समाधान करेंगे।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य में कहीं भी बिजली खंभों, ट्रांसफॉर्मरों या तारों की कोई कमी नहीं है। प्रजा बाटा कार्यक्रम के तहत अधिकारी सप्ताह में तीन दिन खेतों में रहकर झुके हुए खंभों और लटकते तारों को ठीक कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई सदस्य लिखित रूप में समस्या उनके संज्ञान में लाता है, तो 24 घंटे के भीतर समाधान किया जाएगा।

जीएचएमसी के विभाजन का कोई तत्काल प्रस्ताव नहीं

एचएमडीए 5,000 करोड़ रुपये का ऋण लेने की प्रक्रिया में

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को विधायी कार्य मंत्री डी श्रीधर बाबू ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार के पास ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को तीन भागों में विभाजित करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। हालांकि उन्होंने बताया कि हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) ऋण बाजार और राष्ट्रीयकृत बैंकों से 5,000 करोड़ रुपये के नए ऋण लेने की प्रक्रिया में है।

बीआरएस के उप नेता टी हरीश राव के प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने सदन को बताया कि दिसंबर 2025 के अंत तक जीएचएमसी पर कुल बकाया ऋण 4,707.81 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में जीएचएमसी ने कोई नया ऋण नहीं लिया है।

श्रीधर बाबू ने यह भी बताया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार मौजूदा देनदारियों के बेहतर प्रबंधन के लिए ऋण पुनर्गठन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने हाल ही में आउटर रिंग रोड की सीमा के भीतर स्थित 20 नगरपालिकाओं और सात नगर निगमों का जीएचएमसी में विलय किया है। इसके लिए तेलंगाना नगरपालिका अधिनियम और जीएचएमसी अधिनियम में आवश्यक संशोधन भी विधानसभा में किए गए हैं।

पोलावरम-नल्लमाला लिंक अंतर-राज्यीय जल कानूनों का उल्लंघन: उत्तम

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित पोलावरम-नल्लमाला सागर परियोजना अंतर-राज्यीय नदी जल नियमों के विरुद्ध है। सोमवार को विधानसभा में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार इस परियोजना का हर मंच पर कड़ा विरोध कर रही है। इस संबंध में कृष्णा रिवर मैनेजमेंट बोर्ड (केआरएमबी) को पत्र लिखा गया है, जिसने भी राज्य की आपत्तियों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का विरोध केवल तेलंगाना ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और कर्नाटक भी कर रहे हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि उन्होंने और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से सुप्रीम कोर्ट में मजबूत दलीलें रखने का अनुरोध किया है। अदालत के सुझाव के अनुसार राज्य सरकार एक मुकदमा दायर कर रही है और वे स्वयं अगले सोमवार को सुनवाई में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार अदालत से परियोजना पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध करेगी।

बीआरएस सरकार ने पीएम-कुसुम योजना की उपेक्षा की : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना सरकार सौर ऊर्जा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र के साथ-साथ घरेलू उपभोग के लिए भी हरित ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योजनाएं तैयार की गई हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लगभग दस वर्ष पहले शुरू की गई पीएम-कुसुम योजना को पिछली बीआरएस सरकार की लापरवाही के कारण तेलंगाना में लागू नहीं किया गया, क्योंकि आवश्यक प्रस्ताव ही नहीं भेजे गए। उन्होंने कहा कि केंद्र अब यह स्पष्ट कर रहा है कि योजना पहले घोषित जरूर की गई थी, लेकिन उस समय राज्य ने इसका उपयोग नहीं किया और वर्तमान में इसके लिए धन उपलब्ध नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार पीएम-कुसुम के अंतर्गत अधिकतम कनेक्शन प्राप्त करने के लिए लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उन्होंने स्वयं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात कर लिखित अनुरोध भी सौंपा है तथा अन्य राज्यों के अप्रयुक्त कोटे को तेलंगाना को देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि चूंकि तेलंगाना में मुफ्त बिजली दी जा रही है, इसलिए किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र से कुछ दिशानिर्देशों में संशोधन का अनुरोध किया गया है।

कृषि क्षेत्र में सौर क्रांति लाने के लिए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को समूह बनाकर सौर परियोजनाएं स्थापित करने और किसानों की भूमि लीज पर लेने की अनुमति दी गई है।

भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि पीएम-कुसुम योजना केवल अपनी भूमि पर खेती करने वाले किसानों पर लागू होती है, लीज पर खेती करने वालों पर नहीं। राज्य सरकार ने इस शर्त में ढील देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों का अंश स्वयं वहन करने को तैयार है और केंद्र से पीएम-कुसुम कनेक्शन स्वीकृत करने की अपील की गई है। किसानों को पहले से ही गुणवत्तापूर्ण मुफ्त बिजली मिलने के कारण फिलहाल सौर कृषि कनेक्शन में रुचि कम है, जिसे बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

हाफिजपेट में एटीएम चोरी की कोशिश नाकाम

मियापुर पुलिस ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर पुलिस ने डायल-100 अलर्ट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए हाफिजपेट इलाके में एटीएम से चोरी करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। यह घटना रविवार देर रात मार्तंडा नगर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में हुई।

सूचना मिलने के कुछ ही मिनटों में पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के दौरान संदिग्ध को रंगे हाथों पकड़ लिया। संदिग्ध की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के निवासी वी. कटामैया (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समय पर कार्रवाई से एटीएम को भारी नुकसान से बचाया जा सका। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल-100 पर दें।

संक्रांति पर टोल छूट को लेकर कांग्रेस सरकार पर दोहरे मापदंड का आरोप

बीआरएस एमएलसी देशपति श्रीनिवास ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पार्षद एवं एमएलसी देशपति श्रीनिवास ने संक्रांति त्योहार के दौरान आंध्र प्रदेश जाने वाले लोगों को टोल छूट देने के कांग्रेस सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने इसे दोहरे मापदंड और भेदभावपूर्ण रवैया बताया। सोमवार को परिषद में इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य के लोगों को टोल में राहत देना गलत नहीं है, लेकिन तेलंगाना के निवासियों को दशहरा और बतुकम्मा जैसे प्रमुख राजकीय त्योहारों पर ऐसी सुविधा नहीं देना अनुचित है। उन्होंने सवाल किया कि जब इन त्योहारों पर भारी भीड़ रहती है, तब सरकार ने टोल छूट क्यों नहीं दी।

एमएलसी ने मांग की कि सरकार आगामी त्योहारों के दौरान तेलंगाना के सभी टोल प्लाजा पर टोल छूट की तत्काल घोषणा करे। उन्होंने सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी द्वारा केंद्र को पत्र लिखकर आंध्र प्रदेश के चिल्लकल्लू टोल प्लाजा पर भी छूट मांगे जाने पर आपत्ति जताई। श्रीनिवास ने सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार तेलंगाना के बाहर स्थित टोल प्लाजा पर दी जाने वाली छूट का खर्च वहन करेगी। उन्होंने इसे राज्य के सार्वजनिक धन का अनुचित उपयोग बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि टोल छूट केवल विजयवाड़ा मार्ग तक सीमित रही, जबकि रायलसीमा मार्ग से कुरनूल और अनंतपुर जाने वाले यात्रियों को कोई राहत नहीं दी गई, जबकि इन मार्गों पर भी भारी यातायात रहता है। उन्होंने पूछा कि सरकार एक मार्ग को दूसरे मार्गों से अधिक प्राथमिकता क्यों दे रही है। बतुकम्मा और दशहरा के दौरान भारी भीड़ का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हैदराबाद से अपने पैतृक गांवों की ओर जाने वाले लाखों लोगों को घंटों टोल प्लाजा पर इंतजार करना पड़ा, फिर भी उस समय कोई छूट नहीं दी गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या तेलंगाना के त्योहारों को कम महत्व दिया जा रहा है।

दिनदहाड़े लूट के पांच कुख्यात आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों का पहले से है अपराधों से नाता

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा पुलिस ने आभूषण दुकान में दिनदहाड़े हुई लूट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला कीसरा थाने में दर्ज किया गया था। पुलिस ने तकनीकी जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की।

डीसीपी मलकाजगिरी च. श्रीधर ने बताया कि यह वारदात बीते 2 जनवरी को शाम करीब 5:15 बजे की है। आरोपी ग्राहक बनकर नागाराम स्थित बालाजी ज्वेलरी शॉप में दाखिल हुए। इसके बाद दुकानदार को कुल्हाड़ी और नकली पिस्तौल के साथ आतंकित करने लगे। आरोपियों ने दुकानदार संदीप गहलोत पर कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें सिर में चोट पहुंचाई और आभूषणों से भरा बैग लूट लिया।

हालांकि, संदीप ने साहस दिखाते हुए लूटे गए आभूषणों का बैग वापस छीन लिया। इसके बावजूद आरोपी पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार होकर कुछ सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। पुलिस ने इस घटना के आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त कर लिया। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नजीम अजीज कोटाडिया (39), व्यवसायी, कोम्पल्ली, मेडचल (मूल निवासी मीरा रोड, मुंबई), विश्वकर्मा एकेंदर सिंह (24), मजदूर, रामकोटी, हैदराबाद, मोहम्मद सैफ अली उर्फ अदनान (23), एसी मैकेनिक, किंग कोठी, हैदराबाद, राजेंद्र सिंह उर्फ राज सिंह (19), रेटी बोवली, मेहदीपट्टनम (मूल निवासी नेपाल), रतन सिंह बहादुर उर्फ रतन (23), निवासी संतोष नगर कॉलोनी, मेहदीपट्टनम, हैदराबाद शामिल है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने शहर के बाहरी इलाकों और फरार होने के आसान मार्गों के पास स्थित आभूषण दुकानों की पहले से रेकी की। योजना के तहत 2 जनवरी की शाम वारदात को अंजाम दिया गया। अपराध में चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया गया। नजीम, एकेंदर सिंह, मोहम्मद सैफ आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ पूर्व में कई संपत्ति संबंधी अपराध दर्ज हैं। रतन सिंह बहादुर उर्फ रतन गुडीमलकापुर थाने का घोषित रोडी शीटर है।

नजीम के खिलाफ पूर्व में पीडी एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। पकड़े गए आरोपियों के पास से मारुति बलेनो कार , बजाज पल्सर मोटरसाइकिल , एक नकली पिस्तौल बरामद हुआ है। पुलिस टीम को यह सफलता डीसीपी मालकाजगिरी च. श्रीधर एवं डीसीपी एसओटी रमण रेड्डी के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त डीसीपी एन. नरसिंहा रेड्डी, एसीपी वेंकट रेड्डी, एसीपी अंजय्या, कीसरा थाना प्रभारी अंजनैयुलु सहित एसओटी, क्रूज़ टीम और अन्य अधिकारियों के संयुक्त प्रयास से हासिल हुई।

पीडीएस दुकानों में पुराने चावल का स्टॉक बना समस्या

राशन डीलरों को हो रही भारी दिक्कत

करीमनगर, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों से सामान्य किस्म के चावल का पुराना स्टॉक समय पर नहीं हटाए जाने से राशन डीलरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार द्वारा गरीबों को उत्तम किस्म का चावल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अप्रैल 2025 में उगादी के अवसर पर नई योजना शुरू की गई थी। योजना लागू होने से पहले ही राशन दुकानों, गोदामों और मंडल स्तरीय स्टॉक केंद्रों में बड़ी मात्रा में सामान्य किस्म का चावल जमा था। नई व्यवस्था शुरू होने के बाद भी यह पुराना स्टॉक अब तक नहीं हटाया जा सका है।

अधिकारियों ने दो बार पुराने चावल को हटाने के लिए निविदाएं आमंत्रित कीं, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण ठेकेदार आगे नहीं आए। अब एक बार फिर नई निविदाएं बुलाने की तैयारी की जा रही है।

अधिकांश राशन दुकानें छोटे कमरों में संचालित हो रही हैं। ऐसे में पुराने स्टॉक के कारण नए चावल को रखने में दिक्कत हो रही है। कई जगह महीनों से पड़े चावल में कीड़े लग गए हैं, जो नए चावल में भी फैल रहे हैं। इससे उपभोक्ता कीड़े लगे चावल लेने से इनकार कर रहे हैं। डीलरों ने सरकार से मांग की है कि पुराने स्टॉक को जल्द हटाया जाए। जानकारी के अनुसार, हुज़ूरबाद, जम्मीकुंटा और रुकमापुर के गोदामों में 4,732 मीट्रिक टन चावल मौजूद है, जबकि करीमनगर, चोप्पाडंडी, हुज़ूरबाद और जम्मीकुंटा के एमएलएस केंद्रों में 481 मीट्रिक टन चावल रखा हुआ है। इसके अलावा राशन दुकानों में लगभग 5,820 क्विंटल चावल अभी भी पड़ा हुआ है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.